खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :31°C
न्यूनतम: 24°C

हल्द्वानी, बुधवार 25 जून 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 304 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com आषाढ़ कृष्ण पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2082 28 ज़िलहिज्जा 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

राहुल गांधी ने की ओडिशा में दलित युवकों पर अत्याचार की कड़ी निंदा पेज 2

स्पिन गेंदबाज दिलीप दोशी का दिल का दौरा पड़ने से निधन खेल टाइम्स

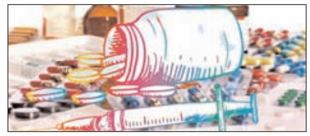

नशीली दवाओं के विरुद्ध महत्वाकांक्षी युद्ध संपादकीय

इजरायल को दहलाकर मुस्लिमों में हीरो बने खामेनेई पेज 12

ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर ढाई घंटे में ही टूटा

ईरान ने इजरायल पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, एक बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी, पांच लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल

इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान के उत्तरी हिस्से में रडार साइट पर हमला किया, इजरायली आर्मी ने की हमले की पुष्टि

तेहरान/वाशिंगटन, वार्ता

इजरायल -ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार सुबह सीजफायर का ऐलान किया। हालांकि यह कुछ घंटों में ही टूट गया।

सीजफायर शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद ईरान ने इजरायल पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं। ईरानी हमले के जवाब में इजरायल ने अपनी सेना को तेहरान में हमले का आदेश दिया था। इसके बाद इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक रडार साइट पर हमला किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक तेहरान के उत्तरी हिस्से में मंगलवार शाम दो बड़े धमाकों की आवाज़ सुनी गई हैं। इजरायल के इस कदम से युद्ध विराम की कोशिशों पर पानी फिर सकता है। इजरायली आर्मी रेडियो ने हमले की पुष्टि की है। ताजा हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को फोन करके ईरान पर हमला रोकने को कहा था। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि मैं हमला नहीं रोक सकता, क्योंकि ईरान ने पहले सीजफायर का उल्लंघन किया और उसे जवाब देना जरूरी है। दोनों देशों के बीच जारी जंग के 12वें दिन, मंगलवार सुबह 3:32 बजे ट्रम्प ने सीजफायर पर सहमति बनने का ऐलान किया -**शेष पृष्ठ दो पर**

अमेरिका से नेतन्याहू को दूसरा बड़ा झटका, ट्रम्प का ऐलान, खामेनेई ही रहेंगे ईरान के सुप्रीम लीडर

कतर के अमीर ने मध्यस्थता की, ईरान को मनाया

तेहरान/तेल अवीव। ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता के बाद हुआ। ट्रम्प ने मंगलवार सुबह 3:32 बजे 12 दिनों से जारी जंग को लेकर इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर की घोषणा की। ट्रम्प ने सीजफायर के पहले कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी से बात की थी। इसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कतर के पीएम शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी से संपर्क किया। ट्रम्प ने हमद अल थानी को बताया कि इजरायल सीजफायर के लिए तैयार है और ईरान को मनाने के लिए मदद मांगी।

भारत ने की ऑपरेशन सिंदूर के बाद 1981 करोड़ के हथियारों की आपात खरीद

भारतीय सेना और अत्याधुनिक हथियारों से होगी लैस

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने और आतंकवाद रोधी अभियानों में सेना की संचालन तथा मारक क्षमता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आपात खरीद प्रणाली के तहत 1981 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक हथियारों की खरीद के 13 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि सेना के लिए आपात खरीद मद के तहत 2,000 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी। आपात खरीद प्रणाली के तहत सेना के लिए एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), लो लेवल लाइटवेट रडार (एलएल एलआर), बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) - लॉन्चर और मिसाइल, रिमोटली पायलटेड एरियल व्हीकल (आरपीएवी), वर्टिकल टेक- ऑफ और लैंडिंग (वीटी ओएल), सिस्टम सहित लोइटरिंग म्यूनिशन, विभिन्न श्रेणियों के ड्रोन, बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे), बैलिस्टिक हेलमेट, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल (क्यूआर एफवी) - भारी और मध्यम और राइफलों के लिए नाइट साइट्स जैसे हथियार और उपकरण खरीदे जाएंगे। आपात खरीद प्रणाली के तहत त्वरित प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाने वाली खरीद का उद्देश्य आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए स्थितिजन्य जागरूकता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अधिग्रहण को कम से कम समयसीमा के भीतर पूरा किया गया है। यह खरीद रक्षा मंत्रालय की सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आधुनिक, मिशन-महत्वपूर्ण और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय इससे पहले भी कई बार आपात खरीद प्रणाली के तहत सेनाओं के लिए खरीद कर चुका है।

दो युवकों का आधा सिर मूंडा, घास खिलाई, गो-तस्करी के शक में पीटा

गंजम। ओडिशा के गंजाम जिले में गो-तस्करी के शक में दो दलित युवकों को बुरी तरह पीटा गया। उनका आधा सिर मुंडवाया गया। उन्हें घुटनों के बल रेंगने, घास खाने और नाली का पानी पीने के लिए मजबूर किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना 22 जून को खारिगुमा गांव में हुई। पुलिस ने अगले दिन यानी 23 जून को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सिंगीपुर गांव के रहने वाले बबुला नायक और बुलु नायक हरिऔर इलाके से दो गाय और एक बछड़ा अपने गांव ले जा रहे थे। खारिगुमा गांव में गो-रक्षकों ने उन्हें रोका। उनसे 30 हजार रुपये मांगे। मना करने पर पीटा। सैलून ले जाकर आधा सिर मुंडवाया। उन्हें एक किमी तक घुटनों के बल रेंगने पर मजबूर किया। दोनों लोगों को घास खिलाई और नाली का पानी पिलाया गया।

एयर इंडिया ने फिर शुरू की प. एशिया व यूरोप की उड़ानें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एयर इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि वह इस क्षेत्र में अपनी उड़ानें धीरे-धीरे फिर से शुरू करेगी। पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र धीरे-धीरे फिर से खुल रहे हैं, इसलिए उड़ानों का संचालन चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। एयर इंडिया ने यह भी कहा कि मंगलवार से यूरोप के लिए और यूरोप से आने वाली उड़ानें भी दोबारा शुरू कर दी जाएंगी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि जैसे-जैसे पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र धीरे-धीरे फिर से खुल रहे हैं, एयर इंडिया मंगलवार से इस क्षेत्र में अपनी उड़ानें धीरे-धीरे शुरू करेगी।

ऑपरेशन सिंधु के तहत 326 और भारतीय पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंधु के तहत इजरायल से मंगलवार को दो उड़ानों से 326 भारतीय नागरिक दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि ऑपरेशन सिंधु का इजरायल चरण 23 जून को शुरू हुआ, जिसमें इजरायल से 161 भारतीय नागरिकों का पहला समूह स्वदेश लौटा। मंगलवार सुबह 8:20 बजे जॉर्डन की राजधानी अम्मान से ये लोग सुरक्षित रूप से नई दिल्ली पहुंचे।

राजनाथ चीन में SCO की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को चीन के क़िंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो दिन की बैठक के दौरान सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा सुरक्षा के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी प्रयासों और एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच सहयोग सहित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

उप्र: जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूटा, सूरत में बाढ़ जैसे हालात

यमुनोत्री-बद्रीनाथ में लैंडस्लाइड, तीन की मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। गुजरात में पिछले 2 दिन से तेज बारिश हो रही है। सूरत में 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज की गई है। शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया है। शहर के स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं।

लगातार बारिश से दो स्टेट हाईवे में जलभराव हो गया है। 4-5 हाउसिंग सोसाइटी में पानी भर गया है। पूना पर्वत गाम, वराछा, कपोदरा, कटारगाम, वेद रोड और जहांगीर पुरा जैसे निचले इलाकों में लोगों के घरों में पानी घुस गया है। इधर, दक्षिण पश्चिम मानसून ने मंगलवार को हरियाणा में भी एंट्री कर ली। इसके साथ ही दिल्ली को छोड़कर मानसून सभी राज्यों में पहुंच गया है। 24 मई को तय तारीख से 8 दिन पहले मानसून ने केरल में दस्तक दी थी। दिल्ली में सामान्य तौर पर 30 जून तक मानसून पहुंचता है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और यूपी के कुछ जिलों में मानसून का प्रवेश बाकी है। आमतौर पर मानसून 8 जुलाई तक पश्चिमी राजस्थान के पोखरण में पहुंचता है। उत्तर प्रदेश में जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। 1971 से 2020 के बीच हुई औसत बारिश के मुकाबले इस साल 25 फीसदी ज्यादा बरसात हुई है। इस साल राज्य में एक जून से 23 जून के बीच 66.9 मिमी औसत बारिश हुई है, जबकि अनुमान 53.7 मिमी का था उत्तराखंड में मानसून के पहुंचने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं का दौर भी शुरू हो गया है। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची बैंड के पास भूस्खलन हुआ, इसमें करीब आधा दर्जन यात्री दब गए। मलबे से 2 शव बरामद किए गए हैं। राहत और बचाव का काम जारी है। बद्रीनाथ से लौट रहे हरियाणा के श्रद्धालु की कार पर पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर गिर जाने से महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बरसाती नाले में उफान से भारी मात्रा में मलबा दुकानों में घुस गया। लगभग आधा दर्जन दुकानों को नुकसान हुआ है।

दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में पहुंचा मानसून

इजरायल के सैनिक बीर्शेबा में ईरानी मिसाइल हमले में नष्ट हुए आवासीय भवनों के मलबे के बीच काम करते हुए। इस हमले में कई लोग मारे गए।

तीन लाख का इनामी कुख्यात अपराधी रोमिल मुठभेड़ में ढेर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुठभेड़ में एक कुख्यात अपराधी को मार गिराया, जिसकी पहचान रोमिल वोहरा के रूप में हुई है और उस पर तीन लाख दस हजार रुपये का इनाम था। स्पेशल सेल एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात हरियाणा पुलिस की एसटीएफ से सूचना प्राप्त हुई थी कि कई आपराधिक मामलों में वांछित रोमिल दिल्ली में आने वाला है। इस पर हरियाणा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की एक संयुक्त टीम ने मिलकर उसे पकड़ने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि मंगलवार सुबह दक्षिणी दिल्ली के किशनगढ़ के इलाके में हरियाणा बॉर्डर के पास पुलिस की टीम ने रोमिल को घेर लिया। रोमिल ने गोलियां चलानी शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई रोमिल ढेर हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर में शामिल होना क्राइम करने की छूट नहीं देता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दहेज हत्या के आरोपी को पुलिस के सामने सरेंडर से छूट देने से इन्कार कर दिया। आरोपी ने कोर्ट के सामने दलील दी थी कि वो ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा था।

आरोपी ने कहा कि मैं 20 साल से राष्ट्रीय राइफल्स में ब्लैककैट कमांडो हूं। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि आप ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा थे, इससे आपको घर पर अत्याचार करने की आजादी नहीं मिल जाती है। आप देखिए कि फिजिकली कितने फिट हैं, ये दिखा रहा है कि आपने अपनी पत्नी का गला घोंट दिया हो, उसे मार डाला हो। भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले का बदला लिया था। 6-7 मई की रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की थी। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल पुराने इस केस में फैसला सुनाया है। 2004 में आरोपी बलजिंदर को अमृतसर की ट्रायल कोर्ट ने दोषी करार दिया था। इसके खिलाफ बलजिंदर ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

पत्नी की हत्या के आरोपी कमांडो को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

उत्तराखंड पंचायत चुनाव

हाईकोर्ट के फैसले से पहले ही आयोग ने रोक लगाई

नैनीताल हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में राज्य चुनाव आयोग ने की अधिसूचना जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून/नैनीताल। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर हाईकोर्ट की रोक और मंगलवार की सुनवाई के आदेशों के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने भी अपने चुनावी कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि पंचायत चुनावों में नामांकन की कार्रवाई एवं अन्य आगे की कार्यवाहियां अग्रिम आदेशों तक स्थगित की जाती हैं। यानी राज्य में पंचायत चुनावों की आचार संहिता फिलहाल हट गई है।

राज्य चुनाव आयुक्त सुशील कुमार द्वारा जारी अधिसूचना में हाईकोर्ट के सोमवार 23 जून और मंगलवार 24 जून की सुनवाई एवं निर्देशों का हवाला दिया गया है। कहा है कि 21 जून को राज्य चुनाव आयोग ने जो पंचायत चुनावों का कार्यक्रम जारी किया था, उस कार्यक्रम में दिनांक 25 जून से दिनांक 28 जून तक नामांकन एवं तदोपरान्त निर्वाचन का अग्रिम कार्यक्रम निर्धारित किया गया था। चूंकि उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड, नैनीताल के उपरोक्त आदेश से राज्य सरकार के आरक्षण सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही अग्रिम आदेशों तक स्थगित की गई है जिस कारण पदों - स्थानों के आरक्षण एवं आवंटन की स्थिति स्पष्ट नहीं है। इन परिस्थितियों में नामांकन की कार्यवाही एवं तदोपरान्त अग्रिम कार्यवाहियां किया जाना संभव नहीं है। अत: उच्च न्यायालय नैनीताल के अनुपालन में आयोग द्वारा 21 जून को निर्गत अधिसूचना संख्या 1141 में विनिर्दिष्ट दिनांक 25 जून से नामांकन की कार्यवाही एवं अन्य कार्यवाहियां अग्रिम आदेशों तक स्थगित की जाती हैं।

राज्य में अग्रिम आदेशों तक पंचायत चुनावों की आचार संहिता समाप्त

सरकार ने की हाईकोर्ट से पंचायत चुनाव से रोक हटाने की मांग

नैनीताल। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर लगी रोक को हटाने के सम्बंध में मंगलवार को राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के समक्ष मेंशन कर कहा कि 9 जून को सरकार ने जो नियमावली बनाई थी उसका गजट नोटिफिकेशन 14 जून को हो गया था। लेकिन कम्युनिकेशन गैप के कारण गजट नोटिफिकेशन को हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जा सका था। मंगलवार को सरकार की ओर से यह नोटिफिकेशन हाईकोर्ट के समक्ष पेश कर दिया है। जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने पंचायत चुनाव सम्बन्धी सभी याचिकाओं की सुनवाई के लिए 25 जून बुधवार (आज) अपरान्ह 2 बजे का समय निर्धारित किया है। इस मामले में मंगलवार को दीपिका किरौला व अन्य की याचिकाएं भी सुनवाई को लगी थी।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम हमले में सभी हमलावर बाहरी थे: उमर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले में कोई स्थानीय संलिप्त नहीं थे और सभी हमलावर विदेशी नागरिक थे। अब्दुल्ला ने पर्यटन स्थल गुलमर्ग में संवाददाताओं से कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें कोई स्थानीय लोग संलिप्त नहीं थे। छब्बीस लोगों को गोली मारने वाले विदेशी थे। उन्होंने कहा कि एनआईए ने जांच के दौरान हमलावरों की मदद करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने हालांकि इस पर भी जोर दिया कि दोनों को आतंकवादियों की मदद करने के लिए मजबूर किया गया हो। उन्होंने कहा कि और हो सकता है कि एनआईए ने यह भी कहा हो कि उन्हें मदद करने के लिए मजबूर किया गया था। अब जांच जारी रहने दीजिए। उसके बाद एनआईए के समक्ष आरोप प्रस्तुत किए जाएंगे।

वैष्णो देवी का नया ट्रैक दूसरे दिन भी बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के कटरा कस्बे की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के नए ट्रैक पर भूस्खलन के बाद मंगलवार को यह दूसरे दिन भी बंद रहा और कोहरे के कारण हेलिकॉप्टर सेवा स्थगित रही। अधिकारियों ने यहां बताया कि हेमकोटि के पास भारी बारिश के कारण सोमवार को भूस्खलन और मिट्टी धंसने से नया ट्रैक बंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मलबा हटाने के लिए लोग और मशीनें काम पर लगी हुई हैं और नए ट्रैक पर यात्रा की अनुमति नहीं दी जा रही है। नए मार्ग पर चल रही बैटरी कार सेवा भी प्रभावित हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पुराने पारंपरिक मार्ग से यात्रा सुचारू रूप से चल रही है।

गरीबोन्मुखी नीतियों के पीछे है नारायण गुरु की प्रेरणा: मोदी

नई दिल्ली, वार्ता

■ सरकार के हर निर्णय के पीछे उनकी शिक्षाओं का योगदान है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के शिवगिरी मठ के संत नारायण गुरु को विक. सित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए ऊर्जा का बड़ा स्रोत बताया है और कहा है कि समाज के शोषित-पीड़ित-वंचित वर्ग के लिए उनकी सरकार के हर निर्णय के पीछे उनकी शिक्षाओं को योगदान है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां विज्ञान भवन में आध्यात्मिकता और नैतिकता का पालन करने वाले भारत के दो महानतम नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक संवाद के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर ब्रह्मर्षि स्वामी सच्चिदानंद, श्रीमठ स्वामी शुभंगा-नंदा, स्वामी शारदानंद, केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन जी, सांसद अडूर प्रकाश भी मौजूद थे। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न केवल हमारे स्वतन्त्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतन्त्रता के उद्देश्य को, आजाद भारत के सपने को ठोस मायने दिए। सौ साल पहले श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात, आज भी उतनी ही प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए, आज भी ऊर्जा के बड़े स्रोत की तरह है।

पूंजीगत निवेश के मामले में तेजी से उभर रहा यूपी

लखनऊ, वार्ता

■ बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

उत्तर प्रदेश पूंजीगत निवेश के मामले में देश के विकास इंजन के तौर पर मजबूती से उभर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के कुल पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडीचर) में अकेले यूपी की हिस्सेदारी 16.3 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है।

उल्लेखनीय है कि पूंजीगत व्यय का अर्थ उस धनराशि से है, जो सरकारें स्थाई परिसंपत्तियों जैसे कि सड़कें और राजमार्ग, विद्यालय, अस्पताल आदि के निर्माण या अधिग्रहण पर खर्च करती हैं। सरल शब्दों में यह वह खर्च है, जो सरकार भविष्य की सुविधा और विकास के लिए करती है जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना। बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से प्रस्तुत की गई हालिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में देश के 26 राज्यों का कुल पूंजीगत व्यय 10.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष 8.7 लाख करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश (16.3 प्रतिशत), गुजरात (9.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (8.3 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (8.1 प्रतिशत) और कर्नाटक (7.6 प्रतिशत) मिलकर देश के कुल पूंजीगत व्यय का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा खर्च करेंगे। इन आंकड़ों में सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश का नाम आना इस बात का संकेत है कि राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास की रफ्तार तेज है।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी यूपी ने सबसे अधिक 16.9 प्रतिशत पूंजीगत व्यय किया था। इसके बाद महाराष्ट्र (10.9 प्रतिशत), गुजरात (8.1 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (7.5 प्रतिशत) और ओडिशा (6.4 प्रतिशत) थे। पिछले कुछ वर्षों में की गई रणनीतिक योजना, निवेशक सम्मेलन, लॉजिस्टिक हब निर्माण, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट्स का विस्तार जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स ने राज्य को पूंजीगत निवेश के मामले में देश में लोकप्रिय बना दिया है। यूपी इंडस्ट्रियल डिफेंस कॉरिडोर, इंटरनेशनल फिल्म सिटी, मेडिकल कॉलेजों का निर्माण और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे मेगाप्रोजेक्ट्स भी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इज ऑफ डूइंग बिजनेस और कानून- व्यवस्था में सुधार के चलते यूपी घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए पहली पसंद बन गया है।

अधिकारियों की माने, तो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान मिले भारी निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे राज्य का कैपिटल एक्सपेंडिचर भी बढ़ा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। यही नहीं, केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त कोशिशों से यूपी को बजट आवंटन, परियोजनाओं की मंजूरी और वित्तीय सहायता में बड़ी बढ़त मिली है।

राहुल ने की दलित युवकों पर अत्याचार की कड़ी निंदा

ओडिशा की घटना संविधान पर हमला

भुवनेश्वर, वार्ता

■ घटना उन लोगों के लिए आईना है, जो कहते हैं कि जाति अब कोई मुद्दा नहीं है, देश संविधान से चलता है, किसी की सोच से नहीं

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ओडिशा के गंजम जिले के धराकोट ब्लॉक के अंतर्गत सिंगीपुर गांव में दो दलित युवकों पर किए गए अमानवीय अत्याचार की कड़ी आलोचना की है। गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि यह घटना उन लोगों के लिए आईना है, जो कहते हैं कि जाति अब कोई मुद्दा नहीं है। देश संविधान से चलता है, किसी व्यक्ति की खास सोच से नहीं। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ओडिशा में दो दलित युवकों को घुटनों पर चलने, घास खाने और गंदा पानी पीने पर मजबूर करना सिर्फ अमानवीय नहीं, बल्कि मनुवादी सोच की बर्बरता है। ये घटना उन लोगों के लिए आईना है, जो कहते हैं कि जाति अब मुद्दा नहीं रही। दलितों की गरिमा को रौंदने वाली हर घटना, बाबा साहेब के संविधान पर हमला है- बराबरी, न्याय और मानवता के खिलाफ साज़िश है। भाजपा शासित राज्यों में ऐसी घटनाएं आम होती जा रही हैं, क्योंकि उनकी राजनीति ही नफ़रत और ऊंच-नीच पर टिकी है। उन्होंने कहा कि विशेषकर ओडिशा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के खिलाफ़ अत्याचार चिंताजनक रूप से बढ़े हैं। गांधी ने कहा कि दोषियों को तुरंत गिरफ़्तार करके कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए। देश संविधान से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं। गंजम जिले के धारकोटे ब्लॉक में हुई, यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वीडियो में दो दलित युवकों को मवेशी तस्करी के संदेह में सार्वजनिक रूप से अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़ित हरिपुर गांव के निवासी हैं, कथित तौर पर एक शादी के लिए दहेज के रूप में तीन गायों को सिंगीपुर ले जा रहे थे, तभी भीड़ ने उन्हें रोक लिया। अवैध गाय तस्करी के संदेह में भीड़ ने उन्हें रस्सियों से बांध दिया, घुटनों के बल पर पूरे गांव में घुमाया और उन्हें गंदे नाले का पानी पीने के लिए मजबूर किया। इस बीच ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मंगलवार को ओडिशा विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता राम चंद्र कदम के नेतृत्व में कांग्रेस की एक तथ्य-खोजी टीम को गांव का दौरा करने, पीड़ित से मिलने, घटना की जांच करने और प्रदेश कांग्रेस कमेटी को एक रिपोर्ट सौंपने के लिए नियुक्त किया। तथ्यान्वेषी दल के अन्य सदस्य प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं विधायक रमेश जेना, पूर्व विधायक लालतेन्दु महापात्रा और महासचिव तुलेश्वर नायक हैं।

मोदी ने किया अर्थव्यवस्था का बंटाधार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है और जनता को प्रताड़ित किया जा रहा है। पार्टी के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पिछले 11 वर्ष में मोदी सरकार ने देश की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का बंटाधार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और नोटबंदी से शुरू होकर देश के लोगों पर हर वर्ष नए प्रयोग हो रहे हैं। जनता को नित नए तरीकों से प्रताकड़त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बचत खातों से मिलने वाली ब्याज दरें 25 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे बुजुर्गों और आम नागरिकों की जेब पर सीधा वार हो रहा है। बैंकों ने अपने दरवाज़ों को पहले ही आम लोगों के लिए बंद कर रखा है। इसके बाद तो वे केवल बेहद अमीर पूंजीपति मित्रों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

न्यायमूर्ति शेखर को हटाने संबंधी नोटिस पर 44 सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, वार्ता

कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव को कथित 'घृणास्पद भाषण' के चलते पद से हटाने के संबंध में प्रस्ताव लाने का नोटिस देने वाले 55 सांसदों में से 44 सदस्यों के हस्ताक्षर का सत्यापन हो गया है, जबकि कपिल सिब्बल और नौ अन्य ने अब तक अपने हस्ताक्षरों का सत्यापन नहीं किया है। इस मामले को लेकर कपिल सिब्बल ने दावा किया है कि राज्यसभा सचिवालय से ऐसा कोई ईमेल नहीं मिला है, जिसमें पुष्टि की गई हो कि पिछले छह महीनों के दौरान उनके आधिकारिक ईमेल पर तीन बार नोटिस भेजा गया है।

सिब्बल ने हस्ताक्षरों के सत्यापन की आवश्यकता और मार्च में देरी से प्रक्रिया शुरू करने में पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नोटिस 13 दिसम्बर 2024 को प्रस्तुत किया गया था। सूत्रों के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री और अब निर्दलीय राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने पिछले छह महीनों में अपने आधिकारिक ईमेल पर तीन बार अनुस्मारक भेजने के बाद भी अब तक राज्यसभा सचिवालय के समक्ष अपने हस्ताक्षर का सत्यापन नहीं कराया है। सिब्बल ने का कहना है, मैंने सभापति धनखड़ से कई बार मुलाकात की है, लेकिन उन्होंने न्यायमूर्ति यादव को हटाने के नोटिस पर मेरे हस्ताक्षरों के सत्यापन का मुद्दा कभी नहीं उठाया जबकि पूरी प्रक्रिया का प्रस्तुतकर्ता और आरंभकर्ता मैं ही हूं। शेखर यादव को हटाने के लिए 55 सांसदों ने प्रस्ताव के नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन उनमें से एक सदस्य सरफराज अहमद के हस्ताक्षर नोटिस पर दो बार हैं।

सेंसेक्स 82055.11
निफ्टी 25044.35

सोना रु. 98807
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 106502
प्रति किलो

चौतरफा लिवाली की बदौलत बाजार में तेजी

मुंबई, वार्ता

■ इजरायल-ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा से निवेशक हुए उत्साहित

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा के बाद विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 158.32 अंक की छलांग लगाकर 82055.11 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 72.45 अंक बढ़कर 25044.35 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.54 प्रतिशत उछलकर 45,818.41 अंक और स्मॉलकैप 0.71 प्रतिशत की छलांग लगाकर 53,053.00 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4144 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2662 में लिवाली जबकि 1339 में बिकवाली हुई, वहीं 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए राखी गई कुल 2976 कंपनियों के शेयरों में से 1966 में तेजी जबकि 917 में गिरावट रही वहीं 93 में टिकाव रहा। बीएसई में फोकस्ड आईटी, टेक, तेल एवं गैस, आईटी और ऊर्जा की 0.18 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर 16 अन्य समूहों का रुझान सकारात्मक रहा।

इससे कमोडिटीज 1.12, सीडी 0.37, एफएमसीजी 0.36, वित्तीय सेवाएं 0.81, हेल्थकेयर 0.18, इंडस्ट्रियल्स 0.34, दूरसंच. ार 1.13, यूटिलिटीज 0.19, ऑटो 0.62, बैंकिंग 0.72, कैपिटल गुड्स 0.26, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.42, धातु 0.96, पावर 0.55, रियल्टी 0.16 और सर्विसेज समूह के शेयर 2.13 प्रतिशत मजबूत रहे। विश्व बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.28, जर्मनी का डैक्स 1.90, जापान का निक्केई 1.14, हांगकांग का हैंगसेंग 2.06 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.15 प्रतिशत उछल गया। कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 638 अंक की छलांग लगाकर 82,534.61 अंक पर खुला और लिवाली होने से दोपहर से पहले 83,018.16 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं इसके बाद अचानक हुई बिकवाली से कारोबार के अंतिम चरण में यह 81,900.12 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 81,896.79 अंक के मुक. ाबले 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 82055.11 अंक हो गया। इसी तरह निफ्टी 208 अंक उछलकर 25,179.90 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,317.70 अंक के उच्चतम जबकि 24,999.70 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,971.90 अंक की तुलना में 0.29 प्रतिशत मजबूत होकर 25,044.35 अंक पर बंद हुआ।

सीजफायर की खबर से गिरे सोने के दाम

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा की खबर के बाद सोने और चांदी के भाव गिर गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 97,000 से नीचे चला गया, मंगलवार सुबह सोने की कीमत 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98,807 प्रति 10 ग्राम पर खुली, जो पिछले बंद भाव 99,388 से काफी कम है। दिन के शुरुआती कारोबार में सोने का भाव और नीचे गया और 96,422 के स्तर तक पहुंचा, जो 2.98 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाता है। चांदी की कीमतें भी 0.24 प्रतिशत कम होकर 1,06,502 प्रति किलोग्राम पर खुली, जो पिछले बंद भाव 1,06,759 से कम है।

खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे

नई दिल्ली, वार्ता

■ चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे

विदेशी बाजारों में आई भारी गिरावट के दबाव में मंगलवार को दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 112 रिंगिट लुढ़ककर 3975 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.96 सेंट की गिरावट के साथ 52.28 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबा. री दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबा. री दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :- दाल-दलहन : चना 5600-5700, दाल चना 6600-6700, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9450-9550, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 16849 रुपये, मूंगफली तेल 17948 रुपये, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये, सोया रिफाइंड 14102 रुपये, पाम ऑयल 13333 रुपये और वनस्पति तेल 14666 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

इटावा की घटना पर भड़के सपा मुखिया अखिलेश

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा है कि भागवत कथा किसी जाति विशेष की न होकर सभी की होती है।

वे मंगलवार को पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यूपी की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इटावा के बकेवर में पिछड़ी जाति के एक कथावाचक पर हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि समाज के उस वर्ग पर हमला है, जो अब अपने अधिकारों के लिए मुखर हो रहा है। कथा सुनना सबका हक है, तो बोलना भी सबका अधिकार है।अखिलेश यादव ने कहा कि लोगों ने इसको व्यवसाय बना लिया है । ऐसे लोगों की वजह से इटावा की घटना घटित हुई है। सरकार ऐसा कानून लेकर आए कि कथा वाचन का काम एक वर्ग विशेष के लोग ही कर सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ईरान और...

था। सुबह 10:38 बजे उन्होंने एक और पोस्ट किया और लिखा कि अभी से सीजफायर लागू होता है, प्लीज इसे न तोड़ें। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प साफ कर चुके हैं कि वह अब शांति चाहते हैं और युद्ध को और बर्दाश्त नहीं करेंगे, लेकिन इजरायल युद्ध विराम की शुरुआत से ही इसका उल्लंघन कर रहा है। मंगलवार को ट्रम्प ने इजरायल के हमलों की निंदा करते हुए कहा कि वह इजरायल के एक्शन से खुश नहीं है।

इस बयान के कुछ घंटों बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू को एक और झटका दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान में शासन परिवर्तन का विरोध करते हैं, जबकि उन्होंने दो दिन पहले ही संकेत दिया था कि वे इसका समर्थन कर सकते हैं। नेतन्याहू अपने कई भाषणों में कह चुके हैं कि ईरान का खामनेई शासन शांति में रुकावट है और वह ईरान की जनता के लिए और क्षेत्र के लिए इसे उखाड़ फेकेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वह ईरान में शासन बदलने के पक्ष में नहीं हैं। ट्रम्प ने नीदरलैंड जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि शासन परिवर्तन से 'अराज. कता' पैदा होगी, जबकि नेतन्याहू ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अली खामेनेई के मरने से ये लड़ाई बढ़ेगी नहीं, बल्कि खत्म होगी।

हालांकि दो दिन पहले ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, 'यदि वर्तमान ईरानी शासन ईरान को फिर से महान बनाने में असमर्थ है, तो शासन परिवर्तन क्यों नहीं होगा, लेकिन कतर में ईरान के हमले के बाद ट्रम्प के सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं और अब वह ईरान से पंगा लेने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। वहीं इस बहस के बढ़ने के बाद इसके बाद व्हाइट हाउस ने अपने कदम पीछे खींचते हुए कहा कि यह ईरानी लोगों को तय करना है और यह अमेरिकी सेना का लक्ष्य नहीं है। वहीं इस युद्ध के बाद ईरान समेत पूरी दुनिया में अली खामेनेई की लो. कप्रियता बढ़ गई है।

इलेक्ट्रिक कार विनिर्माण प्रोत्साहन योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन सुविधा शुरू

नई दिल्ली, वार्ता

भारी उद्योग मंत्रालय ने देश में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के कल-कारखानों को बढ़ावा देने की योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की व्यवस्था मंगलवार से शुरू कर दी और आवेदन 21 अक्टूबर शाम छह बजे तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने इसके लिए पोर्टल प्रारंभ किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह योजना के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के स्तंभों को मजबूत करने वाली है और इसका उद्देश्य भारत को अगली पीढ़ी के ऑटोमोटिव विनिर्माण और प्रौद्योगिकी नेतृत्व के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि एसपीएमईपीसीआई योजना के तहत इस पोर्टल के लॉन्च से वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए भारत के तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोटिव परिदृश्य में निवेश करने के नए रास्ते खुलते हैं। यह योजना न केवल 2070 तक कार्बन उत्सर्जन के स्तर में वृद्धि को निवल शून्य करने के लक्ष्य को हासिल करने की हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के अनुकूल है, बल्कि यह एक स्वस्थ, नवाचार- संचा. लित अर्थ व्यवस्था बनाने के हमारे संकल्प को भी मजबूत करती है। सरकार ने पिछले साल 15 मार्च को इसकी अधिसूचना जारी की थी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश इसी माह दो तारीख को अधिसूचना संख्या एसओ 2450 (ई) दो जून के माध्यम से जारी किए गए थे। इन्हें मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है। आवेदन पोर्टल आज सुबह 10.30 बजे से चालू हो गया है। आवेदन स्वीकृति तिथि से 5 वर्ष की अवधि के लिए 15 प्रतिशत की निम्नस्तरीय सीमा शुल्क की दर पर न्यूनतम 35,000 डॉलर के मूल्य के साथ पूरी तरह विनिर्मित वाहनों का आयात करने की अनुमति दी जा रही है। योजना के प्रावधानों के आवेदक को इस योजना के लाभ की पात्रता के लिए भारत में न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना आवश्यक होगा। उम्मीद है कि इस योजना के तहत कुछ चुनिंदा विदेशी इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता भारत में अपने कारखाने लगाने के लिए आ सकते हैं।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क व संचार सुविधाओं का विस्तार जरूरी

गृहमंत्री शाह के सामने राज्य से जुड़े कई अहम मुद्दों को मुख्यमंत्री धामी ने रखा

■ उत्तराखंड के हित में अनेक नीतिगत प्रावधानों में शिथिलता देने का किया आग्रह

शाह टाइम्स ब्यूरो

वाराणसी/ देहरादून। उत्तराखंड राज्य में उच्च स्तरीय ग्लेशियर अध्ययन केंद्र, जैव विविधता संरक्षण संस्थान तथा अंतर्राष्ट्रीय साहसिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र से सहयोग मांगा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वाराणसी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आदि उपस्थित थे।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से लगा राज्य सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके दृष्टिगत राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार, सुरक्षा व रसद आपूर्ति की समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि सीमा सड़क संगठन के माध्यम से उत्तराखण्ड को और अधिक सहायता प्रदान की जाए। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत राज्य के सीमावर्ती गाँवों में सुविधाओं का विकास किया जाए।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में प्रतिभाग करते गृह मंत्री अमित शाह, उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय, उत्तराखण्ड के सीएम पुष्कर सिंह धामी व वन मंत्री सुबोध उनियाल आदि।

सीमित संसाधनों में अर्थव्यवस्था में हुई डेढ़ गुना वृद्धि: मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत पर्वतीय भू-भाग वाले उत्तराखंड राज्य का 71 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। राज्य की जटिल भौगोलिक परिस्थिति तथा विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण राज्य की आर्थिक गतिविधियां सीमित हैं। इन प्रतिकूल परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग डेढ़ गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2023-24 में नीति आयोग की और से जारी एसडीजी रैंकिंग में उत्तराखण्ड ने प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही इस वर्ष जारी केयर एज रेटिंग रिपोर्ट में सुशासन एवं वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड को दूसरा स्थान मिला है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उत्तराखंड राज्य के हित में केंद्र सरकार से कुछ नीतिगत प्रावधानों में शिथिलता प्रदान करने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के केंद्रीय अनुदान का आवंटन एकमुश्त किये जाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कुशल संचालन हेतु अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अध्ययन के लिए राज्य में एक उच्चस्तरीय ग्लेशियर अध्ययन केंद्र की स्थापना किये जाने, जैव विविधता संरक्षण संस्था की स्थापना के लिए भी केंद्र से तकनीकी सहयोग की मांग की। अंतर्राष्ट्रीय साहसिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग मांगा। 2026 में नंदा राजजात यात्रा व 2027 में कुम्भ मेले के सफल आयोजन को केंद्र से सहयोग प्रदान करने का भी आग्रह किया।

यमुनोत्री यात्रा दो दिनों से बाधित लापता श्रद्धालुओं की खोजबीन जारी

■ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संभाला मोर्चा जियोलॉजिस्ट की टीम ने किया भूस्खलन का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग नौ कैंची के पास चट्टान खिसकने से हुए नुकसान का जायजा लेने स्वयं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने जियोलॉजिस्ट की टीम को भी तत्काल निरीक्षण करने व भूस्खलन के कारणों का पता लगाने के लिए निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी स्वयं राहत और बचाव कार्य की लगातार निगरानी कर रहे है।

बता दें कि सोमवार दोपहर बाद सवा चार बजे यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग नौ कैंची बैंड के निकट अचानक चट्टान खिसकने से दो श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई थी और एक घायल हो गया था, जबकि दो लोग अभी भी लापता बताए जा रहें हैं। आज सुबह 6 बजे प्रातः रेस्क्यू ऑपरेशन पुनः शुरू किया। देर सायं रेस्क्यू अभियान जारी रहा, अब बुधवार को पुनः सर्च ऑपरेशन शुरू होगा।

उधर घटना स्थल पर एनडीआरफ, एसडीआरएफ तथा पुलिस राहत और बचाव कार्यों में जुटें हैं।

चट्टान खिसकने से यमुनोत्री यात्रा भी रोक दी गई थी, वैकल्पिक मार्ग से यात्रा शुरू करने में भी जिला प्रशासन जुटा है। दो लापता श्रद्धालुओं की खोजबीन जारी है। धाम के मुख्य पड़ाव बड़कोट, दुबाटा बैंड, गंगनानी, खरादी, पालीगाड़, स्याना चट्टी, राना चट्टी, जानकी चट्टी समेत कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को रोका गया है।

वहीं उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग नौकैंची के निकट भूस्खलन के बाद यात्रियों को सुरक्षा की दृष्टि से रोक दी थी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोका है। जिला परिचालन केंद्र के बुधवार से यमुनोत्री पैदल मार्ग पर सुरक्षित आवागमन सुचारू कर यात्रियों को जानकीचट्टी से यमुनोत्री धाम भेजा जाएगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सरिता डोभाल, पुलिस उपाधीक्षक जनक पंवार आदि उपस्थित हैं।

कांग्रेस ने पूछा, कौन है प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में पंचायती राज मंत्री कौन है और पंचायती राज अधिनियम की नियमावली कहां और क्या है यह सवाल मगंलवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने राज्य सरकार से करते हुए प्रदेश सरकार पर जोरदार हमला बोला।

मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की नौकरशाही ने प्रदेश सरकार चला रहे राजनैतिक नेतृत्व को पंगु बना छोड़ा है जिसके कारण आए दिन सरकार की छीछालेदर होती है जिसे राज्य के पंचायती चुनावों को लेकर हो रही है।

धस्माना ने कहा कि पहले तो सरकार ने पंचायत चुनाव समय पर ना करवा कर अपनी किरकिरी की फिर एक अजूबा किया कि जिला पंचायत अध्यक्षों ब्लॉक प्रमुखों व ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया और फिर दूसरी बार जब प्रशासकों का कार्यकाल खत्म हुआ तो पंचायतों को कई दिनों तक लावारिस छोड़ कर अधिकारियों को प्रशासक बनाया और अब जब उच्च न्यायालय की लताड़ के बाद चुनाव करने का निर्णय लिया तो आरक्षण का रोस्टर ही शून्य करवा दिया जिससे पूरे प्रदेश में असंतोष और आक्रोश फैल गया जिसे कोर्ट में चुनौती दी गई।

धस्माना ने कहा कि सोमवार को जब उच्च न्यायालय ने सरकार से सवाल किया कि पंचायत चुनाव की नियमावली कहां है तो सरकार ने हास्यास्पद जवाब देते हुए कहा कि नियमावली नोटिफाई हो गई, मगर प्रेस वालों ने छापी नहीं। धस्माना ने कहा कि सरकार के जवाब से असंतुष्ट न्यायालय ने चुनाव पर रोक लगा दी और गजब तो यह है कि राज्य निर्वाचन आयोग की और से जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार कल से राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के नामांकन शुरू होने हैं, मगर कोर्ट के स्टे व चुनाव स्थगित होने के आदेश अभी तक जारी नहीं किए गए और राज्य में चुनाव आचार संहिता अभी भी लागू है।

एनएफडीसी की कार्यशाला आज

देहरादून। सूचना प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम एनएफडीसी, इंडिया सिने हब और उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को देहरादून में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने बताया है कि इस कार्यशाला का विषय डेवलपमेंट इन फिल्मिंग इको सिस्टम इन उत्तराखंड रखा गया है।

आपातकाल कभी न भुलाए जाने वाला कलंक: बंसल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डा. नरेश बंसल ने कहा कि निरंकुश व सत्ता के मद मे चूर, खुद को सबसे ऊपर मानने वाली, जनता के विद्रोह व न्यायापालिका के आदेश से घबराई प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को भारतीय लोकतंत्र की हत्या करते हुए भारतीय इतिहास के काले अध्याय आपातकाल को लागू कर दिया था। जिसके तहत भारतीय नागरिकों के

अधिकारों का दमन कर दिया गया था।इस दौरान नागरिकों के लो. कतांत्रिक अधिकार सीमित कर दिए गए थे और बड़े पैमाने पर विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में डाला गया था।

मैंने भी इस आपतकाल को करीब से देखा

डा. नरेश बंसल ने कहा कि उन्होंने भी इस आपातकाल को करीब से देखा है। सरकार को खुश करने के लिए पुलिस-प्रशासन का अत्याचार चरम पर था, एक परिवार को सत्ता में रखने को सब हो रहा था। उसे समय भी कुछ दिवाने थे जिन्होंने आवाह्न किया, इंदिरा गद्दी खाली करो जनता आती है। कहा कि वह भी उस समय आरएसएस की उस टोली के सदस्य थे।

गुलदार ने चार वर्षीय बालक पर किया हमला, मां की बहादुरी से बची जान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र के पट्टी भदूरा स्थित ओनालगांव में सोमवार रात लगभग 8:30 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब एक गुलदार ने घर के आंगन में खेल रहे चार वर्षीय बालक पर जानलेवा हमला कर दिया। बालक गणेश पर हमला होते ही उसकी माँ अंगुरी देवी बिना डरे गुलदार से भिड़ गई और अपनी बहादुरी से बेटे की जान बचा ली।

पूर्व ग्राम प्रधान दलबीर राणा से मिली जानकारी के अनुसार, बालक अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर के आंगन में था, तभी पास के खेतों में घात लगाए बैठे गुलदार

ने अचानक झपट्टा मारकर गणेश को पकड़ लिया।

घटना से स्तब्ध मां अंगुरी देवी ने साहस का परिचय देते हुए गुलदार से भिड़कर बच्चे को उसके चंगुल से छुड़ाया। शोरगुल सुनकर परिवार और आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, जिसके बाद गुलदार बालक को छोड़कर भाग निकला।

हमले में बालक के कान और सिर पर गुलदार के नाखूनों से गंभीर चोटें आईं। घायल बालक को परिजनों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौंड पहुंचाया, जहां डॉक्टर राहुल द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल नई टिहरी रेफर कर दिया, जिला चिकित्सालय से भी हालत गंभीर देखते हुए रात 12 बजे बालक को एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

केदारनाथ में दूर संचार व्यवस्था लड़खड़ाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। धाम में दूर संचार व्यवस्था ठप पड़ी है, जिस कारण तीर्थयात्रियों के साथ ही स्थानीय व्यापारियों और तीर्थ पुरोहितों को भारी दिक्कतें हो रहे हैं। एक ओर जहां लोग अपने चित-परिचितों से संपर्क नहीं साध पा रहे हैं, वहीं डिजिटल सुविधा का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित उमेश पोस्ती ने कहा कि केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों में खराब मौसम के चलते दूर संचार व्यवस्था भी ठप पड़ गई है। बीएसएनएल के साथ ही अन्य प्राईवेट कंपनियों के नेटवर्क भी नहीं आ रहे हैं, जिससे धाम पहुंच रहे श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतें हो रही हैं, जबकि डिजिटल सुविधा का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।

खेल मंत्री रेखा ने किया टेबल टेनिस कोर्ट का उद्घाटन

शाह टाइम्स मुख्य संवाददाता

देहरादून। खेल मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को परेड ग्राउंड स्थित ऑडिटोरियम में अत्याधुनिक टेबल टेनिस कोर्ट परिसर का उद्घाटन किया। इस सुविधा की शुरुआत खेल विभाग और वेटरन टेबल टेनिस खिलाड़ियों के सहयोग से की गई है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि देहरादून के टेबल टेनिस खिलाड़ियों को अब अपना अभ्यास नियमित रूप से करने और प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त परिसर मिल गया है।

रेखा आर्या ने कहा कि इस सुविधा के बाद टेबल टेनिस में हमारे यहां से और ज्यादा खिलाड़ी निखरकर सामने आएंगे और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा।

■ युवाओं और वेटरन खिलाड़ियों के लिए शुरू हुई नियमित प्रैक्टिस, कोर्ट में स्थापित की गई छह टेबल, कराए जा सकेंगे कंपटीशन, टेबल टेनिस में हमारे यहां से अब और ज्यादा खिलाड़ी निखरकर सामने आएंगे : रेखा आर्या

पहले यह हाल बैडमिंटन कोर्ट था लेकिन बाद में बैडमिंटन को नए मल्टीपरपज हॉल में शिफ्ट कर दिया गया था।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इसके बाद खेल विभाग ने इस हाल को जूडो और टेबल टेनिस के लिए तैयार करने का फैसला किया। अब यहां जूडो के साथ-साथ टेबल टेनिस की 6 टेबल स्थापित कर दी गई है। इन टेबल्स पर प्रैक्टिस के लिए अक्सर सुबह के समय वेटरन खिलाड़ी और शाम के समय बच्चे और युवा अभ्यास करते हैं।

इस अवसर पर प्रभारी जिला खेल अधिकारी रविंद्र भंडारी, गिरीश छाबड़ा, प्रीति छाबड़ा, देवेंद्र कांडपाल, विजय कुमार अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सड़क नहीं, तो वोट नहीं: पंचायत चुनाव बहिष्कार की दी चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोठी नैलचामी के अंतर्गत आने वाले राजस्व ग्राम क्यारदा के ग्रामीणों ने आगामी पंचायत चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी देते हुए सरकार और प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि उत्तराखंड राज्य निर्माण के 24 वर्ष बीत जाने के बावजूद आज भी उनका गांव सड़क जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित है, जबकि उन्होंने बार-बार जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई, मगर हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। ग्रामीण विधान कंडारी ने बताया कि क्यारदा गांव कृषि के क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाओं वाला क्षेत्र है, जहां बड़े पैमाने पर सब्जियों, मोटी इलायची और अन्य फलों का उत्पादन होता है। लेकिन सड़क की सुविधा न होने के कारण वे इन उत्पादों को समय पर बाजार तक नहीं पहुंचा पाते, जिससे अधिकांश फसल खराब हो जाती है, इस लिये चुनाव के बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है।

श्रीनिवास व विनीत को मिली बीकेटीसी में सदस्य की जिम्मेदारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित श्रीनिवास पोस्ती एवं डॉ विनीत पोस्ती को बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति" का सदस्य मनोनीत किया गया है, जिससे तीर्थ पुरोहित समाज एवं स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।

उन्होंने कहा कि दोनों तीर्थ पुरोहितों को बीकेटीसी में जिम्मेदारी मिलने से व्यवस्थाओं में सुधार आएगा। तीर्थ पुरोहित डॉ विनीत पोस्ती एवं श्रीनिवास पोस्ती ने जिम्मेदारी मिलने पर मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी एवं बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का आभार व्यक्त किया है। कहा कि जो दायित्व उन्हें सौंपा गया है, उसका निर्वहन तन्मयता और कर्तव्यपरायणता के साथ किया जाएगा। बता दें कि डॉ विनीत पोस्ती

पूर्व में गढ़वाल विवि श्रीनगर के अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं और छात्रहितों के लिए हमेशा से ही संघर्षरत रहे हैं। इसके साथ ही वे केदारघाटी की समस्याओं को भी समय-समय पर उठाते रहे हैं। छात्र राजनीति से लेकर भाजपा संगठन में उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली हैं, जबकि श्रीनगर में सभासद पद पर भी उन्हें जनता का आशीर्वाद मिला।

वहीं श्रीनिवास पोस्ती को पूर्व में भी बीकेटीसी में सदस्य पद की जिम्मेदारी मिली, जबकि इस बार भी उन्हें सदस्य नामित किया गया है। दोनों तीर्थ पुरोहितों को जिम्मेदारी मिलने पर केदारसभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, उमेश पोस्ती, विनोद शुक्ला, अजय पुरोहित, विनीत पुरोहित, अरविंद सेमवाल सहित अन्य तीर्थ पुरोहितों ने खुशी जताई है।

पाखंड की भाजपा शैली जनता को भ्रमित नहीं कर सकती: गरिमा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौड़ द्वारा हाल ही में अभिनेत्री उर्मिला के साथ सार्वजनिक प्रेस वार्ता में उन्हें अपने जीवनसाथी के रूप में प्रस्तुत करना और फिर भारी जनदबाव पड़ने पर अपने ही बयान से पलट जाना भाजपा की चरित्रहीन राजनीति और दोहरे मापदंडों का जीता-जागता प्रमाण है, ये कहना है उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी का। सुरेश राठौड़ का कहना है कि वह दृश्य ष्सिर्फ एक पिक्चर का सीनष् था, यह उत्तराखंड की जनता को मूर्ख समझने की कोशिश है। अगर यह वाकई अभिनय था, तो क्या भाजपा नेताओं का हर सार्वजनिक व्यवहार अब किसी फिल्म की स्क्रिप्ट से प्रेरित होगा? और यदि यह वास्तविक था, तो पार्टी द्वारा उन्हें नोटिस देना सिर्फ दिखावा क्यों है? दसौनी ने कहा कि भाजपा ने पहले तो चुप्पी साधी, फिर जब जनमानस सत्ता रूढ़ दल के पूर्व विधायक द्वारा यूसीसी के उल्लंघन पर आक्रोशित हुआ, तब राठौर को नोटिस थमा दिया गया।

फरजाना को मिला अल्पसंख्यक आयोग उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग में लंबे समय से रिक्त चल रहे उपाध्यक्ष पद पर मंगलवार को फरजाना ने विधिवत रूप से अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। शासन की और से जारी आदेश के क्रम में यह कार्यभार उन्हें सौंपा गया।

फरजाना वर्तमान में उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य हैं। आयोग में सभी नौ सदस्यों की नियुक्ति पूर्ण हो चुकी है, और अब उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य प्रारंभ होने से आयोग की कार्यप्रणाली को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पदभार ग्रहण करते हुए फरजाना ने

उत्तराखंड सरकार व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि पहली बार किसी महिला, वह भी मुस्लिम समुदाय से आने वाली महिला को आयोग में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र को अपने कार्यकाल का मार्गदर्शक बताते हुए प्रदेश में सामाजिक सौहार्द एवं महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। इससे पूर्व विगत दिवस ही आयोग में विभिन्न जिलों से नामित नए सदस्यों ने विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया था, जिन्हे आयोग के सचिव जे.एस. रावत ने पदभार ग्रहण कराया था।

राजेंद्र सिंह राणा निर्विरोध बने प्रधान

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की पट्टी ग्यारह गांव के अंतर्गत आने वाले बाजियाल गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा के बाद ग्रामीणों ने मिलकर एक सराहनीय निर्णय लेते हुए राजेंद्र सिंह राणा को निर्विरोध प्रधान चुना है। गांव में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने यह महसूस किया कि चुनावी प्रतिस्पर्धा अक्सर मतभेद और वैमनस्य का कारण बनती है, जिससे गांव का सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता है। ग्रामीण जितेंद्र राणा ने बताया कि यह फैसला गांव की भलाई और सामूहिक विकास की भावना को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बाजियाल गांव के इस सामूहिक प्रयास और लोकतांत्रिक समझदारी की चारों ओर सराहना हो रही है।

पूर्व विधायक राठौर को भाजपा ने दिया नोटिस

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर को लेकर सोशल मीडिया सहित तमाम माध्यमों मे उन्हे लेकर आ रही खबरों को पार्टी ने अमर्यादित मानते हुए उन्हे नोटिस दिया है। जिसमें इसे पार्टी की छवि धूमिल करने वाला मानते हुए अनुशासनहीनता के दायरे में लिया गया है। इस संबंध में प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट से राठौर ने मुलाकात कर अपना पक्ष रखा है। जिस पर पार्टी द्वारा विचार कर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत कुछ समय से पूर्व विधायक राठौर से संबंधित विभिन्न खबरें और वीडियो सोशल मीडिया में प्रसारित हो रही हैं। पार्टी ने इसे अमर्यादित आचरण मानकर उनके इस कृत्य को पार्टी की छवि धूमिल करने वाला माना है। उनकी इन सार्वजनिक गतिविधियाँ को अनुशासनहीनता के दायरे में मानते हुए, उन्हें नोटिस दिया गया है।

■ अभद्र, अश्लील और अमर्यादित व्यवहार स्वीकार्य नहीं: भट्ट ■ भाजपा ने पूर्व विधायक से संबंधित खबरों को अनुशासनहीनता के दायरे में लिया, कोई व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं

वहीं प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने भी स्पष्ट किया है कि पार्टी का कोई भी व्यक्ति बड़ा हो या छोटा, लेकिन किसी का भी अभद्र, अश्लील, असामाजिक और अमर्यादित व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। ये सब सामाजिक दृष्टि से भी उचित नही है और पार्टी की छवि को भी धूमिल करता है।

भाजपा सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीयता के मानकों पर किसी कीमत कर समझौता नहीं करती है। चौहान ने बताया कि राठौर द्वारा प्रदेशाध्यक्ष से उनके आवास पर मुलाकात कर अपना पक्ष प्रस्तुत कर, जवाब सौंपा गया। जिस पर पार्टी की अनुशासन समिति में विस्तृत विचार किया जाएगा और शीघ्र ही उचित निर्णय लिया जाएगा।

नालों के निर्माण कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। डीएम आलोक कुमार पांडेय ने मंगलवार को नगर क्षेत्र में चल रहे नालों के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि कार्यों में समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए नालों का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर तेजी से कराया जाए, जिससे जलभराव की समस्या से आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण स्थलों पर

सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समय पर कार्य पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि अवशेष कार्यों में मैनपावर बढ़ाकर तेजी लाई जाए। उन्होंने नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के पाइपों के व्यवस्थित न होने पर भी नाराजगी जाहिर की तथा अधिकारियों को चेतावनी दी कि भविष्य में पानी का संयोजन देते हुए यह सुनिश्चित करें कि पाइप व्यवस्थित रूप से रखे जाएं। अधिशाषी अभियंता सिंचाई खंड अल्मोड़ा मोहन सिंह रावत ने बताया कि नगर क्षेत्र में कुल 39 नालों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें 11 नालों का कार्य पूर्ण हो चुका है। 11 नालों का कार्य अगले माह के प्रथम सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा। 8 नालों में कार्य कई कारणों से प्रारंभ नहीं किया जा सका है। अवशेष नालों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने कहा कि जल्द से जल्द कार्यों को पूर्ण किया जाए। बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा मौजूद रहे।

डायट में सलाहकार समिति की बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में डायट के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने डायट के बीते वित्तीय वर्ष में आयोजित कार्यक्रमों, गतिविधियों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की।

चालू वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने डायट की एक एक गतिविधियों की गहन समीक्षा की। संस्थान द्वारा क्या क्या किया जाएगा, इस बारे में डायट के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को जनपद की शिक्षा उन्नयन के लिए भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में शिक्षा के क्षेत्र में अल्मोड़ा की अलग पहचान थी। हमें अल्मोड़ा की उस पहचान को वापस लौटना है। जनपद को शत प्रतिशत साक्षर जिला बनाना है। इसके लिए सभी अधिकारियों को अपनी अपनी भूमिका समझनी होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि डायट जैसी संस्थाएं महत्वपूर्ण संस्थाएं होती हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि खनन न्यास से अस्थाई शिक्षकों की नियुक्ति के बाद स्कूलों में शिक्षा के स्तर में क्या परिवर्तन आया है, इसका आंकलन अगले सप्ताह तक करें तथा इसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि डायट द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षिक प्रशिक्षणों में आधुनिक तकनीकियों को शामिल करे। भूगोल के शिक्षकों का प्रशिक्षण मानसखंड विधान केंद्र के साथ समन्वय बनाकर करें तथा प्रशिक्षण में जीआईएस जैसे विषय को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करें। बैठक में सीईओ अत्रेश सयाना, प्राचार्य डायट ललित मोहन पांडे आदि मौजूद रहे।

एक नजर

ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 29 को

नैनीताल। पर्वतीय संस्कृतिक समिति द्वारा नैनीताल के गोवर्धन हॉल सेवा समिति में 23वीं नैनी ओपेन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 29 जून को किया जा रहा है। इस दौरान ईश्वर तिवारी ने बताया की प्रतियोगिता में करीब 70 हजार के प्राइज नगद और ट्राफी के रूप में रखे गए है। प्रतियोगिता स्विस लीग के आधार पर खेली जायेगी। अबतक 30 से अधिक खिलाड़ियों ने अलग अलग जगह से अपना प्रवेश किया है। प्रतियोगिता में भाग लेने कि अंतिम तिथि 27 जून है।

मोहित का दून स्पोर्ट्स कॉलेज में चयन

बागेश्वर। बागनाथ फुटबॉल क्लब एंड के मोहित रौतेला का फुटबॉल खेल में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर देहरादून के लिए चयन हुआ है। यह जानकारी फुटबॉल कोच नीरज पांडे ने दी है। पांडेय ने बताया कि वह भविष्य में बेहतर फुटबॉल खिलाड़ी बनकर जिला, प्रदेश व देश का नाम रोशन करेगा। जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। मोहित के चयन होने पर उन्हें लोगों ने बधाई दी है।

बागेश्वर में गंगा संरक्षण समिति की बैठक

बागेश्वर। जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नदियों के संरक्षण व पुनरुद्धार से जुड़े विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नगर निकायों को डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण और स्रोत पर कचरा पृथक्करण को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। गरुड़ नगर पंचायत को एनजीटी मानकों के अनुसार ट्रेंचिंग ग्राउंड हेतु भूमि चिन्हित करने को कहा गया। जल संस्थान को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु जल परीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए गए। नमामि गंगे समन्वयक को आगामी बैठक के लिए बिंदुवार एजेंडा तैयार करने को कहा गया। बैठक में गंगा टाउन क्षेत्रों में सेप्टिक टैंक प्रबंधन, अर्थ गंगा मॉडल व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की योजनाओं की भी समीक्षा हुई। बैठक में जिला विकास अधिकारी संगीता आर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खजान सिंह टंगड़िया अल्मोड़ा के संयोजक बने

बागेश्वर। एबीवीपी उत्तराखंड प्रांत अभ्यास वर्ग इंटर सीएलजी रतूड़ा में चल रहे तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग, बागेश्वर जिले के खजान सिंह टंगड़िया को अल्मोड़ा विभाग का विभाग संयोजक बनाया गया है। जिससे पूरे बागेश्वर जिले के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। खजान सिंह टंगड़िया पूर्व जिला सह संयोजक, पूर्व नगर एसएफडी प्रमुख, पूर्व नगर मीडिया प्रमुख, पूर्व परिसर मंत्री रह चुके हैं।

अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा दर्ज

काशीपुर। अज्ञात वाहन चालक द्वारा छोटा हाथी में टक्कर मारकर चालक को मृत्यु कारित करने के मामले में पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में ग्राम सूरजपुर जसपुर निवासी संदीप सिंह पुत्र बलबीर सिंह ने बताया कि उसका भाई बीती 26 मई 2025 को गुरदीप सिंह अपने छोटे हाथी संख्या यूके18 सीए 7294 से जसपुर से लालकुंआ मुर्गी दाना लेकर जा रहा था रास्ते में करीब सुबह चार बजे जसपुर रूद्रपुर, हाईवे पर अलीगंज ब्रिज से पहले यू टर्न पर पहुंचने पर अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उसके भाई के छोटे हाथी में जोरदार टककर मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया व वाहन भी छतिग्रस्त हो गया। हाईवे पुलिस द्वारा उसके भाई को सरकारी अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की है।

नशे में वाहन चला रहा चालक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह व सीओ गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में इंटरसेप्टर प्रभारी सुमित पांडे के नेतृत्व में टैक्सी स्टैंड तिराहे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कार संख्या यूके 04 टीबी 6254 का चालक स्पर्श सिंह जीना निवासी बरौली भनोली हल्द्वानी शराब के नशे में वाहन को चलाता पाया गया।

ठेकेदारों पर कार्यालय में तोड़फोड़ का आरोप

अल्मोड़ा। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के सदस्यों की मंगलवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में इंजीनियर्स संघ ने लोनिवि परिसर में ठेकेदारों पर दुर्व्यवहार और कार्यालय में तोड़फोड़ का आरोप लगाया। मामले में उच्चाधिकारियों से कार्रवाई की मांग उठाई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रांतीय खंड लोनिवि परिसर में कथित ठेकेदारों ने संघ के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार कर राजकीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने की भी धमकी दी गई। आरोप लगाया कि कार्यालय में तोड़फोड़ भी की गई। इससे संघ के सभी सदस्यों में रोष व्याप्त है। उन्होंने इन अराजक तत्वों पर उच्चाधिकारियों से उचित कार्रवाई करने की मांग की। कहा कि उचित कार्रवाई नहीं होने पर डिप्लोमा इंजीनियर्स आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। यहां केजी गोस्वामी, पीएस फर्त्याल, पुनीता रानी, हिमांशु जोशी, तनुजा राणा गैड़ा, अंकित सिंह, प्रदीप कुमार जोशी, रिनी पांडेय, ललित सिंह बिष्ट, मनोज नाथ गोस्वामी, मुकेश मिश्रा, हितांशी नैलवाल, दीपक जोशी, वरुण पंत आदि इंजीनियर्स मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने की घोषणा करने पर मारपीट कर घायल किया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। एक व्यक्ति द्वारा ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने की घोषणा करने पर पांच लोगों ने उसके साथ मारपीट कर उस पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम किलावली निवासी अनूप सिंह पुत्र बचन सिंह ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कुछ दिन पूर्व गांव में एक बैठक हुई जिसमें समाज के व्यक्तियों द्वारा ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ाने का प्रस्ताव रखा, जिसके बाद उसने ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। आरोप लगाया कि 16 जून 2025 को वह गुरुद्वारे में हॉल की सफाई का कार्य कर रहा था। इस दौरान वहां गांव के ही इन्दर सिंह पुत्र खुदू सिंह, महेन्द्र सिंह पुत्र भूरा सिंह व उसके रविन्दर सिंह, गुरमेल सिंह, हरगुन सिंह पुत्र हरचू सिंह ने राजनीतिक द्वेष के चलते अभ्रदता कर गाली-गलौच करने लगे तथा मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने कहा कि तुझे चुनाव में खड़े होने की बहुत आग हो रही है। तू बहुत आंखें दिखाता है ले आज हम तेरी आंखों को ही खत्म कर देते है। इस दौरान रविन्द्र ने चाकू से उसकी दायी आंख पर वार कर दिया जिससे उसकी आंख में गम्भीर चोट आयी। इस दौरान उसके पिता बचन सिंह, चाचा सतवन्त सिंह, अशोक सिंह, बलवीर सिंह व आस पास के अन्य लोगों के आने पर आरोपी ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुलदार के हमले के बाद वन विभाग ने लगाया पिंजरा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। विकासखंड हवालबाग के ग्राम पंचायत माल गांव में पिता-पुत्र पर गुलदार के हमले के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

घटना के बाद हरकत में आए वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए गांव में पिंजरा लगाने के साथ ही गश्त भी शुरू कर दी है। हालांकि अब तक गुलदार की चहलकदमी नहीं दिखाई दी गई है। दरअसल, हवालबाग ब्लॉक के ग्राम पंचायत माल गांव में बीते सोमवार सुबह घात लगाए बैठे गुलदार ने पिता-पुत्र पर हमला बोल दिया। गुलदार के हमले में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गनीमत रही कि पास में ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे, किसी तरह हो हल्ला किया। जिससे गुलदार वहां से भाग खड़ा हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने घटना स्थल के आसपास पिंजरा लगा दिया है। साथ ही गश्त कर ग्रामीणों को एहतियात बरतने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, गुलदार की चहलकदमी नहीं दिखाई दी। गुलदार का सुराग नहीं लगने से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है। वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्या ने बताया कि घटना के बाद गांव में पिंजरा लगा दिया है। वहीं, विभागीय कर्मचारी लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे है। अब तक गुलदार की चहलकदमी नहीं दिखी है।

मेयर ने किया सड़कों का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। नगर निगम क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाने में महापौर दीपक बाली ने पूरी ताकत लगा रखी है। आज जो शिलान्यास किये गये उन सड़कों की लागत करीब पौने दो करोड़ रुपए है।

महापौर दीपक बाली ने वार्ड नंबर 11, वार्ड नंबर 14, वार्ड 21, वार्ड नंबर 4, वार्ड नंबर एक, वार्ड नंबर 5, वार्ड नंबर 10 आदि में सड़क व नाला-नाली निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने सड़कों का शिलान्यास करते हुए इन क्षेत्रों के लोगों से अनुरोध किया कि वें निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगाह रखें और यदि कहीं कोई कमी पाएं तो उसके संबंध में अवगत कराएं। इनके अलावा भी श्री बाली ने पांच और

सड़कों का शिलान्यास किया। इन सभी सड़कों की लागत लगभग पौने दो करोड़ रुपए है। शिलान्यास कार्यक्रमों में समरपाल चौधरी, जसवीर सिंह सैनी, पार्षद बीना नेगी, सीमा सागर, ममता कुमारी, प्रिंस बाली, हुसन जहां, प्रकाश नेगी, सोनू चौहान, आरेन्द्र वर्मा, वीर सिंह चौहान, कमल राही, पवन कुमार, अजय चौधरी, मनोज बाली, कांति बल्लभ, राम सिंह, मनजीत कौर, मेजर सिंह, बंशीधर जोशी, नंदन रावत, अशोक मनीष, अर्जुन सिंह, कल्पना राणा, हिमांशु राणा सहित सैकड़ों स्त्री पुरुष एवं बच्चे मौजूद रहे जिन्होंने महापौर दीपक बाली का स्वागत किया और उनका आभार जताया।

राज्यपाल ने किया डा. ध्यान पाल सिंह की मूर्ति एवं पार्क का अनावरण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। विश्वविद्यालय में मंगलवार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति ले. ज. गुरमीत सिंह ने कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के तीसरे एवं अति सम्मानित कुलपति डा. ध्यान पाल सिंह के मूर्ति का अनावरण तथा ध्यान पाल सिंह पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने पूर्व कुलपति के दिए गए योगदानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कृषि, बीज उत्पादन, कृषक कल्याण को नई ऊचाईयों तक ले जाने में डा. ध्यान पाल सिंह का योगदान अतुलनीय है। वह वर्ष 1945 से भारतीय प्रशासनिक सेवा में कार्यरत रहे तथा 28 जनवरी 1966 को पंतनगर विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति के रूप में अपना कार्यभार संभाला एवं 19 जनवरी 1975 तक विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। अपने सेवाकाल में डा. सिंह के दूरदर्शी निर्णयों, कृषि के क्षेत्र में किए गए नए प्रयासों से पंतनगर विश्वविद्यालय को विष्व में एक नई पहचान प्रदान कराई एवं उनके ही कार्यकाल में विश्वविद्यालय हरित क्रांति की जननी के रूप में स्थापित हुआ। कार्यक्रम का संचालन निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर ऊधमसिंह नगर जिले के जिला अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीयूष जोशी को मिला उत्तराखंड शिरोमणि सम्मान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

हल्दूचौड़। जनहित और आरटीआई क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए हल्दूचौड़ निवासी युवा समाजसेवी पीयूष जोशी को उत्तराखंड शिरोमणि सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें देहरादून नगर निगम सभागार में मुद्दा टीवी की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। कोविड-19 के दौरान माधवी फाउंडेशन के माध्यम से हजारों परिवारों को राहत पहुंचाने, बेरोज़गारी व भर्ती घोटालों के खिलाफ आंदोलन और आरटीआई के माध्यम से पारदर्शिता लाने के प्रयासों के लिए उन्हें यह सम्मान मिला। सम्मान प्राप्ति पर जोशी ने कहा यह पुरस्कार उन हज़ारों परिवारों का है जिनके संघर्ष और विश्वास ने मुझे यह राह दिखाई।

ब्रेक फेल होने पर पेड़ से टकराई कार, बच्ची की मौत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। मंगलवार की सुबह को नैनीताल से घूम कर वापस लौट रहे उत्तर प्रदेश के पर्यटकों की कार के ब्रेक फेल हो जाने के कारण कालाढूंगी के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार में सवार 8 वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के थाना हुसैनगंज के गांव महादेवपुर निवासी वीरेंद्र कुमार सोनकर अपने पत्नी प्रत्यूशा, पुत्री कृतिका व एक साथी हरिलाल व उनकी पत्नी रामश्री देवी के साथ वाहन संख्या यूपी 32 एल वाई 8668 से नैनीताल से वापस आ रहे थे कि

यहां लाल मिट्टी के पास कर के ब्रेक हो फेल हो जाने के कारण कार पेड़ से टकरा गई, जिस कारण उसमें सवार सभी लोग चोटिल हो गए। अधिक चोट लगने के कारण कृतिका (8) को कालाढूंगी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी रेफर कर दिया जहां उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

बारिश से कई सड़कें अवरुद्ध

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। कपकोट में हो रही लगातार भारी बारिश व अतिवृष्टि से अवरुद्ध सौंग-मुनार मोटर मार्ग का

विधायक सुरेश गड़िया ने स्थलीय निरीक्षण किया। क्षत्रिग्रस्त मोटर मार्ग को यातायात के लिए तत्काल खोलने हेतु विभाग को निर्देशित किया गया। साथ ही विभागीय अधिकारियों से आपदा के दौरान हुए नुकसान व मरम्मत कार्यों को तत्काल ठीक करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि लोगों के सहयोग के लिए वह 24 घंटे मौजूद रहेंगे। उन्होंने लोनिवि, केवस्थ अन्य कार्यदायी संस्थाओं, बीएसएनएल, यूपीसीएल के अधिकारियों को अलर्ड मूड में रहने को कहा है। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई अंबरीश रावत, कनिष्ठ अभियंता देवेंद्र कुमार, ओम प्रकाश ऐठानी, मंडल अध्यक्ष प्रकाश जोशी, हडसन ऐठानी, संतोष उपाध्याय, करम सिंह दानू आदि मौजूद रहे। वहीं, जिले में बारिश का सिलसिला जारी है। रविवार की रात हुई बारिश से 13 सड़कें मलबा आने से बंद हो गई हैं। इसमें से 12 सड़कें ग्रामीण क्षेत्र की हैं, जबकि एक सड़क जिला मुख्यालय को जोड़ती है। जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मलबा आने से कपकोट-कर्मी, हरसीला- सीमा, उत्तरौड़ा-लीली, पोलिंग- गैरखेत, बदियाकोट-कुंवारी, चीराबगड़-पोथिंग, कपकोट-पिंडारी, बागेश्वर-कपकोट, बदियाकोट-बोरबलड़ा, खड़लेख-भनार, धरमघर-सनगाड़, कमेड़ीदेवी-स्यांकोट, खड़लेख-भनार, बागेश्वर-कपकोट, सीरी व मुनार-गांसी मोटर मार्ग शामिल हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि बंद मार्ग खोलने का काम चल रहा है।

भूस्खलन और मार्ग अवरुद्ध से निपटने को प्रशासन तैयार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। मानसून के दौरान संभावित भूस्खलन और मार्ग अवरोध

की स्थितियों से निपटने के लिए जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने सड़क महकमों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बताया गया कि जिले में 49 जेसीबी मशीनें तैनात की गई हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार रहेंगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मशीनें और ऑपरेटर तैनात स्थलों पर ही मौजूद रहें और अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहकर मौसम पूर्वानुमान के अनुसार तैयारी बनाए रखने को कहा। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को सड़क स्थिति की नियमित निगरानी और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की मैपिंग कर डेटाबेस तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य संबंधित विभागों को रियल-टाइम मॉनिटरिंग और टीम भावना से काम करने की हिदायत दी गई।

जीआईएस पर प्रशिक्षण का हुआ समापन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग पर आधारित 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया है। समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट व विशिष्ट अतिथि डा. जेएस रावत ने किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि कुलपति डा. बिष्ट ने जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग तकनीकों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये तकनीकें पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा पूर्वानुमान और नीति निर्माण के क्षेत्र में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। केंद्र प्रभारी डा. नवीन चंद्र जोशी ने कहा कि यह प्रशिक्षण युवाओं को भू-स्थानिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सुरेश गोयल बने अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन उत्तराखंड इकाई के प्रदेश महामंत्री दीपक सिंघल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

लच्छू गुप्ता तथा संयुक्त सचिव उपेन्द्र अग्रवाल ने काशीपुर पहुंच कर अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल तथा नगर अध्यक्ष पद पर पीयूष नागलिया को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया। साथ ही नवनियुक्त अध्यक्षों से वैश्य समाज के सभी घटकों को एक साथ लेकर चलने का आवाह्न किया। नवनियुक्त अध्यक्षों के मनोनयन पर वैश्य समाज ने खुशी जाहिर की। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लच्छू गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन देश ही नहीं विदेशों में भी वैश्य समाज के 367 घटकों को एकता के सूत्रों में बांधने का पुरजोर कार्य कर रहा है। उन्होंने समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के सहयोग और उनके उत्थान के लिए वैश्य समाज के उद्यमियों से आगे आने का आवाह्न किया। महामंत्री सिंघल ने नवनियुक्त अध्यक्षों से अपनी अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करने का दायित्व भी सौंपा। इस दौरान अग्रवाल सभा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी ईश्वर चन्द्र गुप्ता, कुमायूं वैश्य महासभा अध्यक्ष मनोहर गुप्ता, पूर्व महामंत्री बीके गुप्ता ,अभिषेक गोयल, शेष कुमार, सितारा, सनत पैगिया, कौशलेश गुप्ता, सतीश गोयल, जीके अग्रवाल, नवनीत विश्नोई, अनिल अग्रवाल, अभिनव कुच्छल समेत वैश्य बंधु मौजूद रहे।

जितेन्द्र के गीतों पर झूमे दर्शक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में श्री राम सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेवा समिति की ओर से दस दिवसीय कुमाऊं महोत्सव

आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। वहीं स्टार नाइट में लोग गायक जीतेंद्र तोमक्याल के गीतों पर सोमवार देर रात तक दर्शक थिरकते रहे। लोक कलाकारों ने भी कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर महोत्सव में रंग जमा दिया। सोमवार को महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह और प्रांतीय अध्यक्ष उत्तराखंड मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन पुष्कर सिंह भैंसोड़ा ने दीप जलाकर किया। इसके बाद लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल ने कुमाऊनी-गढ़वाली गीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बोल हीरा बोल, के छू तेरो मन मा....., आदि गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर युवाओं को झूमने में मजबूर कर दिया। वहीं, अन्य कलाकारों नविका जैरा और राधा तिवारी ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर महोत्सव में खूब रंग जमाया। यहां समिति के अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, हरीश कनवाल, विनीत बिष्ट, रवि रौतेला, सुशील साह, जगदीश वर्मा, वैभव पांडे, अमरनाथ सिंह नेगी, हरीश कनवाल, हर्षिता तिवारी, डा. संतोष बिष्ट, चेतन पांडे, शगुन त्यागी आदि रहे।

मेहरोत्रा की पुण्यतिथि पर शर्बत बांटा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। पूर्व दर्जा राज्यमंत्री एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश मेहरोत्रा की

पांचवीं पुण्य तिथि पर आज उनके बाजपुर रोड स्थित प्रतिष्ठान हीरो मेहरोत्रा इण्टरप्राइजेज पर एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान शर्बत वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे व्यक्तियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि मुकेश मेहरोत्रा का जीवन कांग्रेस के सच्चे सिपाही के रूप में जनता को समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा ही कांग्रेस संगठन के प्रति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाज के हर वर्ग के सुख-दु:ख में वह हमेशा ही शरीक रहते थे, इसके चलते क्षेत्र की जनता का अप्रतिम स्नेह उनके साथ रहा और उनके चले जाने के बाद भी उनका नाम जनता की जुबान पर जीवंत है। कार्यक्रम में स्व. मुकेश मेहरोत्रा की धर्मपत्नी बीना मेहरोत्रा, राकेश मेहरोत्रा, पुत्र अर्पित मेहरोत्रा, पुत्रवधू नवदीप मेहरोत्रा, पुत्री खुशबू सचदेवा व दामाद कुंवर सचदेवा के अतिरिक्त अरुण चौहान, संदीप सहगल, मनोज जोशी, विमल गुड़िया, उमेश जोशी, सुरेश शर्मा जंगी, हरीश कुमार सिंह, जितेन्द्र सरस्वती, अपूर्व मेहरोत्रा, उमा वात्सल्य, अलका पाल, पूजा सिंह, मुशर्रफ हुसैन, विनोद कुमार होण्डा, संजय चतुर्वेदी, महेंद्र बेदी, ब्रह्मा सिंह पाल सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति तीन दिन के दौरे पर

कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के स्थापना दिवस में करेंगे शिरकत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज यानि कल बुधवार को तीन दिवसीय भ्रमण पर नैनीताल आ रहे है। जानकारी देते हुए अपर जिला. धिकारी विवेक रॉय ने बताया कि उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ कल यानि आज बुधवार को बरेली एयरपोर्ट से सुबह 8:50 बजे प्रस्थान कर प्रातः 9:30 बजे आर्मी हैलीपेड हल्द्वानी पहुचेंगे जहां से कार द्वारा नैनीताल को प्रस्थान करेंगे। इसे पश्चात प्रातः 11 बजे कुमाऊ विश्व. विद्यालय नैनीताल के स्थापना समारोह में मुख्य अतिथि प्रतिभाग करेंगे तथा रात्रि विश्राम राजभवन नैनीताल में करेंगे। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ 27 जून को सुबह 9:50 बजे राजभवन से कार द्वारा प्रस्थान कर 10 बजे शेरवुड कालेज के कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे तथा 11 बजे शेरवुड कालेज से कार द्वारा प्रस्थान कर 12:30 बजे आर्मी हैलीपेड हल्द्वानी पहुचेंगे जहां से बरेली एयरपोर्ट को रवाना होंगे।

सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम, पुलिस बल की ब्रीफिंग

आईजी लॉ एंड ऑर्डर और कुमाऊं आईजी ने जवानों को किया ब्रीफ

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रस्तावित नैनीताल दौरे को लेकर सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम हल्द्वानी में पुलिस विभाग की विशेष ब्रीफिंग आयोजित की गई। ब्रीफिंग में आईजी अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तराखंड निलेश आनंद भरणे ने कुमाऊं मंडल से पहुंचे अधिकारियों, कर्मचारियों और बलों को वीवीआईपी सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारियों के बारे में निर्देशित किया।

उन्होंने बताया कि ड्यूटी में 5 कंपनी पीएसी, 29 राजपत्रित अधिकारी, 289 निरीक्षक व उपनिरीक्षक, 776 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल सहित 1094 अफसर व कर्मचारी शामिल रहेंगे। उन्होंने बताया सुरक्षा को त्रुटिरहित बनाए रखने के लिए हर स्तर पर सतर्कता बरतने को कहा गया। कार्यक्रम स्थल और वीवीआईपी रूट को लेकर आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल और आईजी सुरक्षा अभिसूचना मुख्यालय करन सिंह नगन्याल ने भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी अना. धिकृत व्यक्ति कार्यक्रम स्थल में प्रवेश न कर सके, यह सुनिश्चित किया जाए और सभी अधिकारी अलर्ट मोड में कार्य करें। आईजी सुरक्षा अभिसूचना ने हाल ही में देश में घटित आतंकी घटनाओं का हवाला देते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल देने के निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान फ्लीट रिहर्सल और ड्यूटी प्रभारियों की डिब्रीफिंग भी की गई। साथ ही रूट सुरक्षा, बैरिकेडिंग, और अतिरिक्त बल तैनाती की रणनीति पर चर्चा की गई। पुलिस ब्रीफिंग के दौरान एसएसपी नैनीताल प्रहलाद नारायण मीणा, कमांडेंट 46वीं पीएसी पंकज भट्ट, एसएसपी अल्मोड़ा देवेंद्र पींचा सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी, 25 और 27 जून को लागू रहेगा डायवर्जन

हल्द्वानी। उपराष्ट्रपति के जनपद भ्रमण कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन ने विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। यह डायवर्जन प्लान कल यानि आज बुधवार को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक और 27 जून को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक या वीवीआईपी कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में उपराष्ट्रपति के काफिले की आवाजाही के दौरान कई मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। वीवीआईपी रूट तिकोनिया चौराहा हल्द्वानी से नंबर-1 बैंड ज्योलीकोट तक जीरो जोन घोषित किया गया है। एसएसपी कार्यालय से ट्रैफिक प्लान जारी करते हुए बताया कि कल यानि आज बुधवार को सुबह 6 से 11 बजे और 27 जून सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक वीवीआईपी रूट पर सभी प्रकार के भारी वाहनों का संचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। हल्द्वानी-काठगोदाम से पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले वाहनों को कालाढूंगी-रामनगर मार्ग से भेजा जाएगा। रोडवेज/केमू स्टेशन हल्द्वानी से पर्वतीय क्षेत्र को जाने वाली सभी बसें और टैक्सी वीवीआईपी प्रस्थान से 20 मिनट पूर्व ही स्टेशन व स्टैंड पर रोक दी जाएंगी। पनचक्की तिराहा से काठगोदाम की ओर जाने वाले वाहन यहीं रोके जाएंगे। वहीं गौलापार से काठगोदाम की ओर जाने वाले वाहन महाकाली जनरल स्टोर तिराहा पर रोककर गौलापुल की ओर डायवर्ट किए जाएंगे। भीमताल से हल्द्वानी की ओर आने वाले सभी वाहन सलड़ी चौकी, चंदा देवी या अमृतपुर गेट पर रोके जाएंगे। उपराष्ट्रपति के फ्लीट प्रस्थान के दौरान भवाली-मस्जिद तिराहा-हल्द्वानी मार्ग पर आने वाले वाहन नंबर-1 बैंड से 2 किमी पहले भवाली की ओर रोके जाएंगे। जबकि वीवीआईपी रूट से जुड़े सभी लिंक मार्गों व कटों से मुख्य मार्ग पर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

राज्यपाल भी पहुंच रहे आज नैनीताल

नैनीताल। राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) कल यानि आज बुधवार को तीन दिवसीय जनपद भ्रमण पर आ रहे हैं। जानक. ारी देते हुए अपर जिलाधिकारी विवेक रॉय ने बताया कि आज बुधवार को प्रातः तराई भवन पंतनगर से कार द्वारा प्रस्थान कर 9 बजे आर्मी हैलीपेड हल्द्वानी पहुचेंगे जहां कार द्वारा 9:30 बजे कार द्वारा नैनीताल पहुचेंगे तथा 11 बजे कुमाऊ विश्व. विद्यालय नैनीताल के स्थापना समारोह में उपराष्ट्रपति के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे तथा रात्रि विश्राम राजभवन नैनीताल में करेंगे। राज्यपाल 27 जून को 9:50 से 12:30 बजे तक उपराष्ट्रपति के साथ कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। इसके पश्चात राज्यपाल 12:35 बजे कार द्वारा सर्किट हाउस काठगोदाम पहुच. ेंगे जहां से अपराह्न 2 बजे गौलापार हैलीपेड से जीटीसी हैलीपेड देहरादून को रवाना होंगे।

दिनभर जाम से जूझता रहा शहर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मंगलवार को हल्द्वानी शहर पूरी तरह से ट्रैफिक जाम की चपेट में रहा। उमस भरे मौसम में जाम ने आमजन की परेशानियों को और बढ़ा दिया। शहर की मुख्य सड़कों से लेकर आंतरिक मार्गों तक हर जगह वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। सुबह करीब 9 बजे से शुरू हुआ जाम नैनीताल रोड, बरेली रोड, रामपुर रोड, कोतवाली तिराहा, तिकोनिया, सिंधी चौक, मंगलपड़ाव और कालाढूंगी चौराहे सहित प्रमुख स्थानों पर दोपहर 3 बजे तक बना रहा। स्थिति इतनी विकराल हो गई कि सड़कों पर रेंगते वाहनों में फंसे लोग बेहाल हो उठे। जाम का मुख्य कारण बना वीवीआईपी ड्यूटी से पूर्व आयोजित पुलिस ब्रीफिंग। कुमाऊं भर से हल्द्वानी पहुंचे पुलिस बल, पीएसी, आईआरबी, एटीएस, बम स्क्वॉड और खुफिया विभाग की टीमों के वाहनों ने शहर की सड़कों पर जगह-जगह जाम की स्थिति बनी रही। शाम करीब 3 बजे जब ब्रीफिंग समाप्त हुई और जवान अपनी-अपनी ड्यूटी पर रवाना हुए, तब जाकर यातायात व्यवस्था कुछ हद तक सामान्य हो सकी। वहीं जाम को लेकर स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्रीफिंग के चलते संभावित ट्रैफिक दबाव का पूर्व आंकलन कर यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। ट्रैफिक इंचार्ज शिवराज बिष्ट ने दावा किया कि पुलिस ने यातायात को नियंत्रित कर लिया था, लेकिन स्थिति पर काबू पाने में काफी देर हो चुकी थी।

रिटायर्ड वनकर्मी का घर खंगाला

हजारों की नकदी के साथ सोने की अंगूठिया ले उड़े चोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर में चोरी की वारदात रूकने का नाम नहीं ले रही है। चोर आए दिन चोरी की वारदात को अंजाम देकर लाखों के जेवरात व नगदी लेकर फरार हो रहे है। बीते सोमवार को चोरों ने रिटायर्ड वन कर्मी के घर में घुसकर लाखों के जेव. रात व हजारों की नगदी ले उड़े है। चोरों ने घर में घुसकर इतनी सफाई से वारदात को अंजाम दिया कि घर में सो रहे लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने चोरों की तलाश के लिए आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। जानकारी के अनुसार गौजाजाली बिचली गली नंबर पांच निवासी धन प्रकाश अग्रवाल वन विकास निगम से सहायक पद से सेवानिवृत्त है, और पिछले चार सालों से वह अपने परिवार के साथ रहते है। सेवानिवृत्त धन प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि बीते सोमवार की रात्रि घर में उनकी

पत्नी कुसुमलता, बेटा निखिल, बहू नीलम, भतीजा नैतिक समेत पांच लोग सो रहे थे। बताया जा रहा कि चोर रात्रि के समय घर में घुसे और मुख्यगेट से अंदर घुसे और चोर मंदिर वाले कमरे में रखी स्टील की पूरी अलमारी को उठाकर सड़क पर ले गए। इस अलमारी में 50 हजार की नगदी को लेकर अलमारी सड़क पर ही छोड़ गए। इसके साथ ही चोरों ने अन्य कमरों में घुसे और वहां से सोने की आठ अंगुठियां भी ले गए। चोरी की वारदात का पता तब चला जब रात्रि दो बजे उनकी बहू नीलम की आंख खुली तो घर के दरवाजे व सामन इधर-उधर बिखरा देख उसके होश उड़ गए। जिसके बाद चोरी की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। चोरी की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे मंडी चौकी इंचार्ज प्रेम विश्वकर्मा ने घटनास्थल का जायजा लिया और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए तो वहीं कैमरों में तीन चोर कैद हुए है जिनकी पहचान के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया मामला पूरी तरह संदिग्ध है और चोरी के साथ-साथ साजिश या खुद घड़ाई गई वारदात की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर गहराई से जांच की जा रही है।

समिति का दो दिवसीय डोल आश्रम भ्रमण कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। वरिष्ठ नागरिक जनकल्याण समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत समिति के

सदस्यों ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद स्थित कल्याणिका हिमालय देवस्थानम (डोल आश्रम) में रात्रि विश्राम किया और आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। समिति अध्यक्ष भुवन भास्कर पांडे और महामंत्री डीके पांडे के मार्गदर्शन में आयोजित इस यात्रा में सभी सदस्यों ने आश्रम के प्रमुख आकर्षण 1600 किलोग्राम वजनी श्री यंत्र के दर्शन किए, जो श्रीयंत्र ध्यान केंद्र में स्थापित है। यह यंत्र देवी लक्ष्मी की कृपा का प्रतीक माना जाता है और ध्यान एवं साधना का प्रमुख केंद्र है। सदस्यों ने शांति और समृद्धि की कामना करते हुए आश्रम में सामूहिक आरती व वंदना की। यात्र के दूसरे दिन समिति के सदस्यों ने लौटते समय अल्मोड़ा के लोकप्रिय प्राचीन विष्णु मंदिर (शाहर फाटक) के दर्शन कर धार्मिक आनंद प्राप्त किया। इस दौरान डीके पांडे, इंदर सिंह निगल्टिया, प्रताप सिंह जंतवाल, विष्णु सिंह रावत, एडी डोर्बी, मोहन चंद्र बुडलाकोटी, एलएम लोहनी, शंकरदत्त तिवारी, मोहन सिंह जंतवाल, केके कबड़वाल, हेमचंद जोशी, एके जोशी, पूरन सिंह जीना, मोहिनी पांडे, सरोज तिवारी, नीमा पांडे, दीपा डोर्बी, नीरू धवन, रंजना कबड़वाल, ललिता जंतवाल, कमला निगल्टिया, मंजू जंतवाल शामिल रहे।

पुलिस की गिरफ्त में आईटीआई गैंग के 12 गुर्गे

मुख्य आरोपी की तलाश, बिड़ला स्कूल के पास गोलीकांड को दिया था अंजाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते सोमवार की रात्रि बिड़ला स्कूल के पास कैंटरिंग कारोबारी को गोली मारने व उसके दो साथियों को पत्थरों से हमला कर लहूलुहान करने वाले आइटीआई गैंग के 12 सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा कि इस गोलीकांड का मुख्य आरोपी व उसका साथी फरार हैं। जिनकी तलाश में एसओजी व पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही है। वहीं पुलिस का दावा है कि शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया जायेगा। वहीं देर शाम खबरे लिखे जाने तक पुलिस इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की तैयारी में जुट गई। बता दे कि बीते 23 जून को पंचायत घर के पास चांदनी चौक घुड़दौड़ा निवासी भाष्कर बोरा शादी समारोह में कैंटरिंग का काम करता है, और बीते सोमवार की रात्रि भाष्कर अपने साथी चांदनी चौक घुड़दौड़ा निवासी नीरज भगत, हरीश महरा व गणेश दरम्वाल के साथ कार से मुखानी की ओर जा रहा था। बताया जा रहा कि कार को नीरज भगत चला रहा था। बिड़ला स्कूल के पास अन्नू बिष्ट की दुकान पर पहुंचते ही बाइक सवार दो युवकों ने कार को रोक दिया। कार से भाष्कर के बाहर उतरते ही बाइक सवार राजा नाम के युवक ने पहली गोली हवा में चलाई। दूसरी गोली भाष्कर के पेट व तीसरी गोली पैर में मार दी थी। इस गोलीक. ांड में भाष्कर लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद 20-30 युवक बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंच गए और पत्थरों से कार पर हमला कर दिया। ईंट व पत्थरों से भाष्कर, हरीश व गणेश पर जानलेवा हमला किया। इसके बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। जिसके बाद घायलों को आनन फानन में लोगों द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं घायल भाष्कर को नैनीताल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इधर कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। पूछताछ के लिए कुछ सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। मुख्य आरोपित व उसके साथी की तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। जल्द ही दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

काठगोदाम में रास्ते को लेकर पड़ोसियों में मारपीट, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी। काठगोदाम क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे रास्ते को लेकर दो पड़ोसियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक पड़ोसी ने पड़ोसी महिला के सिर में ईंट मार दी। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर काठगोदाम पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार काठगोदाम शीशमहल निवासी सीता तिवारी ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि लंबे समय से उनका पड़ोसी से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। पीड़िता ने बताया कि जिसके बाद प्राधिकरण ने रास्ते में निर्माण कार्य में रोक लगा दी थी। प्राधिकरण की रोक के बाद भी पड़ोसी यहां पर निर्माण कार्य कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने रास्ते का विरोध किया तो बीते सोमवार को पवन तिवारी, रजत तिवारी और पीयूष तिवारी उनसे लड़ने आ गए। महिला ने बताया कि इसी बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि उन्होंने सिर पर ईंट मार दी। जिससे उनको चोट आई है। पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कारोबारी को लगाया लाखों का चूना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर के एक इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी को स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने न केवल लाखों की ठगी की, बल्कि उनके बैंक खाते का संगठित साइबर अपराध गिरोह द्वारा भारी रकम के ट्रांजेक्शन के लिए दुरुपयोग भी किया गया। घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बरेली रोड स्थित अब्दुल्ला बिल्डिंग निवासी कारोबारी मोहम्मद आसिम अली खान ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि उन्हें 15 फरवरी को व्हाट्सऐप कॉल आया। जिसमें कॉल करने वाले ने अपना प्रियांशु बताया और खुद को स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग एक्सपर्ट बताते हुए स्मार्ट डील ट्रांसफर स्कीम में निवेश का झांसा दिया। साइबर ठगों ने कारोबा. री को विश्वास में लेते हुए खाते में 50,000 की रकम जमा कर दी। इसके बाद झांसे में आए कारोबारी ने ठग के कहने पर अपनी नेट बैंकिंग आईडी और पासवर्ड साझा कर दिए। बताया जा रहा कि बीते 17 से 20 फरवरी के बीच केवल चार दिनों में कारोबारी के खाते से 100 से अधिक ट्रांजेक्शन किए गए। कारोबारी के अनुसार इन लेन-देन की कुल रकम 2,34,45,486 थी, जिनमें से अधिकांश रकम उनके खाते में आकर फिर तुरंत ट्रांसफर कर दी गई। पीड़ित कारोबारी का आरोप है कि इस रकम का इस्तेमाल किसी बड़े साइबर ठगी नेटवर्क ने अवैध धन को इधर-उधर करने के लिए किया। पीड़ित ने बताया 21 फरवरी को कारोबारी के होश तब उड़ गए, जब साइबर ठगों ने उनके खाते से सीधे 7.50 लाख उड़ा लिए। इसके बाद उन्हें पूरे जाल की गंभीरता का अंदाजा हुआ। जिसके बाद उन्होंने घटना की सूचना बैंक को दी, बैंक ने खाते की गतिविधियों में गंभीर अनियमितता पाकर उसे तत्काल प्रभाव से ब्लॉक कर दिया। बैंक के अनुसार खाते से जुड़े ट्रांजेक्शन संदिग्ध हैं। इधर कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

डांस कक्षाएं 30 जून से

नैनीताल। शारदा संघ के अवैतनिक महामंत्री प्रो. घनश्याम लाल साह ने बताया कि संस्था की ओर से 30 जून सोमवार से लेकर आगामी 6 जुलाई रविवार तक शाम को 6.30 बजे से लेकर 7.30 बजे तक डांस प्रशिक्षक अजय के निर्देशन में निशुल्क वेस्टर्न डांस कक्षाओं का विशेष आयोजन किया जा रहा है जिसमें किसी भी वर्ग के पुरुष व बच्चे प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रो.साह ने मामले को लेकर स्कूलों के प्रधानाचार्यो को भी पत्र लिखा है। कहा है कि कक्षाओं के संबंध में अधिक जानकारी कार्यालय सहायक पूनम से उनके मोबाइल नंबर 9917339326 से पंजीकरण आदि के बारे में 28 जून शनिवार सांय 6 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।कहा कि प्रशिक्षणार्थियों के रूचि व कौशल को देखकर 6 जुलाई के बाद दो या तीन माह का प्रशिक्षण शि. विर भी पंजीकरण व शुल्क के साथ बढ़ाया जा सकता है।

लोगों को उजाड़ने का आधार बताए प्रशासन

विधायक सुमित हृदयेश ने आपत्ति कैंप में पहुंचकर जताई कड़ी आपत्ति

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विधायक सुमित हृदयेश ने मंगलवार को सुभाष नगर स्थित प्राइमरी स्कूल में प्रशासन द्वारा लगाए गए आपत्ति कैंप का दौरा किया और अतिक्रमण के नाम पर निवास कर रहे लोगों को मिल रहे नोटिसों पर अपनी दर्जनों गंभीर आपत्ति दर्ज की। विधायक सुमित हृदयेश ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों से स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिन परिवारों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया जा रहा है, वे पिछले 50 से 60 वर्षों से यहाँ निवासरत हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर इतने वर्षों बाद अचानक इन लोगों को उजाड़ने का निर्णय किस आधार पर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की इस कार्रवाई से आमजन की रातों की नींद हराम हो चुकी है और भय का माहौल पैदा हो गया है। काठगोदाम क्षेत्र का उदाहरण देते हुए विधायक ने कहा कि वहाँ मलिन बस्ती श्रेणी। में रहने वालों को प्रशासन ने डराकर खुद अपने मकान तुड़वाए, लेकिन अब ऐसी एकपक्षीय कार्यवाही को हल्द्वानी में किसी भी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। विधायक सुमित हृदयेश ने अधिकारियों से कहा कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता, और यदि वे खुद प्रशासनिक पद पर होते तो ऐसी अमानवीय कार्रवाई के विरोध में इस्तीफ़ा दे चुके होते। भगवानपुर क्षेत्र का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वहाँ कई फौजी परिवारों के मकानों पर लाल निशान लगाए गए हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि एक ओर जो सैनिक देश की सेवा करता है, उसे सम्मान देने के बजाय उसके घर को तोड़ने की तैयारी की जा रही है। इसके पश्चात विधायक सुमित हृदयेश कुसुमखेड़ा क्षेत्र पहुँचे, जहाँ उन्होंने नाले के नाम पर प्रभावित हो रहे परिवारों से मुलाक़ात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वासन दिया कि वें इस अन्याय के खिलाफ पूरी मज़बूती से उनके साथ खड़े हैं।

नए वार्डो में टैक्स वसूली पर जताया रोष

व्यापारियों ने मेयर से 10 वर्ष की टैक्स छूट की मांग उठाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम में जुड़े नए क्षेत्रों से टैक्स वसूली के विरोध में मंगलवार को प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ग्रामीण इकाई मुखानी-कुसुमखेड़ा के व्यापारियों का एक शिष्टमंडल मेयर गजराज सिंह बिष्ट व सहायक नगर आयुक्त से मुलाकात की और अपनी समस्याओं को उनके समक्ष रखा। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ग्रामीण इकाई मुखानी-कुसुमखेड़ा के नगर अध्यक्ष पवन जोशी एवं महामंत्री पवन वर्मा के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारी एकत्र हुए और नगर निगम कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने मेयर गजराज बिष्ट व सहायक नगर आयुक्त श्री पाठक से मुलाकात करते हुए कहा कि वर्ष

2018 में तत्कालीन सरकार द्वारा आदेश जारी कर नगर निगम में नए जुड़े क्षेत्रों को 10 वर्षों तक टैक्स से मुक्त किया गया था। लेकिन इसके बावजूद अब 2022 से व्यापारियों को टैक्स जमा करने के नोटिस भेजे जा रहे हैं। जिससे व्यापारियों में आक्रोश है। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि जब राज्य सरकार द्वारा 10 वर्ष तक टैक्स छूट का निर्णय लिया गया था, तो फिर अब इस निर्णय की अनदेखी क्यों की जा रही है। इस पर सहायक नगर आयुक्त ने संबंधित शासनादेश (जीओ) दिखाते हुए दावा किया कि छूट केवल हाउस टैक्स पर लागू थी। वहीं व्यापारियों का कहना है कि जीओ में कहीं भी केवल हाउस टैक्स का उल्लेख नहीं है, बल्कि आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नए जुड़े वार्डों में 10 वर्षों तक भवन कर नहीं लिया जाएगा। इसके बाद शिष्टमंडल ने मेयर गजराज सिंह बिष्ट से भी मुलाकात की और राज्य सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन को अमल में लाने की मांग की। मेयर ने इस विषय पर सरकार से वार्ता करने का मौखिक आश्वासन दिया। व्यापारियों ने चेताया कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो व्यापारी उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता, जिला महामंत्री हर्ष वर्धन पांडे, नगर निगम पार्षद नीमा भट्ट, हरीश मठपाल, सुनीता वर्मा, दीपक कपिल, प्रदीप भट्ट, भाष्कर त्रिपाठी, दीपक वर्मा, दीपक गुर्रानी, आशीष शर्मा, राजेंद्र बिष्ट, नंदाबल्लभ शर्मा, नंदन कांडपाल, दिवान बिष्ट, प्रदीप ओली, फैजान सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

वीरेंद्र सिंह बिष्ट बने पहाड़कोटा ब्लॉक अध्यक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पहाड़कोटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को कोटाबाग में आयोजित

की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने की। आगामी पंचायत चुनावों को लेकर रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान वीरेंद्र सिंह बिष्ट को सर्वसम्मति से पहाड़कोटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री बिष्ट इससे पूर्व जिला कांग्रेस के महामंत्री एवं सांसद प्रति. निधि के रूप में भी जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। उनके मनोनयन पर पार्टी में हर्ष का माहौल देखा गया। पूर्व विधायक संजीव आर्य, पूर्व प्रमुख भोला दत्त भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश नेनवाल, कोटाबाग के प्रभारी हेमवती नंदन दुर्गापाल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हीरा बल्लभ बुधनी ने बधाई दी है।

कोर्ट ने लगाई सरकार की मनमानी पर लगाम: पांडे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर लगाई गई अंतरिम रोक को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने राज्य सरकार की तीखी आला. ेचना की है। पार्टी के जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि उच्च न्यायालय ने पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की मनमानी और निरंकुशता पर लगाम लगाने का काम किया है। डा. पाण्डेय ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों का गठन संविधान के 73वें संशोधन के अंतर्गत होता है, और हाईकोर्ट के स्थगनादेश (स्टे) से यह स्पष्ट हो गया है कि उत्तराखंड सरकार में संवैधानिक प्रावधानों के प्रति गंभीर अवज्ञा का भाव है। उन्होंने कहा पंचायत चुनाव छह माह पूर्व ही संपन्न हो जाने चाहिए थे, लेकिन सरकार ने निर्धारित समयसीमा में चुनाव नहीं कराए। जिन जनप्रति. निधियों का कार्यकाल समाप्त हो गया था, उन्हें ही प्रशासक बना दिया गया और बाद में अध्यादेश के माध्यम से कार्यकाल बढ़ाने की असफल कोशिश की गई, जिसे राजभवन ने वापस कर दिया। इसके बाद सरकार ने बिना विधिवत नियमावली बनाए ही आरक्षण रोस्टर जारी कर दिया और आपत्तियों को मनमाने ढंग से निरस्त कर दिया। डा. पाण्डेय ने कहा कि सरकार पंचायत चुनावों को लेकर शुरू से ही गंभीर नहीं थी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा लगाया गया स्थगनादेश सरकार की प्रशासनिक क्षमता और कार्यकुशलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पल्लेदार ने फांसी लगाकर दी जान

- दो दिन पहले ही दिल्ली में पत्नी से मुलाकात करके वापस लौटा था घर
- पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मौहल्ला खेड़ा में एक व्यक्ति को घर में फांसी पर लटका पाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यक्ति को फांसी से उतार कर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी के अनुसार खेड़ा वार्ड 17 निवासी 40 वर्षीय रवि केवट पुत्र इन्दल देव पल्लेदारी का काम करता था। उसकी पत्नी दिल्ली में अपने तीन बच्चों के साथ रहकर काम करती है। बताया जाता है कि रवि विगत दिवस दिल्ली में पत्नी से मुलाकात करके घर वापस लौटा था। गत सायं वह कमरे में खाना खाकर सोया। जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो पड़ोसियों को सन्देह हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह कमरे का दरवाजा खोलकर भीतर देखा तो वहां रवि फांसी पर लटका हुआ था। पुलिस कर्मियों ने उसे फांसी से उतार कर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और उसके परिजनों को मामले की जानकारी दी।

फर्जी सीबीआई अधिकारी बन महिला से ठगे 50 लाख

- पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर । नकली सीबीआई, टेलीकॉम, पुलिस, ईडी, अधिकारी बनकर रानीखेत निवासी महिला से 50 लाख रुपये ठग लिए। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। शासन प्रशासन द्वारा लोगों को साईबर अपराधों से सावधान के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जागरूक किया जा रहा है। फिर लोग लगातार इनके झांसे में आकर शिकार बन जाते हैं।

सिराज पत्नी अमीनुर रहमान निवासी रानीखेत ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 19 जून 2025 को वह अपने घर पर थी तथा उसकी भांजी महनाज भी उसके घर आई हुई थी। एक अज्ञात मोबाईल नम्बर से एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने अपने आपको टेलीकॉम विभाग में नियुक्त बताया और कहा कि आपके फोन से अश्लील फोटो शेयर की जा रही है, आपके खिलाफ हमारे पास शिकायत आई है। अगर आपको बचना है तो एक अन्य मोबाईल नम्बर से कल आएगी आप वह रिसीव कर लेना। उसके मोबाइल नम्बर पर काल आई जिसने अपने आप को पुलिसकर्मी बताकर कहा आपके आधार कार्ड से एक फ्राड मोबाईल नम्बर

जारी हुआ है। आपके पास सीबीआई से व्हाट्स काल आएगी, वह आपको केस से सम्बन्धित समस्त जानकारी देगें और आपकी मदद करेंगे। उसके थोडी देर बाद उसके नम्बर पर सीबीआई लोगों के नाम से व्हाटसअप मैसेज व व्हाटसअप वीडियो काल आई, जिसने अपने आपको सीबीआई आफिसर बताया तथा पूछताछ कर कहा कि वह आपकी काल को डीएसपी साहब को ट्रासफर कर रहा हैं, आगे की पूछताछ वो करेंगे।

सिराज का कहना है कि इसके बाद वीडियो कल में सामने पुलिस वर्दी पहना एक व्यक्ति दिखा, पीछे से हमे अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया यह आवाज सुनाई दे रही थी। उसी दौरान मेरी भांजी भी उन्हें वीडियों कॉल पर दिखायी दी तो उनके द्वारा पूछा गया तो यह लड़की कौन है तो मेरे द्वारा बताया यह मेरी भांजी है जो रामनगर से हमारे यहां आई है। तो उनके द्वारा कहा गया कि यह लड़की भी आपके साथ है तो इसे भी हमारे सामने वीडियो कॉल पर मौजूद रहना होगा। हम इससे भी पूछताछ करेंगे। फिर उसने कहा कि यदि तुम दो घण्टे के अन्दर मुम्बई पुलिस स्टेशन नहीं पहुंचोगे तो तुरन्त गिरफ्तार कर लिया जाएगा । उनसे पूछा कि क्या अपराध किया है जो अरैस्ट करने की बात कह रहे हो । इस पर उसके द्वारा बताया गया कि आप नरेश गोयल के गैंग में सम्मिलित पाए गए है । आपके खिलाफ मुम्बई में रिपोर्ट दर्ज की गई है। आपके फोन की लगातार रिकार्डिंग की जा रही है। आपको अपने सारी जमा पूंजी का वेरीफिकेशन कराना पड़ेगा। इन्वेस्टीगेशन में आप निर्दोष पाए गए तो आपको क्लीरैंस सर्टिफिकेट देंगे । सिराज का कहना है कि वह काफी डर गई थी उसकी बातों पर विश्वास कर उसने बैंक जाकर पचास लाख रुपये व्हटसअप के माध्यम से भेजे नोटिस में अंकित बैंक के खाते में जमा करवा दिए। फिर उनके द्वारा 11 लाख रुपये फिर जमा करने के लिए कहा गया। वह समझ गई कि उसके साथ फ्राड हो गया है। उसने 11 लाख रुपये की धनराशि उनके दिए गए खाते में जमा नहीं की। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चुनाव की रायशुमारी में शामिल हुए भाजपा दिग्गज

- कई लोगों ने पेश की दावेदारी

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश ने नेतृत्व के निर्देश पर संगठनात्मक जिला काशीपुर के जसपुर विधानसभा हेतु पंचायत चुनाव की रायसुमारी के लिए वरिष्ठ नेता आशीष गुप्ता जो पूर्व में प्रदेश के कोषाध्यक्ष रहे और वर्तमान में कार्यालय निर्माण समिति के अध्यक्ष हैं इनके साथ में सरदार मंजीत सिंह गन्ना राज्य मंत्री को चुनाव पर्यवेक्षक बनाकर जसपुर विधानसभा की पांच जिला पंचायत सीटों के लिए भेजा गया जिसमें उन्होंने राजपुर सीट के लिए चार आवेदन आए जिसमें विनीत चौहान, अनिल चौहान, सुनील चौहान और सतीश कुमार फौजी चार व्यक्तियों ने आवेदन किया।

अपेक्षित कार्यकर्ताओं के द्वारा रायशुमारी कराई गई। इसी तरह पतरामपुर सीट के लिए एक आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें जसविंदर कौर पत्नी सरदार सिंह का एक ही आवेदन प्राप्त हुआ। नारायणपुर सीट के लिए दो आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें कामिनी प्रधान पत्नी शनि पधान एवं अभिषेक आर्य पुत्र करतार सिंह दो आवेदन प्राप्त हुए इसी प्रकार बैलजुड़ी सीट के लिए चरणजीत सिंह, हुकम सिंह, पूनम मंझरिया, गुरनाम सिंह चार आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार सरवरखेडा सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष बृजेश पाल एवं मोनू ठाकुर दो आवेदन प्राप्त हुए। सभी अपेक्षित पदाधिकारी एवं वरिष्ठ भाजपाइयों के द्वारा राय शुमारी प्राप्त कर ली गई है। पर्यवेक्षकों द्वारा बताया गया है कि आज दिवस में ही प्रदेश नेतृत्व को राजकुमारी बंद लिफाफे में भेज दी जाएगी, जिसका निर्णय प्रदेश संगठन द्वारा किया जाएगा।

भाजपा के जिलाध्यक्ष मनोज पाल और विधायक डॉक्टर शैलेंद्र मोहन सिंघल पूर्व जिला पंचायत सदस्य सतीश फौजी, डा. मनदीप चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष, मनप्रीत लाडी, मंडल अध्यक्ष राजकुमार घूमर ,ब्लॉक प्रमुख गुरताज भुल्लर ,महामंत्री हरप्रीत हैप्पी ,सतपाल जाटव, शुभम चौहान ,विमल सागर, रवि साहनी ,सुरेश लोहिया, आकांक्षा ठाकुर आदि थे।

हर चौखट तक पहुंचेगी विकास की किरण: गित्ते

- टाईल्स रोडों का विधिवत पूजा अर्चना उपरांत नारियल फोड़कर किया शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नगर पालिका परिषद के लोकप्रिय अध्यक्ष गुरजीत सिंह 'गित्ते' और वार्ड नंबर.11 के सभासद जगतजीत सिंह ने संयुक्त रूप से वार्ड में राम सिंह यादव के घर से दीवान सिंह बिष्ट के घर तक 70 मीटर एवं अचल कोरंगा के घर से रामजन्म के घर तक 40 मीटर टाईल्स रोडों का विधिवत पूजा अर्चना उपरांत नारियल फोड़कर शिलान्यास किया।

इस दौरान चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' ने कहा कि बाजपुर नगर का चहुंमुखी विकास उनका मुख्य लक्ष्य है। नगर के प्रत्येक वार्ड में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विकास गंगा प्रवाहित की जा रही है। चेयरमैन गित्ते ने कहा कि नगर की प्रत्येक चौखट तक विकास की किरण पहुंचेगी। सभासद जगतजीत सिंह ने कहा कि वार्ड का कोई भी कोना विकास से महरूम नहीं रहेगा। वार्ड की प्रत्येक गली टाईल्स रोड से चमचमाएगी।

इस दौरान वार्ड वासियों ने चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' और सभासद जगतजीत सिंह का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। यहां राम सिंह यादव, रामपाल यादव, दीवान सिंह बिष्ट, परशुराम, अभय यादव, आभा यादव, माया यादव आदि मौजूद रहे।

एक नजर

विद्युत संबंधी समस्या को लेकर एसडीओ को सौंपा पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने खटीमा नगर क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत संबंधी होने वाली समस्याओं को लेकर विद्युत विभाग के एसडीओ अंबिका यादव से मुलाकात की तथा एक शिकायती पत्र सौंप कर लो वोल्टेज की समस्या, झूलते हुए तारों व लंबी स्पान की लाइन की समस्या से अवगत कराया।

साथ ही उन्होंने अतिरिक्त विद्युत पोल लगाए जाने तथा ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने का अनुरोध किया। एसडीओ यादव से मुलाकात करने वालों में भाजपा जिला मंत्री भुवन जोशी, जिला मंत्री किशोर जोशी, मंडल अध्यक्ष महेश राणा, प्रकाश शर्मा, दीपक खोलिया, चंदन जोशी, भगवान दास, किशन सिंह, दिवाकर भट्ट तथा मनोज रावत आदि शामिल थे।

विधायक भुवन कापड़ी ने किया ऑटो स्टैंड का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। विधायक भुवन कापड़ी ने विधान सभा खटीमा के चकरपुर में क्षेत्रवासियों की मांग पर ऑटो स्टेशन का निर्माण कराया था जिसका मंगलवार को कापड़ी ने विधिवत उद्घाटन किया।

कापड़ी ने कहा कि ऑटो स्टेशन के निर्माण से चकरपुर से खटीमा, बनबसा,टनकपुर जाने वाली सवारियों को टेंपो, बस, रिक्शा के इंतजार में धूप में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। ऑटो स्टेशन में बैठने के लिए भी उचित व्यवस्था होगी। उपस्थित लोगों ने कापड़ी का आभार व्यक्त करते हुए जनहित के कार्य में सहभागिता पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बॉबी राठौर, विनोद चंद, पंकज टम्टा, ताहिर, राजू, देवेंद्र कन्याल सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

नीरज बने एबीवीपी नैनीताल विभाग के संयोजक

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से नीरज सिंह धामी को विभाग संयोजक नैनीताल विभाग का दायित्व सौंपा गया है।

नीरज धामी इससे पहले एबीवीपी के कॉलेज इकाई उपाध्यक्ष, अध्यक्ष और जिला संयोजक, नगर सह मंत्री रह चुके है। मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में नीरज सिंह धामी का फूलमालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान नीरज ने परिषद कार्यकर्ताओं से छात्र हित में कार्य करने और संगठन की नीतियों के आधार पर चलने का आह्वान किया। यहां दीपेंद्र, वंशिका शुक्ला सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। मॉर्निंग वॉक पर निकले व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई मौत मामले में पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर वाहन चालक के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वार्ड नंबर 9 लोहिया हेड अमाऊं निवासी मुकेश देउपा पुत्र नंदन सिंह ने सोमवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके जीजा लोहिया हेड अमाऊं निवासी हरेंद्र सिंह उम्र 58 वर्ष पुत्र स्वर्गीय खुशाल सिंह 22 जून 2025 को सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे वापस लौटते समय वलेराज इंटरप्राइजेज के सामने पीछे से अज्ञात वाहन चालक द्वारा तेजी व लापरवाही से जोरदार टक्कर मार दी गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उक्त घटना को होते हुए मौके पर अन्य व्यक्तियों ने भी देखा था। पीड़ित ने तहरीर में लिखा है कि मृत व्यक्ति की क्रिया कर्म के बाद उसने पुलिस को तहरीर सौंपा है। वहीं पीड़ित ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है।

कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत पहुंचे रामनगर

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत रामनगर पहुंचे। भाजपा नेता जगमोहन सिंह बिष्ट ने बताया कि मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

उन्होंने बताया कि गर्जिया मंदिर के दर्शन करने के बाद वह नैनीताल के लिए रवाना हो गए। बताया कि मंत्री के समक्ष रामनगर की विभिन्न समस्याओं को रखा गया है। इसके अलावा पंचायत चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चाएं की। मंत्री ने संगठित होकर चुनाव लड़ने और भाजपा को मजबूत करने को कार्यकर्ताओं में जोश भरा है।

नदी में कूदे अधेड़ का कई दिन बाद भी कोई सुराग नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। घरेलू कलह से नाराज होकर मझोला निवासी वृद्ध ने शनिवार देर रात देवहा नदी में छलांग लगा दी थी। घटना के समय परिवार ने काफी दूर तक वृद्ध का पीछा भी किया लेकिन वह उसे रोक नहीं पाए।

मंगलवार को तीन दिन बाद भी वृद्ध की बॉडी नहीं मिल सकी है जबकि पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार वृद्ध राजाराम की तलाश में जुटी हुई है। खोजबीन के लिए तैराक और बोट का इस्तेमाल किया जा रहा है।पानी अधिक होने से भी वृद्ध को ढूंढने में परेशानी आ रही है।इधर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

ट्रांजिट कैंप में बाल श्रम के दो मामले पकड़े

- दो नाबालिग बच्चों का किया गया रेस्क्यू
- धर्मेंद्र ऑटो सर्विस और माही इलेक्ट्रॉनिक्स पर कार्रवाई, श्रम अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिले में बाल श्रम की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान दो प्रतिष्ठानों से बाल श्रमिक कार्य करते हुए पाए गए, जिन्हें मौके पर ही रेस्क्यू कर उनके परिजनों को सौंपा गया।

जानकारी के मुताबिक, टीम ने पहले गोल मढैया स्थित धर्मेंद्र ऑटो सर्विस पर छापा मारा, जहां राज कुमार निवासी जाफरपुर, शीशगढ़ (बरेली) बाइक की मरम्मत कर रहा था। जब फर्म संचालक से बाल श्रम से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद टीम माही इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर की दुकान पर पहुंची, जहां 13 वर्षीय पीयूष, निवासी वार्ड-4, वायरिंग का कार्य करता मिला। दुकान स्वामी से भी जब दस्तावेज मांगे गए, तो वह भी कोई वैध जानकारी नहीं दे पाया।

कार्रवाई के दौरान टीम ने दोनों नाबालिग बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराते हुए परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मामले की पुष्टि करते हुए प्रोजेक्ट मैनेजर प्रेमा दानू ने थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित 2016) की धारा 3 व 14ए के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रशासन ने सभी दुकानदारों, फर्म संचालकों और व्यापारियों को चेतावनी दी है कि नाबालिगों से काम कराना कानूनन अपराध है और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं भी बाल श्रम होता दिखाई दे, तो उसकी सूचना तुरंत श्रम विभाग या नजदीकी थाने को दें। उन्होंगे कहा कि बाल श्रम किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान जहां भी बच्चों से काम कराता जो भी पकड़ा जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

रेलवे पटरी के पास एक व्यक्ति का मिला शव

- पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजा

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। पुलभट्टा थाना क्षेत्र में देर शाम रेल पटरी के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया।

सोमवार देर शाम थाना पुलभट्टा पुलिस को सूचना मिली कि बरेली रोड़ में रेलवे पटरी के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में पुलिस ने शव कब्जे में लेकर चिकित्सालय भिजवाया। जहां मृतक की शिनाख्त 35 वर्षीय सत्यवान पुत्र अमर सिंह निवासी ग्राम दोहरा घुसरी सितारगंज के रूप में हुई।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतक मजदूरी करता था। गत दिवस वह घर से काम के लिए निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। उसकी खोजबीन की जा रही थी। तभी उन्हें सूचना मिली कि एक व्यक्ति का शव रेल पटरी के पास मिला है। चिकित्सालय जाकर देखा तो शव सत्यवान का था। परिजनों ने सत्यवान की हत्या कर उसका शव रेल पटरी के पास फेंक देने का संदेह व्यक्त किया है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

29.5 करोड़ की धोखाधड़ी में ऊधमसिंह नगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

गर्लफ्रेंड ने खोली पोल, पुलिस ने मुख्य अभियुक्त की गर्लफ्रेंड के जरिए रंगे हाथों पकड़ा

- इंडसइंड बैंक रुद्रपुर से फर्जी चौकों के माध्यम से की गई धोखा धड़ी
- 25,000 का इनामी, हत्या समेत दो दर्जन अपराधों का है हिस्ट्रीशीटर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। दो सितम्बर 2024 में रुद्रपुर इंडसइंड बैंक के NHAI के खाते से धोखाधड़ी और ठगी की एक खबर सामने आई जिसने पूरे देश में सुर्खिया बटोरी। 29 करोड़ से ज्यादा की ठगी का ये मामला राष्ट्रीय स्तर का था, जिसमें NHAI और CALA के अकाउंट से लगभग 29.5 करोड़ रुपये 28, 29, 30, 31 अगस्त 2024 को फर्जी चेकों के माध्यम से निकाले गए। एकाउंट्स में गड़बड़ी होने की जानकारी जैसे ही दो सितम्बर को CALA अधिकारी कौस्तुभ मिश्रा को लगी, उन्होंने घटना की सूचना तत्काल ऊधसिंह नगर पुलिस के आला अधिकारीयों को दी और ऊधम सिंह नगर पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई।

तत्कालीन एसएसपी ने जहां इसको लेकर 30 से अधिक पुलिस कर्मियों की एक SIT टीम गठित की, जिसकी अगुवाई तत्कालीन आवास विकास चौकी इंचार्ज अरविन्द बहुगुणा द्वारा की गई। जांच टीम द्वारा सबसे पहले सुरूआती जांच में बैंक मैनेजर देवेंद्र सिंह सहित एक महिला क्लर्क स्टॉफ को गिरफ्तार किया गया।

मामले में महिला क्लर्क की संलिप्तता ना मिलने के चलते उसे बाद में जांच से बाहर कर दिया। पांच सितम्बर 2024 को जिले की कमान एसएसपी मणिकांत मिश्रा को मिली तो इस घटना पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने जांच टीम को हर स्तर तक जाने के सख्त

निर्देश दिए। पुलिस की जांच में बैंक मैनेजर ने कई राज उगल दिए और इस घोटाले में उसके अलावा अन्य दो और व्यक्तियों के नाम उजागर हुए, जिसमे से एक अभियुक्त ललित कुमार महेद्रु उर्फ लाली को एक अक्टूबर 2024 को पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया और दूसरा मुख्य अभियुक्त जो इस धोखाधड़ी का मास्टर माइंड भी था रामकुमार उर्फ चेयरमैन को उधमसिंहनगर पुलिस ने इस सनसनीखेज बैंक गबन मामले में अप्रतिम साहस और सूझबूझ का परिचय देते 23 जून 2025 को हरियाणा के सोनीपत जिले से गिरफ्तार किया।

रामकुमार उर्फ चेयरमैन ने अपने संगठित अपराधी गिरोह के साथ मिलकर फर्जी चेकों का उपयोग कर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और भूमि अधिग्रहण अधिकारी (CALA) के बैंक खातों से विभिन्न राज्यों में 29 करोड़ से अधिक रुपये की अवैध निकासी की।

वहीं उसने ये भी बताया कि उनकी योजना लगभग 300 करोड़ रुपये की और धोखाधड़ी करने की थी। मास्टर माइंड इन 10 महीनों में प्रॉक्सी कॉल (VPN) के माध्यम से पुलिस से बचता जा रहा था पर जांच टीम की त्वरित और सजग कार्रवाई ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

गिरफ्तारी में अहम कड़ी यह रही कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी सरोगेसी के माध्यम से पिता बनने की योजना बना रहा है, वहीं उसकी गर्लफ्रेंड ने उसकी पोल खोल दी जिसके आधार पर उसकी लोकेशन का पता लगाकर उसे रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया आरोपी रामकुमार कोई सामान्य अपराधी नहीं है। वह दिल्ली और हरियाणा में हत्या, लूट, धोखाधड़ी आदि के 18 से अधिक मामलों में वांछित है और वह पूर्व में अपने गांव की सहकारी समिति का चेयरमैन भी रह चुका है और एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है।

आरोपी महंगी जीवनशैली, अवैध संबंधों व अय्याशी का आदी है। अक्सर ठिकाने बदलता रहता था। रामकुमार लगातार पुलिस से बचने के लिए अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस को जब यह जानकारी मिली कि वह सरोगेसी के जरिए पिता बनने का प्रयास कर रहा है, तो इसी सूचना के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया गया और अंतत: पुलिस ने उसे हरियाणा के सोनीपत क्षेत्र से सटीक और योजनाबद्ध कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर लिया।

इस पूरी कार्यवाही में निरीक्षक संजय पाठक प्रभारी एसआजी ऊधमसिंहनगर, उप निरीक्षक अरविंद बहुगुणा विवेचक, थाना कुंडा, कांस्टेबल ललित कुमार, गिरीश पाटनी की अहम भूमिका रही। वहीं एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने अभियुक्त की गिरफ्तारी पर घोषित 25,000 रुपये के इनाम के अतिरिक्त, पुलिस टीम को 5,000 रुपये का अतिरिक्त पुरस्कार प्रदान किया।

सर्वसम्मति से राजकुमार राय बने व्यापार मंडल अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

दिनेशपुर। संवाददाता व्यापार मंडल कालीनगर की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए दुर्गा मंदिर परिसर में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे नारायण चन्द्र साहा ने सर्वसम्मति से विधिवत रूप में नवनिर्वाचित कमेटी का चयन किया। इससे पूर्व पिछले व्यापार मंडल अध्यक्ष शेखर मंडल ने पिछले कार्यकाल का आय व्यय का ब्यौरा रखा। इसके बाद चुनावी प्रक्रिया में सर्वसम्मति से राजकुमार राय को व्यापार मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया। वहीं वरिष्ठ कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सरकार, महासचिव आशीष तरफदार, सचिव सरजीत साहा और मनोजित मिस्त्री को बनाया गया। इसके अलावा कोषाध्यक्ष विक्रम सरकार तथा सह कोषाध्यक्ष प्रकाश जोशी और ऑडिटर किशोर हाल्दार चुने गए।

कार्यकारिणी का संरक्षक अन्य व्यापारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर नारायण चंद्र साहा, हरिचांद मंडल, सुकोमल मंडल, त्रिनाथ विश्वास, शम्भु विश्वास, जयदेव साहा,मुरारी तरफदार,सत्यम साहा, निरपेन मंडल एव मुलुक चंद समेत दर्जनों व्यापारी व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद किच्छा (उधमसिंह नगर)

गृहकर नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस निकाय के वार्ड सं.-11/14, किच्छा के पंचवर्षीय गृहकर वर्ष 2016-21 के कमांक (149) में स्थित भवन पर पूर्व में श्रीमती कलावती पत्नी स्व. मोहन लाल के नाम गृहकर दर्ज अभिलेख है, जिसकी चौहदी पूरब में तेजपाल का मकान, पश्चिम में- गली, उत्तर में दिनेश कुमार यादव, एवं दक्षिण में हरीओम का मकान स्थित है। भवन स्वामी श्रीमती कलावती व उनके पति की मृत्यु क्रमशः 08.12.2024, 03.10.2020 के फलस्वरुप आवेदकगणों द्वारा उक्त भवन का गृहकर अपने नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने बावत उत्तरजीवी प्रमाण पत्र दि. 17.03.2025, आधारकार्ड की छायाप्रति क्रमशः (सं. 49323218 9118, 4804 3065 8305), गृहकर रसीद की छायाप्रति, नोटरी शपथ पत्र मय प्रार्थना पत्र दि. 08.05.2025, मृत्यु प्रमाण पत्र के द्वारा इस निकाय में दाखिल किया गया है, के आधार पर उक्त भवन का गृहकर नामान्तरण / संसोधन दर्ज करने बावत 30 दिन के भीतर आपत्ति प्राप्त करने के उददेश्य से विज्ञप्ति सूचना प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों से, पूर्व भवन स्वामी श्रीमती कलावती पत्नी स्व. मोहन लाल का नाम खारिज कर वित्तीय वर्ष 2025-26 से आवेदकगण श्री दुर्गा प्रसाद व प्रदीप पुत्रगण स्व. श्री मोहन लाल के नाम नामान्तरण / संसोधन दर्ज किये जाने के सम्बन्ध में भविष्य में किसी प्रकार का कोई छल कपट अथवा मिथ्या वर्णन पाये जाने, वाद विवाद होने पर आवेदक का पूर्ण उत्तरदायित्व होगा, तथा माननीय सक्षम न्यायालय द्वारा पारित आदेश मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी

पोर्टल की शिकायतों को गंभीरता से लें: डीएम

सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की शिकायतों की समीक्षा कर दिए दिशा निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की शिकायतों की समीक्षा हेतु जनपद के सारे विभागों के अधिकारियों संग जिला सभागार में व्यक्तिगत एवं वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक आहूत की।

जिलाधिकारी ने विभागवार अधिकारियों से शिकायतों की पेंडेंसी के बारे में जानकारी ली और सभी विभागों को निर्देश दिए कि शिकायतों को एल-1 स्तर पर ही निवारण कर लिया जाए और शिकायतकर्ता को संबन्धित विभाग अधिकारी उनकी शिकायतों के निस्तारण के बाद व्यक्तिगत कॉल करें और उन्हें बताए कि शिकायत का निस्तारण कर दिया गया है और उनके संतुष्ट होने पर ही उस शिकायत को क्लोज करें। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग एक लिस्ट तैयार करें जिससे यह पता चल सके कि कितने शिकायतकर्ताओं को कॉल की गई है, उनका क्या रिस्पॉन्स आया है और कितनी शिकायतों को संतुष्ट किया गया और 36 दिन से ज्यादा पेंडिंग शिकायतें कितनी हैं और उनको रिजॉल्व करने में क्या परेशानी हो रही है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि आज शाम तक कॉल डेटा उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने जनपद के सभी तहसीलारों को सख्त निर्देश दिए कि वे सारी शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करें। उन्होंने माना कि रेवेन्यू डिपार्टमेंट में सबसे ज्यादा शिकायतें आती है और काम भी ज्यादा रहता है। फिर भी समय निकाल कर शिकायतकर्ता को कॉल करें और जब तक वे संतुष्ट न हो जाए उनकी शिकायतों को क्लोज न करें और हो सके तो एल-1 पर ही सारी शिकायतों का निस्तारण हो जाना चाहिए। जिला आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि राशन आपूर्ति को लेकर जो भी शिकायतें हैं उन्हें प्राथमिकता दी जाए और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में राशन की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाए। जल संस्थान एवं जल निगम से पानी की सप्लाई को लेकर जो भी शिकायतें हैं उनका संज्ञान लिया और सारे विकास खण्डों की पानी सप्लाई की स्थिति जानी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. नबियाल सहित संबन्धित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया और विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

दबंगों ने सफाई कर्मचारी को कैंची मार किया लहुलूहान

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। सिरौली कलां में दबंगों ने एक सफाई कर्मी पर कैंची से तीन वार किए। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। किच्छा में प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलभट्टा पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरसात के मौसम से पहले शहर में नहर नालों की सफाई का काम तेजी से किया जा रहा है। सोमवार को नगर पालिका में ठेकेदार अंतर्गत काम करने वाले सफाई कर्मी अरुण, बबलू, निखिल, मानू और तन्नू में सिरौली के सद्दाम गोटिया क्षेत्र में नाले की सफाई कर रहे थे। आरोप है कि नल से पानी पीने की बात को लेकर वहां रहने वाले दबंग किस्म के लोगों ने सफाई कर्मचारियों से मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने अरुण सीने एवं पीठ में कैंची से वार कर दिया। इससे अरुण खून से लथपथ होकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर करें कड़ी कार्रवाई: रेखा

माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों का हुआ सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव द्वारा गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाईन अपराध गोष्ठी और मासिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में समस्त थाना, चौकी और शाखा प्रभारियों ने भाग लिया। पुलिस अधीक्षक ने माह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनसे आगे भी कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते रहने की अपेक्षा की। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों की व्यक्तिगत व विभागीय समस्याओं की जानकारी लेकर उनका उचित निस्तारण किया। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। थाना और शाखा प्रभारियों को अपने अधीनस्थ कर्मियों के कार्यों की समीक्षा करने और रिपोर्ट कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए। थानावार लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई और साक्ष्य के आधार पर उनके निस्तारण के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के "ड्रग फ्री देवभूमि मिशन-2025" के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और

बिक्री पर प्रतिबंध लगाने और तस्करों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने तथा अधिक से अधिक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। अन्तरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे क्षेत्रों में एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त रूप से लगातार गश्त करें तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की बात कही।

वहीं उन्होंने थाना क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों का शत प्रतिशत सत्यापन कराने तथा बिना सत्यापन किरायेदार/ मजदूर पाये जाने पर सम्बन्धित मकान मालिक/ ठेकेदार के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई करने को निर्देशित किया। गोष्ठी में सीओ केएस रावत, ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी राकेश चन्द्र, प्रतिसार निरीक्षक नरेश चन्द्र जखमोला समेत जनपद के सभी थाना और शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

26 जून को होगा जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। नगर निगम में मंगलवार को बारिश को लेकर सिंचाई, ऊर्जा निगम, जल निगम, लोकनिर्माण विभाग और उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। मेयर ने उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की नहरों से जल निकासी की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को समय रहते दुरुस्त करने को कहा। एनएच-74 निर्माण के दौरान डाले गए पाइपों की क्षमता कम होने पर बड़े पाइप डालने को कहा। बैठक में इंदिरा चौक, ट्रंचिंग ग्राउंड, मंडी समिति बगवाड़ा, डीडी चौक के पास एनएच पर जलभराव समेत अन्य जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की समस्या का स्थायी हल निकालने को कहा गया।

मेयर ने सिंचाई विभाग को कल्याणी नदी, बैगुल, वनरसिया, मटकोटा नहर, रूद्रपुर नहर की जल निकासी व्यवस्था को स्थायी रूप से व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा नगर निगम ने इनकी सफाई करा दी है, लेकिन भविष्य के लिए इन्हें पुनर्जीवित कर जलनिकासी को बेहतर बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। वनरसिया और हल्दिया नहर में प्रस्तावित रिवर फ्रंट परियोजना के लिए विस्तृत विवरण भी मांगा गया। 26 जून को शहर के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों संयुक्त सर्वे निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जल संस्थान के अधिकारियों से अमृत योजना के तहत पेयजल आपूर्ति सुचारू करने को कहा। यहां नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, सहायक अभियंता हरीश सिंह, अवर अभियंता शुभम सिंह, जेई शिखर ओझा, एई मुकेश कुमार, एई नंदलाल, अधिशासी अभियंता उमाकांत चतुर्वेदी, एई विजय पाल सिंह, एसएनए रणदीप, गौतम सिंह आदि थे।

जिला प्रशासन और पत्रकार मिलकर मॉडल जिले की परिकल्पना को करेंगे साकार: डीएम

विकास कार्यों व योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ना पहला लक्ष्य

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। आईपीएस से लेकर भारतीय रेल सेवा समेत जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों से होते हुए 2018 बेच के आईएएस जिलाधिकारी मनीष कुमार आज पूरे आत्म विश्वास के साथ पत्रकारों से रूबरू हुए। ग्रामीण पृष्ठभूमि के इस अधिकारी में कुछ नया करने का ऐसा जुनून देखा गया कि आकर में छोटे एवं चुनौतियों से भरे इस जिले के लोगों की तकदीर व क्षेत्र की तस्वीर बदलने का मन बना कर आए हैं।

नए डीएम ने ऐसे समय में कार्य भार संभाला है, जब पंचायती चुनाव की चुनौती उनके सामने हैं। हर जगह पेयजल एवं देवीय आपदा का संकट छाया हुआ है। डीएम ने कहा कि गोल्जू, शारदा कॉरिडोर एवं मंदिर माला को जमीनी रूप देने के साथ उनका पहला लक्ष्य विभिन्न विकास कार्यों व योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़कर उनके चेहरों में मुस्कान लाना है। एनआईटी भोपाल से ग्रेजुएट जिलाधिकारी जिले में विकास कार्यों को गति देने के साथ उनकी गुणवत्ता में अपना विशेष ध्यान केंद्रित करेंगे। अब विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमियां पाई जाती हैं तो इसके लिए

सीधे संबंधित अधिकारी उत्तरदाई माने जाएंगे। हर घर में जल पहुंच. ना, विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं, जल स्रोतों का संरक्षण एवं आम आदमी तक सरकारी योजनाओं को पहुंचना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

जिला स्तरीय अधिकारियों को अब ग्रामीणों के बीच रहते हुए विकास कार्यों को तेजी से निपटाने की नई कार्य संस्कृति पैदा की जाएगी। उनका साफ कहना था कि भ्रष्टाचार के मामले में उनका कैसा रुख रहेगा, इस बात का अंदाजा जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों से ही जानकारी मिल पाएगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए दुधारू पशुपालन, बेमौसमी सब्जियों मोनपालन, फूलों की खेती आदि को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा जिले को नया रूप व स्वरूप देने में जिला प्रशासन व पत्रकार नई सोच के साथ कार्य करेंगे। तमाम मुद्दों पर पत्रकारों ने भी उन्हें जानक. ारी दी। इससे पूर्व जिला पत्रकार संगठन के अध्यक्ष सीबी ओली ने पत्रकारों की ओर से जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए उन्हें पूर्ण भरोसा दिलाया कि चंपावत जिले की परंपरा के अनुसार पत्रकार एवं जिला प्रशासन विकास कार्यों में नई सोच के साथ मिलकर कार्य करेंगे। डीएम ने सभी पत्रकारों का स्वागत करते हुए उनके प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

एक नजर

दुर्घटनाग्रस्त वाहन से घायलों को बचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। गत रात्रि में डायल-112 के माध्यम से थाना जौलजीबी को सूचना प्राप्त हुई कि जौलजीबी-मुनस्यारी मोटर मार्ग पर बलमरा के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

सूचना मिलते ही एसएचओ जौलजीबी संजीव कुमार मय फोर्स एवं रैस्क्यू उपकरणों के साथ त्वरित मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर एक अल्टो वाहन मुख्य सड़क से लगभग 50-60 मीटर गहरी खाई में गोरी नदी के पास गिरा पाया गया। वाहन के पास दो व्यक्ति दिनेश चन्द्र निवासी बगड़ीहाट और अजितपाल निवासी जोग्यूड़ा, अस्कोट घायल अवस्था में मिले।

पुलिस टीम द्वारा तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सुरक्षित रैस्क्यू कर 108 एम्बुलेंस के माध्यम से नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

प्राइम डे 2025 की घोषणा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा करते हुए कहा कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12:00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक चलेगी। इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत, नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मजा मिलेगा, और यह सब कुछ खासतौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा, जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। साथ ही, प्रमुख बैंकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे।

इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अर्ली एक्सेस मिलेगा।

प्रीत विहार में बड़ी बिजली चोरी पकड़ी गई सात उपभोक्ताओं पर केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। प्रीत विहार कॉलोनी में बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत विद्युत विभाग की संयुक्त टीम ने सात उपभोक्ताओं को चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

उपखंड अधिकारी अंशुल मदान और सतर्कता हल्द्वानी के सहायक अभियंता पुनीत कुमार के नेतृत्व में यह अभियान योजनाबद्ध तरीके से चलाया गया। जैसे ही विद्युत विभाग की टीम प्रीत विहार पहुंची, उपभोक्ताओं में अफरा-तफरी मच गई। चेकिंग के दौरान जिन उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते पकड़ा गया, उनके नाम और चोरी की यूनिट इस प्रकार रही सुनीता देवी, निवासी प्रीत विहार ख्र 0.551 किलोवाट, दरोगा, निवासी गली नंबर 3, प्रीत विहार 0.631 किलोवाट, हर भजन सिंह 4.368 किलोवाट, रजविंदर कौर ख्र 2.744 किलोवाट, रंजीत कौर, गली नंबर 1, प्रीत विहार 0.533 किलोवाट, सोनी, गली नंबर 4, प्रीत विहार ख्र 0.247 किलोवाट, शान अहमद 2.765 किलोवाट।

टीम ने मौके पर ही सभी उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए और एलटी लाइन के तारों को सील कर दिया गया। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेज संकलित कर पुलिस को सौंपे गए। विद्युत उपखंड अधिकारी शुभम कुमार की तहरीर पर पुलिस ने सातों उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली अधिनियम 2003 की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विभाग ने साफ किया है कि बिजली चोरी एक दंडनीय अपराध है और पकड़े जाने पर भारी जुर्माना और जेल दोनों की सजा हो सकती है।

विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी बार शहर कमेटी के सचिव चुने गए इस्लाम सहारा

मात्र मोहम्मद अकरम को नहीं मिला कोई वोट

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। मुस्लिम छीपी वेलफेयर सोसाइटी के तीन पदों के लिए हुए चुनाव में नायब सदर पर खादिम अली सेकेट्री पद पर इस्लाम ससहारा व खजानची पद पर मोबीन विजयी हुये। तीनो पदाधिकारीयों को चुनाव समिति ने प्रमाण पत्र सौंपे।

शनिवार को मदरसा बदरुल उलूम मे तीनों पदों के लिए चुनाव सम्पन्न हुए, जिसमें 60 मतदाताओं में से 59 मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया।

चुनाव समिति के इलकशन कमीशन अतिकुर रेहमान रेहबर ने बताया कि तीन पदों के लिए सात प्रतियाशी मैदान में थे, जिसमें नायब सदर पद पर खादिम नूरी को 36 मत मिले जब प्रतिद्वंदी शाहिद अली को 22 मिले।एक वोट

केंसिल पाया गया। वहीं सेकेट्री पद पर इस्लाम सहारा ने 43 मत हासिल कर अपने प्रतिद्वंदी रेहमतुल्ला बाबू को 27 वोटों पराजित कर करारी शिकस्त देकर दमदार जीत हांसिल की। रेहमतुल्ला बाबू को मेहज 16 मतों पर ही संतोष करना पढ़ा तथा खजानची पद पर तीन प्रतियाशी मैदान थे।

जिसमें मोबीन आलम ने 38 वोट पाकर जीत दर्ज की। जबकि प्रतिद्वंदी मोहम्मद सलीम को 21 वोट मिले। मोहम्मद अकरम को कोई वोट नहीं मिला। इलेक्शन कमीशन द्वारा तीनों प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र देकर विजय घोषित किया गया।

इस्लाम हुसैन सहारा दूसरी बार बिरादरी की शहर कमेटी के सेक्टरी चुने गये हैं। इस कार्यकाल से पूर्व इस्लाम सहारा को निर्विरोध सेकेट्री चुना गया था। इस पद पर रहते हुए उन्होंने अपने तीन साला कार्यकाल में बिरादरी के लिए सराहनीय कार्य किये थे। जिस को बिरादरी द्वारा खूब सराहा गया था।

डा. भट्ट योग-सेवा-समर्पण सम्मान से सम्मानित

डा. भट्ट वर्तमान में योग विज्ञान विभाग सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष पद पर हैं तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। कौसानी योग संस्थान द्वारा डा. नवीन भट्ट को योग के द्वारा की जा रही जन सेवा को देखते हुए संस्थान द्वारा योग - सेवा -समर्पण सम्मान द्वारा सम्मानित किया गया। कौसानी योग संस्थान द्वारा यह सम्मान योग के क्षेत्र में किए जा रहे अतुलनीय सेवा के लिए दिया गया।

कौसानी योग संस्थान द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में योग- सेवा- समर्पण सम्मान से सम्मानित करते हुए संस्थान के संस्थापक डा. महेंद्र सिंह मेहरा मधु ने कहा कि डा. भट्ट योग के माध्यम से सेवा व समर्पण के द्वारा जन -जन को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाता रहा है। डा. भट्ट ने आओ हम सब योग करें अभियान को जन - जन तक पहुंचा कर लाखों लोगों की योग के माध्यम से सेवा की है। डा. भट्ट ने अपने जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में अनेकों उपलब्धियों को अर्जित किया है। डा. भट्ट शिक्षा जगत के साथ ही छात्र संगठनों,सामाजिक संगठनों में भी अभूतपूर्ण कार्य करते आए है। डा. भट्ट के शोध पत्र अनेकों राष्ट्रीय -अंतरराष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के साथ ही दर्जनों पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। जिनमें एक जर्मनी से भी प्रकाशित है। डा. नवीन चंद्र भट्ट वर्तमान में योग विज्ञान विभाग सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष है। कौसानी योग संस्थान द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में डा. महेंद्र मेहरा, मधु होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष बलवंत नेगी, डीआरडीओ के सेवा. निवृत वैज्ञानिक डा. हेमन्त पांडे, वयोवृद्ध समाजसेवी भैरव दत्त जोशी सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में त्रुटियों के लिए दर्ज कराएं आपत्ति: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखण्ड के निर्देशानुसार जिले की सभी ग्राम पंचायतों की अद्यतन मतदाता नामावलियां विभागीय वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों में पारदर्शिता करने के उद्देश्य से आयोग द्वारा संबंधित ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची, मतदाता का नाम खोजने की सुविधा तथा मतदान स्थलवार सूची को आयोग की अधिकृत वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। डीएम भदौरिया ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने ग्राम की मतदाता सूची अवश्य देखें। उन्होंने कहा कि यह पहल मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और त्रुटिरहित निर्वाचन प्रक्रिया की दिशा में एक अहम कदम है।

4007.514 हेक्टेयर गन्ना क्षेत्र के लिए 50 डेली गेट निर्वाचित

11 डायरेक्टर का (प्रबंध कमेटी सदस्य) चुनाव चार जुलाई को

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। खटीमा- मझोला सहकारी गन्ना विकास समिति के 4007.514 हेक्टेयर गन्ना क्षेत्र के 11 डायरेक्टर के नामांकन पत्र आज बुधवार को बिक्री होंगे। मंगलवार 24 जून को गन्ना विकास समिति कार्यालय पर मतदाता सूचियां का अवलोकन किया गया। 50 डेली गेट मतदाताओं (सामान्य निकाय के प्रतिनिधि) का 20 जून को निर्विरोध निर्वाचित हुआ था। चंदेली, दियां चांदपुर, नगला, नौगवां ठग्गू, नौसर कुटरा, पूरनापुर बेरीघाट, प्रतापपुर, बनबसा, बरी अंजनियां, मझोला तथा सुनपहर निर्वाचन क्षेत्र के लिए 11 प्रबंध कमेटी सदस्यों डायरेक्टरों का निर्वाचन 4 जुलाई को होना है।

डायरेक्टर पदों के प्रत्याशी 25 जून को नामांकन पत्र खरीदेंगे। सहकारी गन्ना विकास समिति सचिव महेन्द्र यादव ने बताया कि प्रबंध कमेटी सदस्यों के निर्वाचन संबंधी तैयारियों की प्रक्रिया जारी है।

सचिव यादव ने बताया कि 24 जून को अंतिम मतदाता सूची का प्रदर्शन किया गया। आज 25 जून को नामांकन पत्रों की बिक्री, दाखिल करना तथा प्राप्त नामांकन पत्रों की सूची का प्रदर्शन होगा। 26 जून को नामांकन पत्रों की जांच आपत्तियों का निराकरण, वैध नामांकन की सूची का प्रदर्शन होगा। 27 को नामांकन पत्र वापसी और अंतिम वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रदर्शन व चुनाव चिन्ह आवंटन होंगे। आवश्यकता पड़ने पर 4 जुलाई को मतदान व निर्वाचन परिणाम घोषित होंगे। पांच जुलाई को सभापति, उपसभापति एवं अन्य समितियों को भेजे जाने वाले प्रति. निधियों का निर्वाचन होगा। समिति सचिव महेन्द्र यादव ने बताया कि गत वर्ष 3582 हेक्टेयर गन्ने का क्षेत्रफल था। इस वर्ष 400 7. 514 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना है।

सार्वजनिक नल और हैंडपंप लंबे समय से खराब

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रम्पुरा, वार्ड-23 में समस्याओं का अंबार है। गर्मियों में लोग पेयजल तक के लिए काफी परेशान हो रहे हैं। यहां लगे सार्वजनिक नल और हैंडपंप लंबे से खराब हैं और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इनकी मरम्मत के लिए नगर निगम में शिकायत तक की गई है, लेकिन अब तक इनकी जांच तक नहीं की गई है। ज्यादातर सड़कें खस्ताहाल हैं। नालियों का निर्माण नहीं होने से गंदे पानी की निकासी नहीं हो पाती है। वार्ड में सफाई कर्मियों की संख्या भी बहुत कम है, जिस कारण यहां नियमित सफाई भी नहीं होती है।

इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्रों में अव्यवस्थाएं हैं। वहीं लोगों की मांग है कि उनके पीले राशन कार्डों को सफेद राशन कार्ड में बदला जाए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ मिल सके। रम्पुरा, वार्ड-23 की सबसे बड़ी पानी और सड़क की समस्या है। क्षेत्र में करीब 10 सार्वजनिक नल लगे हुए हैं, लेकिन इनमें से आधे से ज्यादा लंबे समय से खराब पड़े हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत की, लेकिन अब तक कोई स्थाई समाधान नहीं हुआ है। सार्वजनिक हैंडपंप भी इसी स्थिति में हैं। कई हैंडपंप महीनों से खराब पड़े हैं। पेयजल की समस्या गर्मियों में और भी गंभीर रूप ले रही है। सड़कें बदहाल स्थिति में हैं। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे पड़े हैं, जिनकी वजह से जलभराव होने से लोगों को हमेशा हादसों का डर बना रहता है। बरसात के समय हालात और भी खराब हो जाते हैं। जब गलियों में पानी भर जाता है और पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। संकरी गलियां, खराब सड़कें और गंदगी के कारण कई बार लोग चोटिल भी हो चुके हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि जल्द सड़कों की मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था की जाए। सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं है।

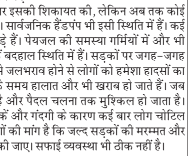

सूचना नहीं मिलने पर चढ़ा ठुकराल का पारा

टीडीसी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे पूर्व विधायक, लगाए आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल सूचना अधिकार से सूचना न मिलने से नाराज होकर टीडीसी के अस्थाई कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि टीडीसी के अधिकारियों की मिली भगत से टीडीसी को पलीता लगाया जा रहा है और उन्होंने सूचना अधिकार के तहत सूचना चाही तो अधिकारियों ने उन्हें पैसे जमा करने को कहा। उनके द्वारा निर्धारित पैसे भी जमा कर दिए गए, लेकिन अब तक उनको सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। जिस पर उन्होंने पत्थरचट्टा स्थित टीडीसी के प्रबंध निदेशक नितिन सिंह भदोरिया के अस्थाई कार्यालय के

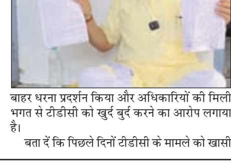

बाहर धरना प्रदर्शन किया और अधिकारियों की मिली भगत से टीडीसी को खुर्द बुर्द करने का आरोप लगाया है।

बता दें कि पिछले दिनों टीडीसी के मामले को खासी सियासत गरमाई थी। वहीं इस मामले में पूर्व विधायक ठुकराल लगातार आक्रामक मोड में नजर आ रहे हैं। ठुकराल ने कहा कि उत्तराखण्ड बीज एवं तराई विकास निगम के व्यापक घोटाले व पंतनगर हवाईअड्डे के सीमा विस्तार की जद में आ रहे भवनों, आवासीय परिसरों, विभिन्न कार्यालयों, बीज विधायन संयत्रों व अन्य समस्त मशीनरी की निविदा घोटाले से संबंधित पत्रावलियों 24 मई को सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत धनराशि जमा करा कर मांगी थी, परंतु एक माह का समय बीतने के बाद भी टीडीसी अधिकारियों के द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है।

ठुकराल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे द्वारा पूर्व में 24 मई को 100 रुपये व बाद में 628 जमा कराने के बाद भी मुझे सूचना उपलब्ध न कराना मेरे आरोपों की पुष्टि कर रहा है। ये अधिकारी भारी दबाव में व अपनी आकर्मणयता व लापरवाही के चलते सूचना अधिकार अधिनियम की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ठुकराल ने कहा कि इन भ्रष्ट नेताओं व अधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग पर अनैतिक दबाव बनाकर कम मूल्यांकन करा कर चोर दरवाजे से निविदा प्रतिक्रिया करा कर टीडीसी की पहचान व धरोहर को समाप्त कर दिया है।

ठुकराल ने कहा कि कुछ अधिकारी भी व्यक्तिगत रुचि लेकर ठेकेदार को जल्दी से जल्दी मलबा व स्क्रैब ले जाने के लिए स्थलीय मौका निरिक्षण कर दबाव डाल रहे हैं। इससे प्रतीत होता है कि अनेक बड़े अधिकारी भी व नेता भी इस घोटाले में शामिल हैं।

ठुकराल ने उत्तराखंड सरकार के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व मुख्य सचिव आनन्दवर्धन से व्यापक जनहित में टीडीसी घोटाले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

व्यवस्था में कोई कोताही न हो: डीएम

उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर जिलाधिकारी वंदना ने की बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बुधवार (आज) से नैनीताल में प्रस्तावित तीन दिवसीय प्रवास के मद्देनर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। उप राष्ट्रपति के सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी वंदना सिंह ने नैनीताल कार्यालय सभागार में सभी विभागीय अधिकारियों की ब्रीफिंग कर तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 25 से 27 जून तक नैनीताल में कुमाऊँ विश्वविद्यालय एवं शेरवुड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं संपादित कराये जाने हेतु जिलाधिकारी ने मजिस्ट्रेट और

अधिकारियों को दायित्व दिए हैं।इस संबन्ध में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस दौरान उन्हें जो भी दायित्व सौंपे गए हैं उनका यथासमय पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी विवेक राय को उपराष्ट्रपति के भ्रमण के दौरान दोनों स्थलों में आयोजित कार्यक्रम स्थलों में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का प्रभारी नियुक्त करते हुए उन्हें आवश्यक निर्देश दिए जबकि अधीक्षण अभियंता लोनिवि मनोहर सिंह धर्मशक्तू को हल्द्वानी से ज्योलिकोट तथा नैनीताल तक के आंतरिक और बाहरी सड़क मार्गो का प्रबंधन व उन्हें गड्ढामुक्त व दुरुस्त कराने के साथ ही सड़क मार्ग से मलवा हटाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग में हल्द्वानी से ज्योलिकोट तक नगर निगम हल्द्वानी से ज्योलिकोट से हनुमानगढ़ी तक जिला पंचायत से तथा वहां से नैनीताल नगर तक नगर पालिका के माध्यम से नियमित सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को सभी कार्यक्रम स्थलों में विद्युत व्यवस्था सुचारु रखने, मुखय चिकित्साधिकारी को उपराष्ट्रपति के मानकानुसार मेडिकल टीम आवश्यक दवाओं के साथ तैनाती के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपराष्ट्रपति के प्रवास और भ्रमण के दौरान सभी कार्यक्रम स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था यथासमय पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपरजिला अधिकारी विवेक राय समेत शैलेन्द्र सिंह नेगी, जीएम केएमवीएन विजय नाथ शुकल, अधीक्षण अभियंता मनोहर सिंह धर्मशक्तू, उप जिलाधिकारी नवाजिस खलिक, बीसी पंत, परितोष वर्मा, डिप्टी कलेकटर गोपाल सिंह चौहान समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ओलंपिक दिवस पर राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय अंडर-17 बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हल्द्वानी स्टेडियम में किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता खेल निदेशालय देहरादून के तत्वावधान में तथा जिला प्रशासन नैनीताल के मार्गदर्शन और जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी द्वारा आयोजित की जा रही है। दूसरे दिन पहला मुकाबला हरिद्वार और नैनीताल के बीच खेला गया, जिसमें हरिद्वार ने नैनीताल को 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरे मैच में पिथौरागढ़ और हल्द्वानी की टीमें आमने-सामने थीं। कड़ी टक्कर के बावजूद पेनल्टी स्टोक में पिथौरागढ़ ने 5-4 से जीत दर्ज कर फाइनल की ओर कदम बढ़ाया। पहला सेमीफाइनल हरिद्वार ने टनकपुर को 4-2 से हराया, दूसरा सेमीफाइनल में पिथौरागढ़ ने कोटद्वार को 5-1 से मात दी। इस प्रकार फाइनल मुकाबला हरिद्वार बनाम पिथौरागढ़ के बीच खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला कल यानि आज बुधवार को सुबह साढ़े दस बजे से खेला जायेगा। इसके साथ ही ओलंपिक दिवस पर निबंध व स्लोगन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें ओलंपिक दिवस की थीम पर आधारित ओपन बालक/बालिका निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन बैडमिंटन हॉल में हुआ, जिसमें 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर खेल उप निदेशक खेल रासिका सिद्दीकी, जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत, आयोजक कोऑर्डिनेटर निलेश गुप्ता, विनय जोशी, त्रिलोक जीना, शुभांगिनी शाह, विनय अंकुश रौतेला, किरण मौर्य, सुनील कुमार, निलेश गुप्ता, गोविंद लटवाल, महेश्वर नेगी, रुपिन और मोहित मौजूद रहे।

मालरोड पर पुलिस हुई चौकन्नी

नैनीताल। नैनीताल की शान समझी जाने वाली मालरोड पर यूपी के पर्यटक के साथ मारपीट के बाद पुलिस चौकन्नी हो गई है। युवकों के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब पुलिस ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। बता दें कि रविवार की रात को मालरोड पर यूपी के एक पर्यटक के साथ कुछ युवकों ने मारपीट की थी। जिसमे पर्यटक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की जांच कर मारपीट करने वाले तीन युवकों को गिफ्तार कर कार्रवाई की थी। उसी के साथ पुलिस ने रात के समय क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। ताकि कोई भी अराजक तत्व किसी भी प्रकार की अराजकता न फैला सके। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि मालरोड पर लगातार गश्त की जाएगी। साथ ही अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पौधारोपण आंदोलन जारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को लेकर जारी किया जा रहा राज्य में अनूठा पौधारोपण आंदोलन 354 वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत मुंबई से आए पर्यटकों ने पौधारोपण आंदोलन से जुड़ते हुए मां हिंगला देवी मंदिर परिसर में पौधारोपण किया। यात्रियों ने कहा कि उन्हें पौधारोपण करने का सौभाग्य मिल रहा है। ऐसा अपनी मांगों को लेकर किया जा रहा पौधारोपण आंदोलन आज वह पहली बार देख रहे हैं। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने नवनियुक्त सचिव पर्यटन धीराज गर्बियाल का महासंघ की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में निगम हित व राज्य हित में पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि धीराज गर्ब्याल पूर्व में निगम के महाप्रबंधक व प्रबंध निदेशक रहे हैं। उनके कार्यकाल में कर्मचारियों का नियमितीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही वार्ता हेतु निगम कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में एक पत्र भी पर्यटन सचिव को प्रेषित किया गया है जिसमें दोनों निगमों के कर्मचारियों के द्वारा 3 जुलाई से वर्तमान तिथि तक किए गए पौधारोपण आंदोलन के तहत 53 हजार पौधों का रोपण किया गया है। इसी के साथ उनके संगठन का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में आया है।

रिश्वत के आरोपी को नहीं मिली राहत

पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी का जमानत खारिज

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम)/द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश हल्द्वानी श्री विक्रम की अदालत ने 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार पूर्व जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी बागेश्वर सुबोध शुकला की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत में प्रस्तुत मामले के अनुसारए शिकायतकर्ता कैलाश चन्द्र जो कि उपनल के माध्यम से सैनिक कल्याण विभाग में संविदा पर कार्यरत थे ने शिकायत की थी कि सेवा विस्तार के एवज में अधिकारी सुबोध शुकला द्वारा 50 हजार की रिश्वत की मांग की गई। शिकायत सत्य पाए जाने पर सर्तकता अधिष्ठान, नैनीताल सैकटर हल्द्वानी की ट्रैप टीम द्वारा 24 मई 2025 को अभियुक्त को रंगे हाथों 50 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) सुशील शर्मा ने कोर्ट को बताया कि ट्रैप के दौरान की गई ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग, बरामद लिफाफे में मिले नोटों पर कैमिकल परीक्षण तथा अभियुक्त के हाथों से मिले संकेत इस बात के पुष्ट प्रमाण हैं कि रिश्वत ली गई थी साथ ही शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई गोपनीय शिकायत की जांच में भी आरोपी अधिकारी की छवि भी सही नहीं थी। दूसरी ओर बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता के साथ पुरानी रंजिश के चलते उन्हें झूठा फंसाया गया है तथा पूरी कार्यवाही पूर्वनियोजित है। उन्होंने यह भी बताया कि अभियुक्त 50 प्रतिशत विकलांग हैं एवं सेना से ईमानदार सेवाकाल के बाद सेवानिवृत हुए हैं, परंतु न्यायालय ने आरोप की गंभीरता व मौजूद साक्ष्यों एवं ट्रैप की कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए यह कहते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी कि वर्तमान में अभियुक्त के विरुद्ध जांच प्रचलित है और प्रथम दृष्टया आरोप अत्यंत गंभीर हैं। अत: उन्हें इस स्तर पर रिहा करना न्यायोचित नहीं है। इस आधार पर कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी।

एक नजर...

फड़ वालों ने ईओ को ज्ञापन सौंपा

नैनीताल। रेहड़ी पटरी हॉकर्स एसोसिएशन ने मंगलवार को नगरपालिका के ईओ रोहिताश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि हाईकोर्ट के आदेश पर पूर्व में फड़ कारोबारियों को पंत पार्क से नैना देवी मंदिर तक स्थान आवंटित किया था और कुछ समय पूर्व पालिका और पुलिस प्रशासन की ओर से उन्हें पालिका कार्यालय के समीप बैठा दिया गया है। जिस कारण उनका काम नहीं चल रहा है और उनकी स्थिति काफी दयनीय है। उन्होंने अनुरोध किया कि इन्हें फिर से उक्त स्थान पर बैठने की कृपा करें नहीं तो फड़ कारोबारी मजबूर होकर नगरपालिका कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

मरीज को कांस्टेबल ने अस्पताल पहुंचाया

नैनीताल। दिल्ली से नैनीताल घूमने आए पर्यटक का बच्चा बीमार पड़ गया जब ट्रेफिक में पर्यटक बच्चे को अस्पताल नहीं पहुंचा सके तो चीता कांस्टेबल ने बाइक पर बच्चे को अस्पताल पहुँचाया। समय पर इलाज मिलने पर बच्चे की जान बच गई। जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम को दिल्ली के पर्यटक कनहैया लाल रस्तोगी कैंची से घूमकर तल्लीताल होटल में ठहर गए। इस दौरान उनके दो वर्ष के बच्चे की तबियत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। जब पर्यटक अपने वाहन में बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए निकले तो वह जाम में फंस गए। इस दौरान वहां से गुजर रहे चीता कांस्टेबल अमित गहलोत ने अपनी बाइक पर पर्यटक व बच्चे को ट्रैफिक को हटाते हुए अस्पताल पहुंचाया। जहां डाकटरों ने उसको उपचार दिया। मंगलवार को पर्यटक तल्लीताल थाने में पहुंचे और चीता कांस्टेबल का आभार जताया। अस्पताल के पीएमएस डा. टीके टम्टा ने बताया कि बच्चे की तबियत ठीक है। उपचार के बाद उसको छुटी दे दी है।

दीवार गिरने से सड़क बाधित

नैनीताल। नगर के मल्लीताल स्थित बालिका इंटर कॉलेज स्कूल के समीप अर्ल्स कोर्ट क्षेत्र की दीवार मंगलवार की सुबह गिर गर सड़क पर आ गई, जिससे क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई भी पैदल राहगीर और वाहन क्षेत्र से नहीं जा रहा था जिससे दीवार गिरने से जानमाल बड़ा हादसा होने से बच गया। स्थानीय लोगों ने दीवार गिरने की सूचना आपदा प्रबंधन विभाग को दी जिसके बाद दीवार के मलबे को हटाकर यातायात को संचालित किया गया लेकिन अब भी क्षेत्र में यह दुर्घटना संभावित क्षेत्र बना हुआ है। आते जाते वाहनों और स्कूली बच्चों और राहगीरों के लिए दीवार खतरा बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने जल्द से जल्द कैंपस की दीवार को दुरुस्त करने की मांग की।

सफाई कर्मियों का धरना दूसरे दिन भी

नैनीताल। नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) का भुगतान करने की मांग को लेकर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ का धरना प्रदर्शन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान उन्होंने पालिका के अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा को ज्ञापन सौपा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2020 से पूर्व की एनपीएस राशि अल्मोड़ा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक मल्लीताल शाखा में जमा की गई थी जिसका भुगतान अब तक नहीं किया गया। कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर भुगतान नहीं किया गया तो संघ के सभी कर्मचारी लेखा अनुभाग के समीप अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को बाध्य होगा। इस दौरान संघ के अध्यक्ष त्रिलोचन टांक, उपाध्यक्ष कमल कुमार, महासचिव सोनू सहदेव समेत विक्की सिलेलान, मंगू लाल, महेंद्र लाल, अमित सहदेव, रवि कुमार, मनोज कुमार, दीपक कुमार, मनीष कीर्ति, राजा, दिनेश रत्नाकर, मनोज कुमार, शोभा, बबली, अनिता तथा मीनू आदि रहे।

टैक्सी में आठ सवारियां बैठाने पर गाड़ी सीज

नैनीताल। नैनीताल के तल्लीताल क्षेत्र में अल्टो टैक्सी चालक को 8 सवारियां बैठाना भारी पड़ गया। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए टैक्सी को सीज कर दिया। जानकारी के अनुसार सोमवार देर शाम भवाली मस्जिद तिराहे पर पुलिस को अल्टो टैकसी कार यूके 04 टीए 2496 में ज्यादा सवारियां बैठी नजर आई। रोकने पर वाहन चालक ने वाहन को भगा दिया। एसओ रनेश बोरा ने चीता कांस्टेबल अमित गहलोत के साथ टैक्सी कार का पीछा किया जिसको नैनीताल में रोक लिया जब एसओ ने टैक्सी से सवारियां उतारी तो वह हैरान रह गए। टैकसी में चालक ने आठ सवारियां बैठाई थी जिस पर पुलिस ने वाहन जबत कर लिया। एसओ रमेश बोरा ने बताया कि हल्द्वानी निवासी नदीम के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन सीज कर दिया है।

भूमियाधार के पास फिर बनाई अवैध दुकानें

नैनीताल। नैनीताल-भवाली मोटर मार्ग में भूमियाधार के समीप फिर एक बार अवैध दुकानें लग चुकी हैं। बीते दिनों ही प्रशासन ने उक्त दुकानों को ध्वस्त किया था। लेकिन दोबारा दुकानें लगने से यातायात बाधित होने लगा है। बता दें कि नैनीताल भवाली रोड में भूमियाधार के समीप सड़क किनारे कई अवैध दुकानें लगाई जा रही हैं। लोगों की शिकायत व कैंची मेले के दौरान सुगम यातायात बनाने के लिए प्रशासन की टीम ने अवैध दुकानों को ध्वस्त कर हटा दिया था। लेकिन फिर एक बार सड़क के किनारे दुकानें लग चुकी हैं। जिससे वहां कई वाहन रुक रहे हैं। वीकेंड पर यहां यातायात प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा क्षेत्र में गंदगी भी फैल रही है। मामले में एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया कि सड़क किनारे लगी अवैध दुकानों को जल्द हटाया जाएगा।

शिक्षण में नवाचार के प्रयोग पर दिया ज़ोर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में डीएलएड प्रशिक्षुओं के लिए विज्ञान विषय पर दो दिवसीय क्रियात्मक आधारित शिक्षण एवं टीएलएम निर्माण पर केंद्रित एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण में अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन सहयोग कर रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डा. केएस रावत ने प्रशिक्षुओं को नवाचार को अपनाने, बच्चों की सीखने में बच्चों की भागीदारी बढ़ाने तथा शिक्षण को छात्र-केंद्रित बनाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक डा. भुवन चंद्र ने बताया की कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को विज्ञान विषय की जटिल अवधारणाओं को सरल, रुचिकर और व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करने की विधियां सिखाना है, जिससे वे भविष्य में विद्यालयों में अधिक प्रभावी शिक्षण कर सकें। प्रशिक्षुओं में नवाचार आधारित शिक्षण विधियों के प्रति रुचि उत्पन्न करना एवं कक्षा-कक्ष में प्रभावशाली शिक्षण के लिए स्वयं निर्मित एलटीएम का उपयोग सिखाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विषयों को रोचक, सरल एवं जीवनोपयोगी बनाने की विधियां सिखाई जाएंगी। कार्यशाला में डा. राजीव जोशी, रवि कुमार जोशी, डा. बीडी पांडे, डा. संदीप कुमार जोशी, डा. हरीश चन्द्र जोशी, डा. दया सागर, पूजा लोहुमी, डा. उर्मिला बिष्ट, डा. रुचि पाठक, अखिलेश कुमार, दीपक यादव और मनोज कुमार मौजूद रहे।

डा. रावत ने किया भूस्खलन प्रभावित बलियानाला क्षेत्र में ट्रीटमेंट कार्य का निरीक्षण

जनपद नैनीताल के भ्रमण पर पहुंचे प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिले के भ्रमण पर पंहुचे उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने मंगलवार को भूस्खलन प्रभावित बलियानाला क्षेत्र में चल रहे ट्रीटमेंट कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कहा कि ट्रीटमेंट कार्य समय से पूर्ण किए जाएं। अधिक संवेदनशील स्थलों बरसात के दौरान सुरक्षा के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। मंत्री द्वारा गतिमान कार्यों की विभित्र बेंच पर जाकर विभिन्न कार्यों का बारिकी से निरिक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से परियोजना

के तहत सभी कार्य सुरक्षात्मक तरीके से करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग के एई सुमित कुमार ने बताया कि बलियानाला में सिचांई विभाग द्वारा सुरक्षा के कार्य प्रगति में है। जिसकी तीन साल की कार्य अवधि है। कुछ कार्यों में डीपीआर संशोधित की गई है। कार्य आवश्यकतानुसार योजना की लागत जो पूर्व में 177.91 करोड़ थी और बढ़कर 298.93 करोड़ हो गई। शिक्षा मंत्री ने प्रभावित लोगों को विस्थापन के लिए भूमि चयन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि ट्रीटमेंट कार्य के दौरान आबादी वाले इलाके प्रभावित नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसके लिए संबंधित विभाग तकनीकी एजेंसी के सुझाव के अनुरूप कार्य करने के आदेश दिए। इस दौरान उप जिलाधिकारी नवाजिश खलिक, मण्डल अध्यक्ष नितिन कार्की आदि मौजूद रहे।

ताइक्वांडों प्रतियोगिता प्रारंभ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित बिड़ला विद्या मंदिर नैनीताल में मंगलवार से दो दिवसीय अखिल भारतीय

आईपीएससी ताइक्वांडो प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन हुआ। इस प्रतियोगिता में देश भर के प्रतिष्ठित स्कूलों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जो अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम के मुखय अतिथि बिड़ला विद्या मंदिर के सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर सूरज अग्रवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ताइकोडो न केवल एक खेल है बल्कि यह अनुशासन और आत्म संयम भी सिखाता है। उन्होंने खिलाडियों को अपने खेल के प्रति समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए प्रोत्साहित किया। बिड़ला विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे संस्थान में इस अखिल भारतीय प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। हमें विश्वास है कि यह प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों के लिए एक मंच प्रदान करेगी बल्कि यह क्षेत्र के युवाओं को भी प्रेरित करेगी। उन्होंने आयोजन समिति को बधाई दी और सफल आयोजन की कामना की। प्रतियोगिता में बिड़ला विद्या मंदिर नैनीताल, एमिरेल हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल इंदौर, राजकुमार कॉलेज राजकोट, असम वैली स्कूल असम, संस्कार वैली स्कूल भोपाल तथा पेस्टल वीड स्कूल देहरादून आदि देश के प्रतिष्ठित स्कूल प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के वित्त प्रबंधक संजय गुप्ता तथा उप प्रधानाचार्य राकेश मुलासी, खेल प्रशिक्षक पृथ्वीराज सिंह किरोला, लीला सिंह बिष्ट, केदार सिंह गड़िया समेत विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे। संचालन जतिन ग्रोवर ने किया।

टैक्स पर मेयर के बयान का व्यापारियों ने किया स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम के नए जोड़े गए क्षेत्रों के व्यापारियों को राहत देते हुए महापौर गजराज बिष्ट ने स्पष्ट किया है कि नया टैक्स केवल आगामी वित्तीय वर्ष से ही लिया जाएगा। पूर्व में कोई बकाया टैक्स नहीं वसूला जाएगा। यह जानकारी प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान दी गई। संगठन के महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि महापौर ने आश्वस्त किया है कि व्यापारियों का किसी भी प्रकार का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा, और इस बाबत नगर निगम अधिकारियों को निर्देशित भी किया जा चुका है। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने महापौर के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इसे व्यापारियों के हित में बड़ा फैसला बताया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी वीरेन्द्र गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, महामंत्री राजेन्द्र फर्स्वाण, संयोजक धर्म यादव, देवेश अग्रवाल, पूरन लाल साह, राकेश गुप्ता टीटू, शकील अहमद, गौरव अग्रवाल, प्रज्ञान भारद्वाज, ऋषभ पाठक, धर्मेंद्र गुप्ता, संदीप टंडन, नुसरत सिद्दीकी, अश्मित गुजराल, राजीव शर्मा, मुनेश अग्रवाल, चोखे लाल, अशोक वार्ष्णेय, पियूष गोयल, कुंदन रावत, चमन गुप्ता, रामप्रसाद कश्यप, सुनील गुप्ता, संजय वर्मा, अमरजीत सिंह मौजूद रहे।

कालाढूंगी में विवाहिता की संदिग्ध मौत

मायके वालों ने पति व जेठ पर लगाया हत्या का आरोप

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। विवाहिता की उपचार के दौरान सन्दिग्ध हालत में मृत्यु मृतका के मायके वालों ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस कर रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार। जानकारी के अनुसार मायके वालों ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में ग्राम नलनी, कोतवाली मल्लीताल जिला नैनीताल निवासी टीकम सिंह अधिकारी पुत्र खीम सिंह ने आरोप लगाया कि 20 वर्ष पूर्व उनकी बहिन भावना नागरकोटी का विवाह ग्राम कप्तानगंज, कोटाबाग तहसील कालाढूंगी निवासी संतोष सिंह पुत्र रामसिंह से हुआ था। संतोष नशे का आदि है तथा वह अपने बड़े भाई बिशन सिंह के साथ मिलकर मृतका से दुर्व्यवहार व मारपीट करता था जिसकी शिकायत एक बार पूर्व में

पुलिस से की जा चुकी है। वादी के अनुसार विगत 13 जून को संतोष ने उनकी मौसी पुष्पा जलाल को बताया कि भावना की तबियत खराब है व वह हल्द्वानी में डा. सुशीला तिवारी हॉस्पिटल में भर्ती है। सूचना मिलने पर वादी हॉस्पिटल पहुंचा जहां उसकी बहिन आईसीयू में भर्ती थी जिसने रात्रि में साढ़े 10 बजे दम तोड़ दिया। परिजनों के द्वारा हत्या का आरोप लगाये जाने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा दिया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद 15 जून को कालाढूंगी को तहरीर दिये जाने के उपरांत से लेकर अभी तक पोस्टमार्टम की रिपोर्ट नही आने की बात कहते हुए तहरीर मिलने के बाबजूद भी पुलिस ने किसी तरह की कार्यवाही नही की है। बताया जाता है कि मृतका के दो बेटे है जो कि 11वी 12 के छात्र है तथा अपने पिता के पास ही रह रहे हैं। मृतका के भाई ने पुलिस से जल्द से जल्द पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मंगवाने व आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। थानाध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बंशीपुर में संपत्तियों के क्यूआर कोड नंबर व नंबर प्लेट लगाने का किया गया कार्य शुरू

विकासनगर। नगर पालिका परिषद हरबर्टपुर के वार्ड नं0 1 बंशीपुर में संपत्तियों के क्यू0आर0 कोड नंबर सहित नंबर प्लेट लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया। जिसमें भवन स्वामी की संपत्ति से संबधित समस्त डिटेल, भवनकर, यूजन चार्जेस, व गूगल पर एड्रेस के साथ अन्य सभी प्रकार की जानकारियों के साथ कर स्वनिर्धारण के प्रारूप वितरण किया गया।पालिका अधिशासी अधिकारी बीएल आर्य द्वारा भवन स्वामियों को संपत्तियों से संबंधित क्यू0आर0 कोड के माध्यम से कैसे भवनकर व यूजर चार्जेस बिल का भुगतान सीधे पालिका में जमा कराने, संपत्ति के रिकार्ड को चौक करने की जानकारी दी गई।

अल्मोड़ा में सुरमई शाम रही उस्ताद आफाक हुसैन के नाम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। शारदा पब्लिक स्कूल अल्मोड़ा के प्रेक्षागृह में लखनऊ के तबला घराने के खलीफा उस्ताद आफाक हुसैन खान साहब की स्मृति में शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात अल्मोड़ा नगर के वरिष्ठ संगीत विद्वान गिरीश चंद्र जोशी, दिनेश चंद्र पांडे (वैद्य), अमरनाथ भट्ट और नवीन बिष्ट को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शारदा पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत और भातखंडे हिंदुस्तानी संगीत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया, जिसका संगीत निर्देशन जीवन चंद आर्य, तबला संगत ऋतु जोशी और प्रमोद कुमार का था। फिर गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत से लखनऊ घराने के तबला वादक पंकज कुमार चौधरी के शिष्य, राजेंद्र सिंह नयाल और सुनील कुमार के शिष्यों द्वारा तबला वादन प्रस्तुत किया गया जिन शिष्यों ने तबला वादन प्रस्तुत किया उनके नाम है जितेंद्र कुमार, रुपेश कुमार, राजकुमार और गोकुल मंडोला इस कार्यक्रम में हारमोनियम पर लहरा दिया नेहा मुनगली ने। कार्यक्रम का संचालन गीता जोशी और आदित्य ने किया। इस कार्यक्रम के आयोजक पंकज कुमार चौधरी, रश्मि चौधरी एवं उनके मित्र अशोक कुमार पांडे, राघव पंत, राजेंद्र सिंह नयाल, सुनील कुमार और विशेष रूप से शारदा पब्लिक स्कूल के संस्थापक शेखर लखचौरा और प्रधानाचार्य विनीता लखचौरा रहे।

आशीष ने सैमसंग में 25 लाख रुपये के पैकेज पर नियुक्ति पाकर क्षेत्र का बढ़ाया मान

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। जौनसार-बावर के एक सुदूर गांव से निकलकर आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में पढ़ाई करने और फिर देश की अग्रणी टेक कंपनी सैमसंग में 25 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज पर चयनित होकर मूल रूप से चकराता तहसील के ग्राम बुरास्वा (खत बनगांव) निवासी आशीष रावत ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आशीष की यह सफलता वर्षों की मेहनत, अनुशासन और पारिवारिक त्याग का प्रतिफल है। आशीष की सफलता के पीछे उनकी माता रामकला रावत का त्याग विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

कविताओं में झलकी देशभक्ति

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अखिल भारतीय साहित्य परिषद नगर इकाई के तत्वावधान में प्रेमा जोशी के आवास पर एक भव्य काव्य

संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रेमा जोशी रहीं, जबकि अध्यक्षता डा. पुष्पलता जोशी (पुष्पांजलि) ने की। कार्यक्रम में कवियों एवं कवियत्रियों ने समसामयिक विषयों पर अपनी सशक्त और भावपूर्ण रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भव्य काव्य संध्या पर डा. भगवती पनेरू ने मां सरस्वती की वंदना के साथ शुरुआत करते हुए कहा, स्वर मंजरी वीणा वाहिनी, तुमको नमन, तुमको नमन...। बिपिन चंद्र पांडे ने पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी करते हुए कहा, सिंदूर बेकसूर का बेदर्द क्यों छीना, क्यों धर्म पूछ पूछ कर छलनी किया सीना...। डा. बीना मथेला ने शहीदों को समर्पित रचना में कहा, चिर निद्रा में सोना चाहता, शायद कभी उठ सकूं न मां...। अमृता पांडे ने हिमालयी संवेदना को शब्द देते हुए कहा, हिन्द के माथे पर चमकते हिमाल पर लिंखू तो दरकते पहाड़ पीछे छूट जाते हैं...। गोविंद कश्यप वीरा ने कटाक्ष किया सावित्री और सत्यवान के भारत तेरा बुरा हाल है, लड़ बैठी एक यमराज से एक के हाथ में छुपा छुरा है...। दीक्षिता पंत ने तकनीकी युग की स्थिति पर रचना सुनाते हुए कहा, वाह रे टेक्नोलॉजी क्या गजब ढा रही है...। इसके साथ ही भरत गुणवन्त ने कविता में भावनाओं को इस तरह पिरोया सीहायी की आखिरी बूंद तक लिखना चाहता हूं...। डा. पुष्पलता जोशी पुष्पांजलि ने मानव चेतना को जागृत करते हुए कहा, हे मानव अब तू जाग जाग...। कार्यक्रम का संचालन बिपिन चंद्र पांडे ने प्रभावशाली ढंग से किया। साहित्य प्रेमियों और आमंत्रित श्रोताओं ने कवियों की रचनाओं पर तालियों से स्वागत किया। कार्यक्रम में साहित्य के प्रति समर्पण, सामाजिक जागरूकता और रचनात्मक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

आईसीसी ने पंत को लगाई फटकार

हेडिंग्ले में बॉल नहीं बदलने पर अंपायर पर भड़के थे, नियम के उल्लघंन पर दिया एक डिमेरिट पाइंट

लीड्स, वार्ता। टीम इंडिया के उप कप्तान ऋषभ पंत को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने फटकार लगाई है। साथ ही एक डिमेरिट पाइंट भी दिया है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर है। वे हेडिंग्ले टेस्ट में तीसरे दिन बाल बदलने के लिए फील्ड अंपायर से भिड़ गए थे।

काउंसिल के मुताबिक पंत ने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 का उल्लंघन किया है और इसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पाइंट दिया गया है। पेनल्टी के तहत कोई आर्थिक जुर्माना नहीं लगाया गया है। पंत लिए यह 24 महीने की अवधि में पहला अपराध था। 24 महीने के भीतर 4 डिमेरिट पाइंट मिलने पर खिलाड़ी पर एक मैच का सस्पेंशन लग जाता है। पंत ने अपनी गलती मान ली है और आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच के रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा उन पर लगाई गई सजा को भी स्वीकार कर लिया है। मुकाबले के तीसरे दिन हुई थी घटना इंग्लिश पारी के 61वां ओवर मोहम्मद सिराज डालने आए। ओवर की तीसरी बाल की बाद बुमराह ने बाल को लेकर अंपायर से शिकायत की। अंपायर से गेंद को बाल चेकर (गेज) में डालकर जांचने को कहा। हालांकि, गेंद पास हो गई। इसके बाद ओवर की पांचवीं बाल पर हैरी ब्रूक ने आगे निकलकर चौका लगा दिया। इसके बाद पंत ने भी गेंद को लेकर दूसरे अंपायर से शिकायत की। गेंद एक बार फिर गेज टेस्ट में पास हो गई, लेकिन पंत इससे नाराज दिखे। उन्होंने गुस्से में गेंद को दूर फेंक दिया। गेज टेस्ट में बाल की साइज नापी जाती है। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पाइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है। लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। पंत पर 1 डिमेरिट पाइंट का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने में चार या ज्यादा डिमेरिट पाइंट जमा करता है, तो वे सस्पेंशन पाइंट में बदल जाते हैं, जिसके बाद खिलाड़ी पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 मैचों का बैन लग सकता है। डिमेरिट पाइंट 24 महीने तक रिकॉर्ड में रहते हैं।

ब्रुक ने प्रसिद्ध को उकसाया

● भारतीय पारी के दौरान कहा: क्या तुम्हें छक्का मारना आता है, अगली ही गेंद पर कैच आउट हुए कृष्णा

लीड्स, वार्ता। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स के हेडिंग्ले में मैच के दौरान की एक घटना काफी चर्चा में है। दरअसल, भारतीय पारी के दौरान इंग्लैंड के हैरी ब्रुक ने प्रसिद्ध कृष्णा को उकसाने की कोशिश की और इसमें वह कामयाब भी हो गए। भारत को आखिरी झटका प्रसिद्ध के रूप में लगा। वह खाता नहीं खोल सके। भारत की दूसरी पारी के 96वें ओवर में शोएब बशीर गेंदबाजी कर रहे थे। इस ओवर की पांचवीं गेंद पर स्लिप में खड़े हैरी ब्रुक ने प्रसिद्ध से कहा कि क्या आप लंबे-लंबे छक्के लगा सकते हैं? इस पर प्रसिद्ध मुस्कुराए और उन्होंने जवाब दिया कि अगर मुझे करना होता तो मैं ब्रूक कहलाता। इसके बाद अगली गेंद पर प्रसिद्ध ने बड़ी हिट लगाने की कोशिश की और डीप मिड विकेट में जोश टंग को कैच थमा बैठे।

ऋषभ पंत ने बैटिंग का स्टाइल बदला और इतिहास रचा

● कोच बोले: पहले हर बॉल पर आक्रामक होते थे, अब डिफेंसिव खेले बाहर जाती गेंदे छोड़ी

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शतक लगाया। वे एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने। पंत ने पहली पारी में 134 रन और दूसरी पारी में 118 रन बनाए। इंग्लैंड टेस्ट में उनके बल्ले से ऐसे ही रन नहीं निकले हैं। इसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत और बल्लेबाजी स्टाइल में किए बदलाव अहम वजह है। पंत के सोनेट क्लब में कोच रहे देवेंद्र शर्मा ने दैनिक भास्कर को बताया कि उन्होंने डिफेंस और ड्राइव पर काम किया। धैर्य से खेलने और शाट्स चयन पर काम किया देवेंद्र शर्मा ने दैनिक भास्कर को बताया कि ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद आईपीएल में उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे थे। वह काफी निराश थे। उनकी आलोचना की जा रही थी। पंत ने मुझसे से बात. चीत की। फिर हम दोनों ने रिव्यू किया और पाया कि कुछ चीजों पर काम करने की जरूरत है। सबसे पहले यह तय हुआ कि टेस्ट में उन्हें धैर्य से खेलना होगा और शाट सेलेक्शन पर काम करना होगा। बाहर जाती हुई गेंदों को छोड़ना होगा और अच्छे गेंद को सम्मान देना होगा। इसके लिए पंत ने रोजाना 2.30 से 3.00 घंटे प्रैक्टिस की। खुद को मानसिक रूप से भी इसके लिए तैयार किया। क पंत इंग्लैंड में पहली पारी से अपने नेचर के विपरीत खेलते नजर आए। वह शुरू से ही डिफेंसिव मोड में खेले। पहले वह हर बाल पर आक्रामक रहते थे, वहीं अब उन्होंने धैर्य रखना सीख लिया है और शाट सेलेक्शन में सावधानी बरती। ऐसा नहीं है कि पंत ने आक्रामक शैली को छोड़ दिया है, पर अच्छी गेंद को सम्मान देना शुरू कर दिया और खराब गेंदों पर शाट्स लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने डिफेंस और ड्राइव पर अच्छा काम किया है। यही कारण है कि दोनों ही पारियों में वह शतक लगाने में सफल रहे। कार एक्सीडेंट के बाद पंत खुद दोबारा क्रिकेट खेलने को लेकर डाउट में थे शर्मा बताते हैं कि 2022 के आखिरी दिन दिल्ली से रुड़की जाते हुए कार एक्सीडेंट में पंत को काफी चोटें आईं थी। उनके घुटने की लिगामेंट टूट गई। जब मैं उन्हें देहरादून में देखने गया, तो मुझे भी लगा कि अब क्रिकेट खेलना मुश्किल हो सकता है।

दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बने ऋषभ

● जो रूट ने टेस्ट में 210 कैच पूरे किए, इस मामले में रूट ने राहुल द्रविड़ की बराबरी की

लीड्स, वार्ता। भारत ने एंडरसन -तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का टारगेट दिया है। मैच के चौथे दिन भारतीय टीम दूसरी पारी में 364 रन पर आलआउट हो गई।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में स्टंप्स तक इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड जीत से 350 रन दूर है। ऋषभ पंत पहले भारतीय विकेटकीपर बने, जिन्होंने टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया। जो रूट ने टेस्ट में 210 कैच पूरे किए, उन्होंने इस मामले में राहुल द्रविड़ की बराबरी की। सुनील गावस्कर ने पंत को सेंचुरी के बाद जंप लगाने को कहा। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड में एक मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब ऋषभ पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

यह रिकॉर्ड उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटाफ (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, एजबेस्टन, 2005) और बेन स्टोक्स (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, लाड्र्स, 2023) के साथ साझा किया है। इन सभी ने इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच में 9-9 छक्के लगाए हैं। इस टेस्ट मैच में भारत की ओर से 5 अलग-अलग बल्लेबाजों ने शतक लगाए, जो भारतीय टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ है। यह टेस्ट क्रिकेट में छठी बार है, जब किसी टीम के पांच बल्लेबाजों ने एक ही टेस्ट में शतक लगाए हों। इसके साथ ही भारत दूसरी टीम बन गई है जिसने बाहर (विदेश में) खेलते हुए ऐसा कारनामा किया है। इससे पहले ऐसा केवल 1955 में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन में किया था। केएल राहुल ने करियर का 9वां शतक लगाया।

उन्होंने इंग्लैंड में अपनी तीसरी सेंचुरी लगाई। वे 137 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत पहले भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया। वे ओवरआल सातवें भारतीय हैं जिन्होंने ये कारनामा किया। पंत टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शतक लगाया। वे एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने। दुनिया में उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर ने किया है। फ्लावर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2001 में हरारे टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाया था। पंत ने पहली पारी में 134 रन और दूसरी पारी में 118 रन बनाए। टेस्ट मैच में किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अब ऋषभ पंत के नाम है। उन्होंने लीड्स टेस्ट में 134 और 118 रन की पारियां खेलकर कुल 252 रन बनाए।

खेल विशेष

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन हुआ

77 साल की उम्र में लंदन में ली आखिरी सांस, पहले टेस्ट में लिए थे 5 विकेट

लंदन, वार्ता। भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का लंदन में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया। वह 77 साल के थे। दिलीप दोशी के परिवार में पत्नी कालिंदी, बेटा नयन, और बेटी विशाखा है। दोशी उन नौ भारतीय क्रिकेटरों में से एक थे जिन्होंने अपने पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप ने भारत के लिए कुल 33 टेस्ट मैच खेले और 114 विकेट अपने नाम किए। इसमें छह बार पांच विकेट हाल भी उन्होंने लिए थे। भारत के लिए खेले 15 वनडे मैचों में उन्होंने 22 विकेट लिए। दिलीप ने सौराष्ट्र और बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेली। उन्होंने इंग्लैंड की वार्विकशर और नाटिंघमशर के लिए भी क्रिकेट खेला। 32 साल की उम्र में किया डेब्यू दोशी ने 32 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने 80 के दशक में चुपचाप से क्रिकेट को अलविदा कह दिया था क्योंकि वह उस समय भारतीय क्रिकेट के संचालन से नाराज थे। उन्होंने अपनी आटोबायोग्राफी भी लिखी है जिसका नाम 'स्पिन पंच' हैं। साल 1981 में मेलबर्न में खेले गए टेस्ट मैच में दिलीप ने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

केकमैनोविच को हराकर इवांस लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन के दूसरे दौर में

वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में खेल रहे इवांस ने केकमैनोविच को 3-6, 6-4 व 6-4 से हराया

लंदन, वार्ता। ब्रिटेन के डैन इवांस ने लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन में सार्बिया के मिओमिर केकमैनोविच को हराकर टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा।

वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में खेल रहे 35 वर्षीय खिलाड़ी इवांस ने सोमवार को दो घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में विश्व के 49वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केकमैनोविच को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली है। केकमैनोविच ने पहले सेट में दो बार इवांस की सर्विस तोड़ी, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में ब्रिटिश खिलाड़ी ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की और उसके बाद तीसरा गेम भी जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अगले दौर में इवांस का मुक. ाबला अमेरिकी दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टॉमी पॉल से होगा।

अगले डोमेस्टिक सीजन में मुंबई से नहीं खेलेंगे पृथ्वी शॉ

● मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांगा, एमसीए बोला- हम जल्द ही फैसला लेंगे

मुंबई, वार्ता। भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शा अगले डोमेस्टिक सीजन में मुंबई से नहीं खेलेंगे। 25 साल के शा ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से नो-आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मांगा है। शा पिछले कुछ समय से रेड बाल टीम से बाहर हैं।

एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि शा की ओर से एनओसी मांगने वाला एक लेटर मिला है। एमसीए सूत्र ने बताया, हां, हमें उनका एक लेटर मिला है और इसे मंजूरी के लिए शीर्ष परिषद को भेज दिया गया है और उम्मीद है कि शाम तक इस पर निर्णय ले लिया जाएगा। लेटर में शा ने लिखा कि वे मुंबई टीम में बिताए समय के लिए आभारी हैं, जिसके लिए उन्होंने 2017 में डेब्यू किया था, लेकिन अब वह आगे बढ़ना चाहते हैं। पृथ्वी शा का डोमेस्टिक क्रिकेट करियर शुरुआत से ही बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2017 में मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया और पहले ही मैच में शतक जड़ दिया। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उन्होंने लगातार अच्छे प्रदर्शन किए और 3000 से ज्यादा रन बना चुके हैं। टी-20 फार्मेट में भी उन्होंने मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेला है। शा ने डोमेस्टिक क्रिकेट में रणजी, दलीप और विजय हजारे तीनों ही प्रमुख टूर्नामेंटों में डेब्यू मैच में शतक लगाया। इसके अलावा वह 2018 में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम के कप्तान भी रहे। शा को 2021 से टीम इंडिया में मौका नहीं मिला 2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शा ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया। उन्होंने जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच वनडे के रूप खेला और तब से ही वह भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेल सके।

पाल्मेरास की इंटर मियामी फीफा क्लब विश्वकप के नॉकआउट चरण में जगह पक्की

● लुइस सुआरेज ने 65वें मिनट में गोल कर स्कोर दोगुना कर दिया

फ्लोरिडा, वार्ता। इंटर मियामी ने लियोनेल मेस्सी फीफा क्लब विश्वकप में पाल्मेरास के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर नॉकआउट चरण में जगह बना ली। इंटर मियामी ने सोमवार को खेले गये मुकाबले में पहले हॉफ में 16वें मिनट में टैडियो एलेंडे के गोल से पाल्मेरास पर शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद लुइस सुआरेज ने 65वें मिनट में गोलकर स्कोर दोगुना कर दिया, लेकिन मैच के अंतिम मिनटों में मियामी की ओर से दागे गये दो गोल के कारण मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। नॉकआउट चरण में इंटर मियामी का सामना यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा।

टी-ब्रेक तक इंग्लैंड का स्कोर 269/4

● रूट-स्टोक्स नाबाद, शार्दूल ने डकेट-ब्रुक के विकेट लिए, भारत ने 371 रन का टारगेट दिया

लीड्स, वार्ता। इंग्लैंड ने एंडरसन -तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट पर 269 रन बना लिए हैं। टीम को आखिरी सेशन में जीत के लिए 102 रन की जरूरत है। जो रूट और बेन स्टोक्स नाबाद हैं। शार्दूल ठाकुर ने बेन डकेट (149 रन) और हैरी ब्रूक (0) को कैच आउट कराया। प्रसिद्ध कृष्णा ने ओली पोप (8रन) और जैक क्राली (65 रन) के विकेट झटके। मंगलवार को लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे मुकाबले का आखिरी दिन है। इंग्लैंड ने 21/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया। भारत ने इंग्लिश टीम को 371 रन का टारगेट दिया है। पहली पारी में इंग्लैंड 465 और भारत 471 रन पर आलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी। 5वें दिन के दूसरे सेशन में भारतीय टीम ने वापसी की। टी-ब्रेक तक इंग्लैंड का स्कोर 269/4 है। इंग्लिश टीम को आखिरी सेशन में 102 रन बनाने हैं। जो रूट और बेन स्टोक्स की जोड़ी नाबाद है। 55वां ओवर डाल रहे शार्दूल ठाकुर ने लगातार दो बाल पर दो विकेट झटके। उन्होंने ओवर की तीसरी बाल पर बेन डकेट को सब्सिट्यूट नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच कराया। डकेट 149 रन बनाकर आउट हुए। ओवर की चौथी बाल पर हैरी ब्रूक को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। ब्रूक खाता भी नहीं खोल सके। शार्दूल ने इस ओवर में महज 3 रन खर्च किए। वे हैट्रिक पर थे, लेकिन बेन स्टोक्स ने 3 रन लेकर अपना खाता खोल लिया। 371 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 250 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। बेन डकेट शतक बनाकर खेल रहे हैं। 45वें ओवर में इंग्लैंड ने दूसरा विकेट भी गंवा दिया है। यहां ओली पोप 8 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर दिया। प्रसिद्ध ने अपने पिछले ओवर में जैक क्राली को आउट किया था। 43वें ओवर में इंग्लैंड ने पहला विकेट गंवाया। यहां जैक क्राली 65 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें केएल राहुल के हाथों कैच कराया। प्रसिद्ध ने इंग्लिश ओपनर्स की 188 रनों की साझेदारी को ब्रेक किया। इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। हालांकि, कुछ ही देर में बारिश बंद हो गई और मैच दोबारा शुरू हो गया। बेन डकेट ने टेस्ट क्रिकेट में छठा शतक पूरा कर लिया है।उन्होंने 40वां ओवर डाल रहे रवींद्र जडेजा की चौथी बाल पर चौका लगाकर सेंचुरी पूरी की। 39वें ओवर की आखिरी बाल पर बेन डकेट को जीवनदान मिला। बेन डकेट ने पुल शाट खेला लेकिन गेंद टाप-एज होकर हवा में गई। मिडविकेट पर खड़े यशस्वी जायसवाल दौड़कर गेंद तक पहुंचे और डाइव लगाई, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में भारत के खिलाफ 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। बेन डकेट ने 37वां ओवर डाल रहे जसप्रीत बुमराह की पहली बाल पर चौका लगाकर स्कोर 150 पार पहुंचाया।

अनाहत-चिनप्पा की जोड़ी एशियाई स्क्वैश चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

जोहोर, वार्ता। अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई स्क्वैश युगल चैंपियनशिप 2025 के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यहां एरिना एमास में खेले गए मुकाबले में अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस की जेमिका एरिबाडो और यवोन एलिसा डालिडा की जोड़ी को मात्र 12 मिनट में 2-0 (11-6, 11-3) से हराया। भारत की अन्य महिला युगल जोड़ी, पूजा अर्थी रघु और रथिका सीलन ने अपने पूल बी मैच में सिंगापुर की विक्की यू यिंग लाई और ग्रेसिया चुआ रुई एन को 2-0 (11-8, 11-9) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, वे अपना क्वार्टर फाइनल मैच मलेशिया की आइना और यी शिन यिंग से 2-0 (11-7,11-8) से हार गई और वे अब प्लेसमेंट राउंड में पांचवें से आठवें स्थान को लेकर स्पर्धा करेगी। पुरुष युगल वर्ग में गत चैंपियन अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में कोरिया गणराज्य के लमवु ली और जूयंग ना के खिलाफ 2-1 (10-11, 11-3, 11-5) से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, रवि व गुहान की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के चेउक नाम लाई और वैलोक टो के खिलाफ 2-0 (11-6, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा।

गाधारोणा में मेडिकल कैंप में चेकअप के बाद बिगड़ी हालत

दंपति की मौत, एक महिला गंभीर

❖परिवार में मचा कोहराम, अस्पताल प्रबंधन व चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। गाधारोणा गांव में मेडिकल कैंप लगा कर अस्पताल में भर्ती करने पर छह लोगों की हालत अचानक बिगड़ गई जिनमें पति-पत्नी की देहरादून में उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि एक बुजुर्ग महिला की हालत अभी भी चिंता जनक बनी हुई है। दोनों लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

लंढौरा पुलिस चौकी क्षेत्र के गाधारोणा में बीस जनवरी को रुड़की के एक निजी अस्पताल की ओर से गांव में कैंप लगा कर लोगों के स्वास्थ्य जांच की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि कैंप में 45 वर्षीय लोकेश कुमार अपनी 42 वर्षीय पत्नी सुमन देवी के साथ कैंप में स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे थे। इसके अलावा गांव की 70 वर्षीय सुखबीरी, 52 वर्षीय ब्रहमपाल, 70 वर्षीय जाहरु व 62 वर्षीय सेवाराम भी कैंप में जांच के लिए गए थे। संदीप, जितेंद्र, बिजेंद्र, इंद्रजीत आदि ग्रामीण का कहना है कि हल्की फुल्की शिकायत होने के बावजूद डॉक्टर ने इन सभी लोगों को रुड़की स्थित अस्पताल में भर्ती करने के बाद सभी का आयुष्मान कार्ड पर फ्री इलाज करने की बात कही थी। इस पर ये लोग रुड़की पहुंच कर अस्पताल में भर्ती हो गए। बताया गया है कि गुलकोज लगने के कुछ देर बाद सभी की हालत बिगड़ने लगी। सुमनदेवी उसके पति लोकेश की हालत नाजुक होने पर दंपति को उसी रात देहरादून स्थित इंद्रेश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जबकि बुजुर्ग सुखबीरी को ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया। बीते सोमवार की रात उपचार के दौरान सुमन देवी तथा मंगलवार को उसके पति लोकेश की मौत हो गई वहीं एम्स में भर्ती बुजुर्ग महिला की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में कैंप लगाने वाले डाक्टर ने अपने अस्पताल में केस खराब करने के बाद अपने यहां से रेफर किया है। अस्पताल में भर्ती होने वाले बिरमपाल, सेवाराम और जाहरु का कहना है कि वो लोग गांव में उपचार करा रहे हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों में रोष बना हुआ है। पीड़ित लोगों के परिवारों का कहना है कि मृतक पति-पत्नी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद गांव में कैंप लगाने वाले अस्पताल संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं दंपति की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

एक्सीडेंट में मृत घोषित किए गए परिजनों का हंगामा

सिविल अस्पताल के इमरजेंसी में तैनात डाक्टर से की गाली गलौज-मारपीट, कुर्सियां तोड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सिविल अस्पताल में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक्सीडेंट में मृत घोषित किए गए युवक के परिजनों ने इमरजेंसी वार्ड में जमकर हंगामा कर दिया।

आक्रोशित परिजन ने न केवल ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ गालीगलौज की, बल्कि मारपीट पर भी उतारू हो गया। इस दौरान कुर्सियां फेंककर हमला करने की कोशिश की गई, जिससे अस्पताल का माहौल तनावपूर्ण हो गया। हंगामे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बमुश्किल हालात काबू में किए। अस्पताल प्रशासन की ओर से आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम सिकंदरपुर निवासी हसरत पुत्र ताहिर रुड़की में एक निजी अस्पताल में मेडिकल की स्टडी कर रहा था। सोमवार शाम जब वह अस्पताल से घर लौट रहा था, तभी भगवानपुर टोल प्लाजा के पास उसकी टक्कर एक टेम्पो से हो गई। गंभीर रूप से घायल हसरत को आनन-फानन में रुड़की सिविल अस्पताल लाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जैसे ही मौत की सूचना परिजनों को मिली, वे सिविल अस्पताल पहुंचे, आरोप है कि संतोषजनक जवाब ना मिलने पर इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर से कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में हाथापाई में बदल गई। अस्पताल स्टाफ में इस घटना के बाद नाराजगी का माहौल बन गया। उक्त बाबत सिविल अस्पताल के सीएमएस एसके मिश्रा ने बताया कि मृतक युवक को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। लेकिन परिजन डॉक्टर से उलझ गए और मारपीट पर उतर आए। उन्होंने बताया कि डॉक्टर से बदसलूकी और हमले की कोशिश के मामले में पुलिस को तहरीर सौंप दी गई है। एसपी देहात शेखर सुयाल ने बताया कि अस्पताल में हुए हंगामे की जानकारी मिलने पर तुरंत टीम भेजी गई थी। मौके पर पहुंचकर हालात शांत किए गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। अस्पताल प्रशासन की ओर से एक तहरीर भी प्राप्त हुई है, जांच कर तथ्यों के आधार पर लीगल कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विधायक प्रदीप बत्रा बोले मेरा कोई प्रतिनिधि नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आज विधायक प्रदीप बत्रा के द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान में उनका कोई भी प्रतिनिधि नही है एवं 21.03.2022 को उनके द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी प्रतिनिधियों को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर दिया गया था। यदि किसी व्यक्ति विषेश के द्वारा स्वयं को तथाकथित विधायक प्रतिनिधि बताकर कोई भी कृत्य अथवा अपने वाहन आदि पर किसी प्रकार की नेम प्लेट, हुटर आदि लगाई जाती है। तो उसका वह स्वयं पूर्णत: जिम्मेदार होगा एवं पुलिस प्रशासन आदि से भी ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध उचित कार्यवाही किये जाने की अपेक्षा की जाती है। इसके अतिरिक्त मा0 विधायक जी के द्वारा यह भी कहा गया कि वह एक सेवक के रूप में रूड़की क्षेत्र की जनता की सेवा करने हेतु जनता के द्वारा जनप्रतिनिधि चुने गये है जो कानुन एवं प्रशासन का पूर्णत: सम्मान करते है तथा क्षेत्रीय जनता के जनहित कार्यो के लिए उनके कैम्प कार्यालय (सेवा केन्द्र) के कर्मचारीगण ही केवल जनहित के कार्य करते है इसके अतिरिक्त उनके द्वारा किसी भी अन्य व्यक्ति विषेश को अधिकृत नही किया गया है।

नवनियुक्त उप जिलाधिकारी ने भगवानपुर तहसील का किया निरीक्षण

पीड़ितों को इंसाफ दिलाना पहली प्राथमिकता : डीएस नेगी

❖कर्मचारियों की समस्याएं सुन पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। नवनियुक्त उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी भगवानपुर ने आज तहसील कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर उनके निस्तारण का आश्वासन देने के साथ कर्मचारियों से फरियादियों की भी समस्याओं को सुनकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए।

उप जिलाधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी को हाल ही मेंभगवानपुर एसडीएम का चार्ज सपना के साथ जब तक शासन द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की की नियुक्ति नहीं की जाती है तब तक जिलाधिकारी ने भगवानपुर एसडीएम देवेंद्र सिंह नेगी को होरुड़की एसडीएम का भी कार्यभार दिया गया है आज भगवानपुर एसडीएमदेवेंद्र सिंह नेगी नेचार संभालने के बाद तहसील का निरीक्षण कर वहां की सफाई व्यवस्था व अन्य कार्यालय के हालात देखें और समस्याओं को भी सुनाइस दौरान एसडीएम नेकर्मचारियों से कहा कि वह आप लोगों की समस्याओं के निस्तारण का पूरा प्रयास करेंगे साथ ही एसडीएम ने वहां मौजूद सभी अधनिस्थ अधिकारियों को साफ हिदायदि कि वह तहसील में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लें उनके निस्तान के लिए टार्वेट कार्रवाई करें उन्होंने कहा कि पीड़ितों को इंसाफ दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेंगीउन्होंने अपने तमाम अधीनस्थ अधिकारियों को साफ हिदा दी है कि वहअपने काम में तेजी लाएं अपने काम को ईमानदारी से करेंफरियादियों को इंसाफ दिलाई जो भी शिकायतें हैं मौके पर जाकर निस्तारण करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा किकोई भी पीड़ितयहां से मायूस होकर न लौटे पीड़ित को इंसाफ दिलाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। निरीक्षण के दौरान उपजिला अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी तहसील भगवानपुर के द्वारा तहसील का निरीक्षण किया गया एवं उपस्थित स्टाफ से समस्याओं के संबंध में जानकारी की गई एवं परिचय किया गया तथा कार्य को ईमानदारी से एवं समय एवं त्वरित गति से निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया किसी भी पटल सहायक पर अनावश्यक रूप से यदि प्रार्थना पत्र पत्रावली लंबित है पाई जाती है तो उसकी जिम्मेदारी निश्चित की जाएगी।

नशे में वाहन चला रहे छह आरोपी गिरफ्तार

लक्सर। पुलिस ने ऑपरेशन लगाम के तहत नशे की हालत में वाहन चला रहे छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही उनका वाहन भी सीज किया है। पुलिस इनके लाइसेंस निरस्त करने की तैयारी कर रही है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव रौथाण ने बताया कि रविवार देर रात नगर के अलग-अलग हिस्सों में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान नशे की हालत में वाहन चला रहे कुलदीप, आशु, अमित, बबलू, ललित और खड़क सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनका चालान कर वाहन को सीज किया है। इसके अलावा पुलिस ने दो आरोपियों का पुलिस एक्ट में चालान किया है

पुलिस ने दबोचा एक नशा तस्कर, प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा अभियान लगाम के तहत चेकिंग के दौरान अवैध नसीले इंजेक्शन व कैप्सूल के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लकसर ने जानकारी देते हुए बताया ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन व अभियान लगाम को सफल बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय एसएसपी हरिद्वार द्वारा नशा मुक्त करने के लिए अवैध मादक पदार्थों व नशा तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए ऑपरेशन लगाम ये तहत एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है अभियान के दृष्टिगत कोतवाली लक्सर द्वारा पुलिस टीमें गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा 23 जून 2025 को मुखबीर की सूचना पर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जेसे 90 इंजेक्शन व 180 कैप्सूल नशे के बरामद हुए हैं उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में रायसी पुलिस चौकी प्रभारी कमलकांत रतूड़ी कांस्टेबल महेंद्र सिंह अक्षय तोमर शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

बुग्गावाला पुलिस ने नकदी सहित दबोचे दो जुआरी

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। अवैध कार्यों को रोकने के लिए हरिद्वार पुलिस लगातार कानून की लगाम कस रही है। ऑपरेशन लगाम के तहत पुलिस टीम ने जंगल में छापामार कार्यवाही की है। छापेमारी में 02 जुआरी दबोचे गये हैं। उन पर जुआ अधिनियम में मुकदमा किया गया है। कब्जे से पचास हजार से ज्यादा नगदी और ताश के पत्ते बरामद की है। जानकारी के अनुसार ऑपरेशन लगाम के तहत अवैध कार्यो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए थाना बुग्गावाला पुलिस ने गोपनीय सूचना पर दिनांक- 23.06.25 को ग्राम रसूलपुर के ग्रांउड के पास जंगल में औचक दबिश देकर 02 व्यक्तियों को रंगे हाथ जुआ खेलते पकड़ा।

लापता महिला और युवक का नहीं लगा सुराग

लक्सर। कोतवाली क्षेत्र से संदिग्ध परिस्थिति में लापता महिला और युवक का काफी तलाश करने के बावजूद पता नहीं लग सका। पुलिस ने गुमशुदगी के दोनों मामलों को अपहरण की धाराओं में परिवर्तित कर नये सिरे से लापता महिला और युवक की तलाश शुरू कर दी है। लक्सर नगर निवासी महिला अनिता 16 अप्रैल को घर से किसी काम से पुरकाजी जाने के लिए निकली थी लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं आई। महिला के पुत्र शिवम ने लक्सर कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। वहीं, कोतवाली क्षेत्र निवासी पवन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनका बेटा शुभम 25 जनवरी को बिना बताए घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं आया। दोनों मामलों में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस लापता महिला और युवक की तलाश कर रही थी लेकिन अब तक दोनों का पता नहीं लग सका। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि महिला और युवक की गुमशुदगी के मामलों को अपहरण की धाराओं में परिवर्तित कर लिया गया है। नये सिरे से उनकी तलाश शुरू की जा रही है।

दो दिन रद रहेगी हरिद्वार व अमृतसर एक्सप्रेस ट्रेन

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। अगले कुछ दिनों में पंजाब की ओर रेलयात्रा की योजना बना रहे हैं तो पहले जानकारी कर लें। रेलवे के फिरोजपुर मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते एक ट्रेन रद्द करने के साथ ही 16 ट्रेनों को मार्ग परिवर्तित कर चलाया जाएगा। चार ट्रेनों को नियंत्रित कर चलाया जाएगा। इनमें लक्सर से होकर गुजरने वाली ट्रेनें शामिल हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि फिरोजपुर मंडल के साहनेवाल - अमृतसर रेलखंड पर 26 जून से 11 जुलाई तक प्री नॉन इंटरलॉकिंग और 12 से 14 जुलाई तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 19 दिनों तक इस रूट पर ट्रेनों का आवागमन प्रभावित होगा। इनमें मुरादाबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों से गुजरने वाली हरिद्वार - अमृतसर एक्सप्रेस ट्रेन 13 और 14 जुलाई को रद्द की गई है। अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस को 60 मिनट, अमृतसर - जयनगर एक्सप्रेस 25 मिनट, अमृतसर - गोरखपुर 40 मिनट और अमृतसर जयनगर एक्सप्रेस को 45 मिनट नियंत्रित कर चलाया जाएगा। जबकि इस दौरान अलग - अलग तारीखों में अमृतसर न्यूजलपाईगुड़ी 1 फेरा, अमृतसर-जयनगर एक्सप्रेस 8 फेरे, अमृतसर- टाटानगर 2 फेरे, अमृतसर- जयनगर 8 फेरे, अमृतसर- गोरखपुर, अमृतसर - कानपुर और सहरसा अमृतसर एक्सप्रेस को 1-1 फेरा अमृतसर से वाया बैंस रेलवे स्टेशन और जयनगर-अमृतसर 10 फेरे, कोलकाता -अमृतसर 3 फेरे, न्यूजलपाईगुड़ी -अमृतसर 2 फेरे, जयनगर-अमृतसर 3 फेरे, न्यूजलपाईगुड़ी-अमृतसर 1 फेरा, कोलकाता-अमृतसर 2 फेरे, होंगे।

रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष के भाई से मारपीट का आरोप, पुलिस से नोकझोंक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष ने अपने भाई से मारपीट का आरोप गांव के एक व्यक्ति पर लगाया। वहीं कोतवाली पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष पुलिस से उलझ बैठे। वहीं पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में भी लिया है।

बताया गया है कि रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष परवेज सुल्तान का भाई नावेद रामपुर में मस्जिद के सामने जेसीबी लगा कर नाला सफाई कर रहा था। तभी किसी बात पर वहां एक दुकानदार हारून की नावेद से कुछ कहासुनी हो गई। आरोप है कि हारून ने नावेद के साथ मारपीट कर दी। वहीं मामले की सूचना पाकर नगर पंचायत अध्यक्ष परवेज सुल्तान गंगनहर कोतवाली पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। इतना ही नहीं पुलिस से वह और उनके समर्थक उलझने लगे। पुलिस ने उनके एक समर्थक को हिरासत में लिया तो वह कोतवाली परिसर में धरने पर बैठ गए। पुलिस कर्मियों के समझाने के बाद वह अपने भाई से मारपीट के मामले में तहरीर देकर थाने से चले गए। वहीं पुलिस ने मारपीट करने वाले युवक को हिरासत में लिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक दूसरे पक्ष के लोग भी कोतवाली पहुंचे थे और उन्होंने भी नगर पंचायत अध्यक्ष और उनके भाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। वहीं पुलिस तहरीर के आधार पर जांच में जुटी है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को खंभे से बांधकर पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भिक्कमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव में प्रेमिका से मिलने आए युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर खंभे से बांध दिया और लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि घटना के बाद युवक और युवती ने कोर्ट मैरिज कर ली। मंगलवार को प्रेमी के परिजन भिक्कमपुर पुलिस चौकी पहुंचे और उसके साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के एक गांव निवासी युवक का प्रेम-प्रसंग भिक्कमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से चल रहा था। दोनों फोन पर बातें करने के साथ-साथ मिलते रहते थे। बताया जा रहा है कि युवक, युवती से मिलने के लिए कभी-कभी उसके गांव भी आता रहता था। इस दौरान दोनों के बीच चल रहे प्रेम प्रसंग की जानकारी प्रेमिका के गांव वालों को हुई। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह पूर्व युवक लड़की के गांव आया। इसी दौरान प्रेमी के आने की खबर प्रेमिका के साथ-साथ उसके गांव वालों को भी हो गई। प्रेमी जैसे ही प्रेमिका से मिलने के लिए उसके गांव पहुंचा तो कुछ लोगों ने प्रेमी को पकड़ लिया। इस दौरान लोगों ने प्रेमी को एक खंभे में रस्सी से बांधकर लाठी-डंडों से उसकी पिटाई की। ग्रामीणों ने युवक की पिटाई करते हुए वीडियो भी बनाया। प्रेमी ने चीखते चिल्लाते हुए आगे से गांव में नहीं आने की बात कही। उसके बाद लोगों ने उसे छोड़ दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद प्रेमी-प्रेमिका ने कोर्ट मैरिज कर ली है। मंगलवार को प्रेमी के परिजन भिक्कमपुर पुलिस चौकी पहुंचे और प्रेमी के साथ मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भिक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नवीन चौहान ने बताया कि मामला संज्ञान में है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सुल्तानपुर के वरीस ठेकेदार का ऑडियो वायरल

लोगों में आक्रोश, किया पुतला दहन

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर/सुल्तानपुर। काठा पीर मेला से जुड़े ठेकेदार वरिस अहमद का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसमें वे सुल्तानपुर के लोगों को कथित तौर पर गालियां देते हुए सुनाई दे रहे हैं। इस घटना ने नगरवासियों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है, जिसके परिणाम स्वरूप वरिस अहमद का पुतला दहन किया गया और शासन-प्रशासन से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। वायरल ऑडियो में, वारिस अहमद को सुल्तानपुर के लोगों के प्रति अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए सुना जा सकता है। यह ऑडियो क्लिप कुछ ही समय में पूरे शहर में आज की तरह फैल गई, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। जिसके बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने वरिस अहमद का पुतला फूंका और उनके खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने वरिस ठेकेदार के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

उधर इस प्रकरण में वरीस ठेकेदार का कहना है कि उनकी आवाज को काट छांट कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए बदला गया है यह उनकी आवाज नहीं है उन्हें बदनाम करने की साजिश है। वह अपने साथियों व गकस्बे वासियों को अपशब्द क्यों कहेंगे ना ही वह ऐसा कभी कर सकते हैं।

ग्राम प्रधान पर विकास कार्यों में धांधली के आरोपों की जांच को पहुंची प्रशासनिक टीम

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। शिकापुर में ग्राम प्रधान पर विकास कार्यों में धांधली के आरोपों की जांच को लेकर गठित टीम मंगलवार को जांच के लिए पहुंची। जांच टीम ने शिकायतकर्ता और ग्राम प्रधान सहित अन्य लोगों को मौके पर बुलाकर सभी दस्तावेजों की जांच की। टीम अब जांच आख्या सीडीओ को भेजेगी, उसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई होगी।

शिकारपुर निवासी विकास कुमार ने सीडीओ को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान पर गांव में निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर धांधली बरतने का आरोप लगाया था। आरोप था कि ज्यादातर सड़कों और नालों को बनाए बिना ही कागजों में दर्शा कर पैसा बंदरबाट किया गया है। यह भी आरोप था कि मनरेगा में ऐसा लोगों के नाम भी शामिल किए गए है जो लोग काफी समय से विदेश में रह रहे हैं। शिकायत करता का आरोप था कि धांधली की शिकायत करने के बाद ग्राम प्रधान ने कई निर्माण कार्यों को बाद में रात भी कराया है। जिनकी वीडियो शिकायत करता ने बना रखी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ ने टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए थे। मंगलवार को डीआरडीओ के नेतृत्व में जिला अभियंता मनरेगा इंद्रजीत कि चौहान, सहायक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण अनिल जैन ने गांव पहुंच कर मामले की जांच की। इस दौरान शिकायत कर्ता और ग्रामीणों से इस संबंध में बात की। उधर ग्राम प्रधान शाकिरा का कहना है कि कुछ लोग गांव में अपनी राजनीति चमकाने के लिए उन पर निराधार आरोप लगा रहे है। ग्राम प्रधान का कहना है कि सभी निर्माण कार्य नियमित रूप से किए गए है।

सम्पादकीय

बुधवार, 25 जून 2025

सीजफायर पर संशय

मंगलवार की सुबह एक अच्छी खबर आई। जिसमें ईरान व इजरायल के बीच छिड़े संघर्ष में 12वें दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह घोषणा की कि दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया और यह मंगलवार की सुबह से लागू हो गया। हालांकि इस बीच ऐसी भी खबरें आई जिसमें दोनों देशों द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन करने की बात सामने आई, लेकिन कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में आती दिखाई दी। अब देखना यह है कि सीजफायर कब तक चलता है, क्योंकि ईरान व इजरायल के बीच अविश्वास की बहुत बड़ी कमी है और किसी की तरफ से जरा सी चूक सीजफायर को तोड़ने का कारण बन सकती है। सीजफायर के बाद अब यह कयास भी लगने शुरू हो गए हैं कि इस जंग में कौन जीता कौन हारा। सच तो यह है कि इस जंग ने कई मिथक को तोड़ा है। नुकसान-फायदे एक तरफ रखते हुए यह बात अब दावे के साथ कही जा सकती है कि इजरायल की साख इस संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित हुई है। ईरान की मिसाइलों को इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम रोकने में जहां नाकाम रहे, वहीं इजरायल भी ईरान के परमाणु संयंत्रों को निशाना बनाने के बाद भी आश्वस्त दिखाई नहीं देता कि उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोक दिया है। इजरायल ही नहीं बल्कि अमेरिका भी जिसने 22 जून को ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर हमला किया, जिसमें उसने बी/2 विमानों तक का प्रयोग किया वह भी आश्वस्त नहीं है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान पहुंचा चुका है। यह बात अलग है कि वह यह दावा कर रहा है कि उसका हमला सफल रहा, लेकिन वहां परमाणु रिएक्टर विकिरण के कोई संकेत नहीं मिले। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उसके परमाणु ठिकानों को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा। इस सीजफायर को इजरायल व ईरान दोनों ही अपने-अपने नजरिये से देख रहे हैं। अब दोनों ही अपने आपको विजयी मुद्रा में बता रहे हैं। अब किसका कितना नुकसान है यह तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा, लेकिन जैसाकि हमने कहा कि ईरान ने इजरायल को इस युद्ध में जबरदस्त टक्कर दी, जिसको अपनी वायु सुरक्षा प्रणाली पर गुमान था वह कई बार असहाय दिखाई दिया। अमेरिका और पश्चिमी देश मिलकर भी इजरायल की साख नहीं बचा पाएगा। जहां तक बात ईरान की है, सीजफायर के बाद भी ईरान का वही नजरिया दिखाई दे रहा है। जो वह पहले कहता रहा है। ईरान ने कहा है कि वह झुका है ना झुकेगा। कभी किसी के सामने सरेंडर नहीं करेगा और यदि उस पर हमला होता है, तो उसका मुंहतोड़ जवाब देगा और सबसे बड़ी बात जो ईरान की तरफ से देखने में आई है वह यह कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेगा। जबकि सारे झगड़े की जड़ भी उसका परमाणु कार्यक्रम ही है। ईरान और अमेरिका खुलकर यह बात कह चुके हैं कि वह किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। ऐसे में देखना होगा कि यह सीजफायर कितना टिकाऊ रह पाता है। यूं भी अभी सीजफायर ही हुआ है अभी आगे किसी तरह की कोई वार्ता नहीं हुई है। असली पता तभी चलेगा जब दोनों पक्षों में वार्ता होगी।

राज्यसभा सचिवालय से कोई ई-मेल नहीं मिला

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव को कथित घृणास्पद भाषण मामले में राज्यसभा सचिवालय से ऐसा कोई ईमेल नहीं मिला है, जिसमें पुष्टि की गई हो कि पिछले छह महीनों के दौरान उनके आधिकारिक ईमेल पर तीन बार नोटिस भेजा गया है, इस संबंध में नोटिस 13 दिसम्बर 2024 को प्रस्तुत किया गया था, मैंने सभापति धनखड़ से कई बार मुलाकात की है, लेकिन उन्होंने न्यायमूर्ति यादव को हटाने के नोटिस पर मेरे हस्ताक्षरों के सत्यापन का मुद्दा कभी नहीं उठाया, जबकि पूरी प्रक्रिया का प्रस्तुतकर्ता और आरंभकर्ता मैं ही हूं, शेखर यादव को हटाने के लिए 55 सांसदों ने प्रस्ताव के नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन उनमें से एक सदस्य सरफराज अहमद के हस्ताक्षर नोटिस पर दो बार हैं।

-कपिल सिब्बल, वरिष्ठ अधिवकता

नशीली दवाओं के विरुद्ध महत्वकांक्षी युद्ध

ललित गर्ग

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है।

साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमजोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिए नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिए दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- जंजीरों को तोड़ना सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति। यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया नशीले पदार्थों की राजनीति के युग से गुजर रही है। इसलिए भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिए यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है।

इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसम्बर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियां पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरूपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है।

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान-जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किए हैं, नई-नई योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषत: पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड़ रही है, देर आए दुरस्त आए की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ड्रग्स-फ्री इंडिया अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नए तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है।

मध्य प्रदेश में उठाएं समुद्री बीच का मजा

हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं। हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का शमिनी गोवाश भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं। हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

...साभार प्रभ.

ग्लूटेन इंटॉलरेंस पर रोटी खाने से भी करना पड़ता है परहेज

अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान में सुधार करना बेहद जरूरी होता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक सभी लोगों को आहार में पौष्टिक चीजें, नट्स-सीड्स और साबुत अनाज को भरपूर मात्रा में शामिल करना चाहिए। भारतीय भोजन साबुत अनाज और चावल-रोटी आम अनाज है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ लोगों को इस तरह के आम दैनिक चीजों के सेवन से भी समस्या हो सकती हैं। विशेषतौर पर जिन खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन की मात्रा पाई जाती है, वहीं इसका सेवन करने से शरीर के लिए समस्या बढ़ाने वाली हो सकती है। इस स्थिति को मेडिकल भाषा में ग्लूटेन इंटॉलरेंस कहा जाता है।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस एक ऐसी स्वास्थ्य स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को ग्लूटेन नामक प्रोटीन को पचाने में परेशानी होती है। यह प्रोटीन मुख्यतरू गेहूं, जौ और राई जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। इसलिए ऐसे व्यक्तियों को ब्रेड, पास्ता, रोटी-पराठा और बिस्किट जैसी चीजें खाने से भी परहेज करना पड़ता है।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस और इसके मामले

आंकड़ों पर नजर डालें, तो पता चलता है कि भारत में करीब अनुमानत: 6 से 8 मिलियन लोग सीलिएक डिजीज से पीड़ित है, जोकि ग्लूटेन इंटॉलरेंस का एक रूप है। ऐसे में अगर आप ग्लूटेन वाली चीजों का सेवन करते हैं, तो आपको बार-बार पेट में सूजन, गैस बनना, डायरिया, कब्ज, पेट में दर्द, थकावट, कमजोरी और स्किन पर चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वहीं कुछ लोगों को बिना सीलिएक डिजीज के बिना भी ग्लूटेन वाली चीजों से एलर्जी हो सकती है।

क्यों होता है ग्लूटेन इंटॉलरेंस

विशेष रूप से ग्लूटेन इंटॉलरेंस, नॉन-सीलिएक ग्लूटेन सेंसिटिविटी एक ऐसी स्थिति है। जिसमें शरीर ग्लूटेन के प्रति असामान्य प्रतिक्रिया करता है। हालांकि यह क्यों होता है, इसके सटीक वजहों को पूरी तरह से नहीं समझा जा सका है। लेकिन एक्सपर्ट की मानें तो पर्यावरणीय कारक, गट माइक्रोबायोम और आनुवंशिकता सहित कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।

कुछ शोध बताते हैं कि ग्लूटेन इंटॉलरेंस गेहूं और अन्य ग्लूटेन युक्त अनाज में कुछ कार्बोहाइड्रेट को पचाने में समस्या के कारण भी हो सकती है। यह कार्बोहाइड्रेट आंत में किण्वित होने लगती हैं, जिसके कारण गैस, सूजन और पेट दर्द जैसे लक्षण हो सकते हैं।

आप तो नहीं हैं इसका शिकार

कहीं आप भी ग्लूटेन इंटॉलरेंस नहीं हैं, इसका पता लगाने के लिए कुछ खास लक्षणों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अगर आपको सामान्य खाना जैसे गेंहू या जौं से बनी चीजें खाने के बाद पेट में दर्द, दस्त या कब्ज, गैस और सिरदर्द की समस्या हो जाती है, तो सावधान हो जाना चाहिए। वहीं कुछ लोगों को इन चीजों को खाने से स्किन पर लाल चकत्ते हो सकते हैं। अगर अक्सर खाना खाने के बाद आपको यह समस्या हो रही हैं, तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस के उपाय

बता दें कि सीलिएक डिजीज का पता लगाने के लिए सीरोलॉजिकल टेस्ट या फिर आंतों की स्थिति का पता लगाने के लिए कुछ टेस्ट किए जाते हैं। जिससे पता चलता है कि आपको यह समस्या क्यों हो रही है। ऐसे में अगर आपको ग्लूटेन इंटॉलरेंस की समस्या होती है तो आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। हालांकि इस समस्या के लिए कोई दवा नहीं है, सिर्फ ग्लूटेन फ्री डाइट से दूरी बनाना ही बचाव का उपाय है। इस समस्या वाले लोगों को गेहूं, जौ, राई और इनसे बने उत्पादों से परहेज करने की सलाह दी जाती है। ग्लूटेन इंटॉलरेंस वाले लोगों के लिए चावल, मक्का, बाजरा, ज्वार और कुट्टू जैसे विकल्प अच्छे हो सकते हैं। लेकिन इसके बारे में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

क्या है ग्लूटेन कैसे करता है काम

ग्लूटेन एक प्रोटीन है जो गेहूं, जौ और राई जैसे अनाजों में पाया जाता है। यह खाद्य पदार्थों को उनकी बनावट और आकार देने में मदद करता है। कुछ लोगों को ग्लूटेन से एलर्जी या संवेदनशीलता हो सकती है, जिसके कारण सीलिएक रोग या गैर-सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ग्लूटेन क्या है?

ग्लूटेन प्रोटीन का एक संयोजन है जो प्राकृतिक रूप से गेहूं, जौ और राई में पाया जाता है। यह इन अनाजों से बने खाद्य पदार्थों को एक साथ बांधने और उन्हें एक विशिष्ट बनावट देने में मदद करता है। ग्लूटेन ब्रेड, पास्ता, और अन्य बेक्ड वस्तुओं को उनका आकार और लचीलापन देता है।

ग्लूटेन से संबंधित समस्याएं

सीलिएक रोग- यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है जिसमें ग्लूटेन के सेवन से छोटी आंत को नुकसान होता है।

गैर-सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता-यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें ग्लूटेन के सेवन से पेट दर्द, सूजन, थकान और अन्य लक्षण हो सकते हैं।

ग्लूटेन मुक्त आहार- कुछ लोग ग्लूटेन से संबंधित समस्याओं से बचने के लिए ग्लूटेन मुक्त आहार का पालन करते हैं। ग्लूटेन मुक्त आहार में, वे खाद्य पदार्थों से परहेज करते हैं जिनमें ग्लूटेन होता है, जैसे कि गेहूं, जौ और राई से बने उत्पाद। इसके बजाय, वे चावल, मक्का, क्विनोआ, और अन्य ग्लूटेन मुक्त अनाज और खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं।

ग्लूटेन मुक्त आहार के संभावित लाभ- सीलिएक रोग और गैर-सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता वाले लोगों के लिए लक्षणों से राहत।

...साभार प्रभ.

ट्रम्प की नोबेल की हसरतें रह गईं अधूरी

यूक्रेनी सांसद और पाकिस्तान ने भी दिखाई पीठ

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 'नोबेल पीस प्राइज' के लिए नामित करने वाले यूक्रेनी सांसद ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। यूक्रेन की संसदीय विदेश समिति के प्रमुख ओलेक्सांद्र मेरेज़्को ने मंगलवार को न्यूजवीक से कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच सीजफायर सुनिश्चित करने की उनकी क्षमता में किसी भी प्रकार का विश्वास और आस्था खो दी है।

मेरेज़्को ने कहा कि हाल के सप्ताहों में यूक्रेनी राजधानी पर बड़े पैमाने पर हुए हमलों पर ट्रम्प की कोई प्रतिक्रिया नहीं थी। उन्होंने तुष्टिकरण का रास्ता चुना है। ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध को मात्र 24 घंटे में खत्म कराने का वादा किया था। मगर, रूस ने हाल के हफ्तों में यूक्रेन पर विनाशकारी हमले जारी रखे हैं। इतना ही नहीं सीजफायर समझौते पर पहुंचने की कोशिशें भी थमी हुई हैं। इतना ही नहीं ईरान के 3 प्रमुख परमाणु केंद्रों फोर्दो, इस्फहान और नतांज पर अमेरिका द्वारा हाल ही में किए गए हमलों के बाद पाकिस्तान के भी सुर बदले हैं। पाकिस्तान में राजनीतिक हलकों और प्रमुख हस्तियों के बीच राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कई नेताओं ने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। पाकिस्तानी सरकार ने एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कहा था कि वह भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान शांति प्रयासों के मद्देनज़र ट्रम्प को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करेगी। विदेश मंत्री इशाक डार के साइन वाला अनुशंसा-पत्र नोबेल समिति को भेजा जा चुका है। हालांकि अमेरिकी हमलों के बाद इस फैसले पर कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प का शांति का दावा अब झूठा साबित हो चुका है। सरकार को नोबेल नामांकन की सिफारिश तत्काल वापस लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी नेतृत्व ट्रम्प की सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से हालिया मुलाकात और डिनर से अत्यधिक प्रभावित होकर यह फैसला ले बैठा। फजल ने सवाल उठाया, जो नेता फलस्तीन, सीरिया, लेबनान और अब ईरान पर इजरायल समर्थित हमलों का समर्थन करता हो, वह शांति का प्रतीक कैसे हो सकता है? पूर्व सीनेटर और विदेश नीति विश्लेषक मुशाहिद हुसैन सैयद ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ट्रम्प अब संभावित शांतिदूत नहीं, बल्कि युद्ध भड़काने वाले बन गए हैं। सरकार को इस अनुशंसा को तत्काल रद्द कर देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया था कि ट्रम्प इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और युद्ध लॉबी के प्रभाव में आकर अपने कार्यकाल की सबसे बड़ी भूल कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसद अली मुहम्मद खान ने भी एक्स पर पुनर्विचार करें लिखते हुए अमेरिकी हमलों और गाजा में इजरायल द्वारा जारी हिंसा को लेकर अमेरिका की भूमिका की आलोचना की। पीटीआई ने इन हमलों को बिना उकसावे के आक्रामक कार्रवाई बताया और ईरान की संप्रभुता के समर्थन में आवाज उठाई।

- ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध को मात्र 24 घंटे में खत्म कराने का वादा किया था
- कई नेताओं ने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है
- विदेश मंत्री इशाक डार के साइन वाला अनुशंसा-पत्र नोबेल समिति को भेजा जा चुका है

गाजा: राशन लाइन पर एयरस्ट्राइक, 25 की मौत

फलस्तीनियों ने इजरायली सेना पर लगाया आरोप

- इजरायली सेना टैंक और ड्रोन्स से लोगों पर गोलीबारी कर रही थी

गाजा। गाजा में राशन भरे ट्रकों का इंतजार कर रहे लोगों पर हुई गोलीबारी में 25 फलस्तीनियों की मौत हो गई। चश्मदीदों और अस्पतालों ने आरोप लगाया है कि ये गोलीबारी इजरायली सेना की तरफ से की गई। हालांकि इजरायली सेना ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अर्बन नुसीरत शरणार्थी कैंप में स्थित अवदा अस्पताल ने बयान जारी कर बताया कि फलस्तीनी नागरिक वादी गाजा के दक्षिण में सलाह ए दीन रोड पर राशन के ट्रकों का इंतजार कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक गवाह ने बताया कि जब लोगों ने ट्रकों की तरफ बढ़ना शुरू किया तो इजरायली सेना ने लोगों पर गोलीबारी कर दी। एक व्यक्ति ने बताया कि यह नरसंहार था। इजरायली सेना टैंक और ड्रोन्स से लोगों पर गोलीबारी कर रही थी। कई लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अन्य गवाह ने बताया कि लोगों की भीड़ के ऊपर ड्रोन्स उड़ रहे थे और लोगों पर नजर रख रहे थे। जैसे ही लोगों ने ट्रकों की तरफ बढ़ना शुरू किया तो टैंक और ड्रोन्स से गोलियां चलने लगीं। वह बेहद भयावह मंजर था। अवदा अस्पताल ने बताया है कि 146 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 62 की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायलों को दूसरे अस्पतालों में भिजवाया गया है। मध्य गाजा के दीर ए बलाह में स्थित अल-अक्सा अस्पताल में छह लोगों के शव पहुंचे हैं।

गाजा में दूरसंचार सेवा ईंधन की कमी से फिर से बंद हो सकती है: संयुक्त राष्ट्र

गाजा सिटी। गाजा में कई दिनों से बंद महत्वपूर्ण दूरसंचार को मरम्मत के बाद चालू कर दिया गया है , लेकिन ईंधन की कमी के कारण यह फिर से बंद हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र (संरा) के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को चेतावनी दी। ओसीएचए ने कहा कि सप्ताहांत में, क्षतिग्रस्त फाइबर केबल की मरम्मत के बाद गाजा में दूरसंचार बहाल कर दिया गया। आपातकालीन राहत के समन्वय और जीवन बचाने के लिए आवश्यक मानवीय टीमों के पास 24 घंटे से अधिक समय तक अपेक्षाकृत स्थिर कनेक्टिविटी रही है।

ट्रम्प प्रशासन को संघीय न्यायालय से लगा बड़ा झटका

हार्वर्ड विवि में विदेशी छात्रों का प्रवेश बंद करने से दूसरी बार रोका

- इससे पहले शुक्रवार को भी संघीय न्यायाधीश ने पहली बार निषेधाज्ञा जारी की थी

वाशिंगटन। हार्वर्ड विवि और ट्रम्प प्रशासन के बीच चल रहे विवाद के बीच संघीय न्यायालय ने बड़ा आदेश दिया है। संघीय न्यायाधीश ने ट्रम्प प्रशासन के विदेशी छात्रों को हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रवेश बंद करने के आदेश पर दूसरी बार रोक लगा दी है।

बोस्टन में अमेरिकी जिला न्यायाधीश एलिसन बरो ने अपने आदेश में कहा कि मामले के निपटारे तक विदेशी छात्रों के हार्वर्ड में अध्ययन के लिए अमेरिका आने की सुविधा को बरकरार रखा जाएगा। यह फैसला हार्वर्ड के लिए एक और कानूनी जीत है, जो हाल के महीनों में व्हाइट हाउस की कई नीतियों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। इससे पहले शुक्रवार को भी संघीय न्यायाधीश ने पहली बार निषेधाज्ञा जारी की थी। इसमें भी ट्रम्प प्रशासन के आदेश पर रोक लगाई गई थी। इस साल मई में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के खिलाफ केस दर्ज किया था। यह विभाग विदेशी छात्रों को वीजा देने की अनुमति देता है। विभाग ने हार्वर्ड की वीजा अनुमति रद्द कर दी थी, जिससे करीब 7,000 विदेशी छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया था। मामले में छात्रों को या तो यूनिवर्सिटी छोड़नी पड़ती या अमेरिका में उनका कानूनी दर्जा खत्म हो जाता।

इसके बाद जून में ट्रम्प प्रशासन ने एक बार फिर विदेशी छात्रों के हार्वर्ड में दाखिले पर रोक लगाने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने इस पर भी अस्थाई रोक लगा दी। ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंताओं का हवाला देते हुए हार्वर्ड में पढ़ने के लिए विदेशी छात्रों को अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने का कदम उठाया। इससे पहले, अमेरिकी सरकार के होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स में हार्वर्ड के विदेशी छात्रों को पढ़ाने की अनुमति भी रद्द करने की कोशिश की थी।

ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड का +2.6 अरब डालर का रिसर्च फंड काट दिया। सरकारी कान्ट्रैक्ट रद्द किए, यूनिवर्सिटी की टैक्स छूट खत्म करने की धमकी दी, और अप्रैल में हार्वर्ड से विदेशी छात्रों से जुड़े दस्तावेज भी मांगे। इसके बाद जब ट्रम्प सरकार को हार्वर्ड की तरफ से मिली जानकारी पर्याप्त नहीं लगी, तो 22 मई को यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट और एक्सचेंज विज़िटर प्रोग्राम सर्टिफिकेशन रद्द कर दिया गया। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बीच लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि हार्वर्ड बहुत ज्यादा लिबरल हो गया है और यह यहूदी-विरोधी व्यवहार को नजरअंदाज करता है।

एनएसए डोभाल की चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात

- बोले: आतंकवाद का मुकाबला करना जरूरी डोभाल ने कहा: सीमा पर शांति बनाए रखना जरूरी

बीजिंग। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बीजिंग में चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग ई से मुलाकात की। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सुरक्षा सलाहकारों की 20वीं बैठक के मौके पर हुई। इस दौरान डोभाल ने साफ तौर पर कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए आतंकवाद के हर रूप का मिलकर मुकाबला करना जरूरी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों देशों ने आपसी रिश्तों की हालिया प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंध बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले दिसम्बर 2024 में भी डोभाल और वांग ने बीजिंग में बैठक की थी, जहां कैलाश मानसरोवर यात्रा, ट्रांस-बार्डर नदी सहयोग और नाथुला ट्रेड जैसे मुद्दों पर 6 सहमतियों पर फैसला हुआ था। डोभाल 17 दिसम्बर को भारत और चीन के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23वीं बैठक में शामिल होने चीन पहुंचे थे। बैठक में यह तय हुआ कि अजीत डोभाल और वांग ई भारत में स्पेशल रिप्रजेंटेटिव (एसआर) स्तर की 24वीं वार्ता में जल्द मुलाकात करेंगे। एनएसए डोभाल ने यह भी कहा कि सीमा पर शांति बनाए रखना और आतंकवाद से कठोरता से निपटना जरूरी है। पाक-भारत झड़प के बाद पहली बड़ी कूटनीतिक बैठक यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई तक सैन्य झड़प हुई थी, जिसकी शुरुआत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई थी।

हमला...

बीर्शेबा। ईरान के मिसाइल हमले में नष्ट हुए आवासीय भवनों के मलबे के बीच काम करते इजरायली सैनिक व बचावदल, इस हमले में कई लोग मारे गए।

इजरायल ने ईरान के खिलाफ सभी लक्ष्य किए पूरे

तेल अवीव। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में निर्धारित सभी लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं और परमाणु तथा मिसाइल खतरों को समाप्त कर दिया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि सोमवार रात प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रक्षामंत्री, सेना प्रमुख और मोसाद प्रमुख के साथ सुरक्षा कैबिनेट बैठक में घोषणा की कि ईरान के खिलाफ अभियान में इजरायल ने न सिर्फ अपने सभी लक्ष्य पूरे कर लिए हैं, बल्कि उन्हें पार भी कर लिया है। बयान में कहा गया है कि इजरायल ने बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु हमलों संबंधी दोहरे खतरों को समाप्त कर दिया है।

इजरायल को दहलाकर मुस्लिमों के हीरों बने खामेनेई

इस्लामिक देशों ने भले ही न दिया हो साथ, पर खामेनेई ने लिया लोहा

मो. अहसान

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार तड़के ऐलान किया कि इजरायल और ईरान युद्ध में दोनों पक्ष सीजफायर के लिए मान गए हैं। ये ऐलान कतर में अमेरिकी अल उदीद एयरबेस पर ईरान के हमले के कुछ घंटो बाद किया गया।

भले ही ईरान का ये हमला सांकेतिक था, लेकिन ईरान ने इसके जरिये अमेरिका को साफ कर दिया कि वह ट्रम्प और नेतन्याहू की धमकी से डरने वाले नहीं है। इजरायल के वजूद के बाद से ये पहली जंग थी, जिसमें इतने बड़े पैमाने पर इजरायली शहरों पर हमले हुए। 86 साल की उम्र में पहुंच चुके ईरानी लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अपनी हत्या के खतरे के बाद भी ईरान के लोगों के सम्मान और संप्रभुता की रक्षा के लिए सरेंडर करने से इन्कार कर दिया। साथ ही साफ किया कि ईरान के लोग फलस्तीन के लिए अपनी आखिरी सांस तक लड़ते रहेंगे, जिसके बाद ईरान का सम्मान पूरी दुनिया के मुसलमानों में बढ़ गया है।

सऊदी और तुर्की जैसे देश मुस्लिम दुनिया का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं, लेकिन ये दोनों ही देश इजरायल के खिलाफ एक्शन लेने में नाकाम रहे हैं। ईरान द्वारा अमेरिका और इजरायल को दो टूक जवाब देने के बाद अब शिया मुसलमानों के साथ-साथ सुन्नी मुसलमानों में खामेनेई का कद बढ़ गया है। पिछले करीब 21 महीनों से जारी गाजा में इजरायली नरसंहार की सऊदी, कतर जैसे खाड़ी देशों ने सिर्फ निंदा ही की है। लेकिन ईरान ने फलस्तीन के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर अटल रहते हुए शुरुआत से ही इजरायल की नाक में दम किया है। ईरान एक शिया देश और फलस्तीन एक सुन्नी देश, लेकिन गाजा पर जब हमला हुआ ईरान सबसे पहले इजरायल के खिलाफ खड़ा हुआ। युद्ध की शुरुआत से ही ईरान की प्रॉक्सी हूती, हिजबुल्लाह जैसे संगठनों ने इजरायल की नाक में दम किया। वहीं जानकार मानते हैं कि हमास को भी ईरान सैन्य और आर्थिक सहायता देता है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी कूटनीतिक तरीके से ईरान ने फलस्तीन का मुद्दा उठाया। गाजा जंग के 2 साल पूरे होने से पहले ही इजरायल और अमेरिका की नजरों में ईरान खलने लगा। फिर इजरायल ने ईरान में अपने जासूसी नेटवर्क के जरिए ईरान के प्रमुख नेताओं और अधिकारियों की हत्याएं करानी शुरू की। फिर भी ईरान फलस्तीन के साथ देने से पीछे नहीं हटा। साथ ही ट्रम्प ने ये भी धमकी दी कि हमें पता है कि खामेनेई कहा हैं और ईरान सरेंडर करे। खामेनेई ने अपनी जान की परवाह किए अपने उत्तराधिकारी तय करते हुए देशवासियों से अपील की कि मेरी जान कुछ कीमत नहीं रखती, मेरे बाद ईरान को आपको इस्लामिक गणराज्य के लिए खड़े रखना है। साथ ही अमेरिकी हमले का जवाब देने का संकल्प लिया। मंगलवार तड़के ईरान ने वही किया जैसा कहा था और कतर में मौजूद अमेरिकी एयर बेस पर करीब 10 मिसाइलों से हमला किया और बताया कि हम अमेरिका के ठिकानों को भी निशाना बनाने में सक्षम है। ईरान ने भी झुके अमेरिका और इजरायल को सीजफायर के लिए मजबूर किया है।

एक ही दिन में लगभग डेढ़ हजार अफगानी परिवार स्वदेश लौटे

काबुल। अफगानिस्तान में पाकिस्तान और ईरान से सोमवार को एक ही दिन में लगभग 1500 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवारों की वापसी हुई है। अफगानिस्तान के सरकारी मीडिया बख्तर न्यूज ने मंगलवार को बताया कि कुल 1469 अफगान शरणार्थी परिवार कई क्रॉसिंग पॉइंट्स के माध्यम से लौटे। इनमें से अधिकांश कल ईरान से लौटे हैं।

इन सभी परिवारों को क्रॉसिंग पॉइंट्स पर अफगान अधिकारियों से आवश्यक सहायता मिली है। गौरतलब है कि 13 जून से ईरान पर इजरायली हमलों के बाद ईरान से अफगान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी बढ़ गई है। पिछले सप्ताह अफगानिस्तान में प्रतिदिन 10,000 व्यक्तियों का प्रवेश दर्ज किया गया है। लगभग दो वर्षों में लगभग 20 लाख अफगानी शरणार्थी स्वदेश लौट आए हैं। ईरान और पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर अफगानिस्तानी लोगों को स्वदेश भेजा है जिसके बाद से इन देशों से प्रतिदिन हज़ारों लोगों को अफ़गानिस्तान वापस भेजा जा रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तानी अथवा ईरानी नागरिकता एवं वर्क परमिट वाले अफगानियों को भी जबरन निर्वासित किया जा रहा है। तालिबान सरकार ने ईरान और पाकिस्तान दोनों के साथ इस मुद्दे को उठाया है।

अमेरिका और ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर तेजी से बढ़ रही वार्ता: सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निर्यात को बढ़ावा दिये जाने का उल्लेख करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी हो जाएगी।

श्रीमती सीतारमण ने यहां इंडिया एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित ट्रेड कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए विकसित भारत योजना के तहत सरकार के व्यापार और विनिर्माण दृष्टिकोण को सामने रखा। उन्होंने कहा कि भारत की निर्यात-आधारित गति अधिक व्यापक और लचीली होती जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और 4 देशों के ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) ब्लॉक के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और ब्रिटेन के साथ बातचीत पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत वास्तव में बहुत तेजी से चल रही है और जल्द ही निष्कर्ष पर पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की व्यापार वृद्धि आकस्मिक या बिखरी हुई नहीं है। इसके बजाय, यह लक्षित नीतिगत कदमों के साथ संरेखित है। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और ईएफटीए ब्लॉक के साथ हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) ने नए बाजार खोले हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 825 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है।

भारत की निर्यात-आधारित गति अधिक व्यापक और लचीली होती जा रही है

श्रीनगर में इजरायली झंडे का भित्तिचित्र हटाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को श्रीनगर के जदीबल इलाके में इजरायली झंडे का एक भित्तिचित्र हटाया दिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि ज़ादीबल इमामबाड़ा के बाहर सड़क पर इजरायल झंडे का भित्तिचित्र बनाया गया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करके इसे हटवा दिया ताकि साम्प्रदायिक सौहार्द और शांति बनी रहे। श्रीनगर के बाहरी इलाके में अमेरिकी और इजरायली झंडे लगाने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद यह मामला सामने आया है। पुलिस जांच में पता चला कि इस घटना में इलाके की तीन किशोरियां भी शामिल थीं। उनकी उम्र और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, उनके माता-पिता को थाने बुलाया गया।